

विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ७ / १६ · Volume 7 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. Videha QUIZ विद्यापति गीतशती (१-५०)	१४० प्रश्न
२. गोविन्ददास भजनावली — गीत १ सँ ५० — विदेह क्विज	१००० प्रश्न
३. विदेह क्विज — विद्यापति गीतशती गीत १ सँ ५०	१००० प्रश्न
४. विदेह क्विज — विद्यापति आ हुनकर परम्परा	३०० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : Videha QUIZ | विद्यापति गीतशती (१-५०)

भाग १ (गीत १-७) : वयो-सन्धि

१. साहित्य अकादमी, नई दिल्ली सँ प्रकाशित 'विद्यापति गीतशती' क सम्पादक के छथि?

- (A) गोविन्द झा
- (B) उमानाथ झा
- (C) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (D) रामदेव झा

२. विद्यापतिक प्रारम्भिक गीतसभ (१-५०) मे मुख्य रूप सँ कोन रस अछि?

- (A) वीर रस
- (B) रौद्र रस
- (C) शृङ्गार रस
- (D) हास्य रस

३. वयो-सन्धिक अर्थ की होइत अछि?

- (A) शैशव आ यौवनक मिलन
- (B) पूर्ण यौवन
- (C) वृद्धावस्था
- (D) बाल्यावस्था

४. वयो-सन्धिमे राधाक नयनक आकारमे की परिवर्तन देखाइत अछि?

- (A) छोट भऽ जाइछ
- (B) विशाल भऽ जाइछ
- (C) कोनो परिवर्तन नहि
- (D) बन्द भऽ जाइछ

५. यौवनक आगमन पर नायिकाक चालि (गती) केहन भऽ जाइत अछि?

- (A) तेज
- (B) मन्थर (धीमा)
- (C) रुक-रुक कऽ
- (D) उड़य जकाँ

६. विद्यापतिक जन्मस्थान कतय अछि?

- (A) उजान
- (B) बिसपी
- (C) तरौनी
- (D) सौराठ

७. विद्यापति अपन भाषाकें की कहने छथि?

- (A) संस्कृत
- (B) अवहट्ठ
- (C) देशिल बअना (मैथिली)
- (D) प्राकृत

८. 'देख देख राधा रूप अपार' - ई पद कोन प्रसंगक अछि?

- (A) विरह
- (B) सौन्दर्य-वर्णन
- (C) मान
- (D) अभिसार

९. वयो-सन्धिमे नायिकाक लज्जामे की परिवर्तन होइछ?

- (A) लज्जा समाप्त होइछ
- (B) लज्जा बढ़ि जाइछ
- (C) क्रोध बढ़ैछ
- (D) कोनो परिवर्तन नहि

१०. वक्षस्थल (कुच) क विकासक उपमा विद्यापति ककरा सँ देल छथि?

- (A) श्रीफल (बेल)
- (B) पहाड़
- (C) नदी
- (D) सूर्य

११. बाल्यावस्थाक चंचलता वयो-सन्धिमे की होइत अछि?

- (A) आरो बढ़ैछ
- (B) घटैत अछि
- (C) अपरिवर्तित रहैछ
- (D) क्रोधमे बदलैछ

१२. विद्यापतिक प्रमुख आश्रयदाता राजा के छलाह?

- (A) शिवसिंह
- (B) नरसिंह
- (C) भवसिंह
- (D) लक्ष्मण सेन

१३. राजा शिवसिंहक पत्नीक नाम की छल जकर चर्चा पदमे अछि?

- (A) सीता देवि
- (B) लखिमा देवि
- (C) पार्वती
- (D) रुक्मिणी

१४. वयो-सन्धिमे सखीक संग खेलबाक प्रवृत्ति की होइछ?

- (A) छूटैत अछि
- (B) बढ़ैत अछि
- (C) ओहने रहैछ
- (D) मार-पीट होइछ

१५. विद्यापतिक पदावलीक मुख्य नायिका के छथि?

- (A) सीता
- (B) राधा
- (C) रुक्मिणी
- (D) सत्यभामा

१६. वयो-सन्धिक पदमे नायक (कृष्ण) क उत्सुकता नायिकाकें देखि की होइछ?

- (A) बढ़ैत अछि
- (B) घटैत अछि
- (C) उदासीन रहैछ
- (D) भयभीत होइछ

१७. विद्यापतिकें कोन प्रसिद्ध उपाधि देल गेल अछि?

- (A) मैथिल कोकिल
- (B) विद्यासागर
- (C) कविराज
- (D) शिरोमणि

१८. 'गीतशती' मे कतेक गीत संकलित अछि?

- (A) ५०
- (B) १००
- (C) १५०
- (D) २००

१९. वयो-सन्धिक सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक चित्रण साहित्यमे ककर विशेषता मानल जाइछ?

- (A) चन्दा झा
- (B) विद्यापति
- (C) गोविन्ददास
- (D) उमापति

२०. विद्यापतिक रचना-काल मुख्य रूप सँ कोन शताब्दी मानल जाइत अछि?

- (A) १२म
- (B) १४म
- (C) १६म
- (D) १८म

भाग २ (गीत ८-१४) : सद्यःस्नाता

२१. 'सद्यःस्नाता' क की अर्थ अछि?

- (A) नहा कऽ तुरंत आयल
- (B) जे नहि नहेने हो
- (C) सुतल
- (D) भोजन करैत

२२. भीजल केश (चिकुर) सँ खसैत जलधारक उपमा विद्यापति ककरा सँ केने छथि?

- (A) नदी
- (B) मोतीयक पाँती
- (C) वर्षा
- (D) पसीना

२३. राधाक मुखक सुन्दरताक उपमा ककरा सँ देल गेल अछि?

- (A) सूर्य
- (B) कमल / चन्द्रमा
- (C) तारा
- (D) दीपक

२४. विद्यापतिक गीतमे चंचल नयनक उपमा प्रायः ककरा सँ होइछ?

- (A) खज्जन चिड़ै / मृग
- (B) काग
- (C) हंस
- (D) मयूर

२५. सद्यःस्नाताक कटि (कमर) क क्षीणताक वर्णनमे ककर उपमा अछि?

- (A) हाथी
- (B) केहरी (सिंह) / डमरू
- (C) बाँस
- (D) लता

२६. जल सँ भीजल वस्त्रावृत्त शरीर ककरा जकाँ लागैत अछि?

- (A) विद्युत (बिजली) जकाँ
- (B) पाथर जकाँ
- (C) माटि जकाँ
- (D) अन्हार जकाँ

२७. विद्यापतिक गीतमे 'चिकुर' शब्दक अर्थ की अछि?

- (A) वस्त्र
- (B) आभूषण
- (C) केश (बाल)
- (D) पैर

२८. नायिकाक चरणक उपमा ककरा सँ देल गेल अछि?

- (A) कमल (स्थलाम्बुज)
- (B) पहाड़
- (C) काँट
- (D) चक्का

२९. भवाँ (भृकुटी) क वक्रताक लेल कवि ककर उपमा देल छथि?

- (A) कामदेवक धनुष
- (B) तलवार
- (C) साँप
- (D) नदी

३०. हास्य (मुस्कान) वा दाँतक उपमा विद्यापति ककरा सँ केने छथि?

- (A) सोना
- (B) हीरा
- (C) कुन्द पुष्प / मोती
- (D) चान्दी

३१. अधर (ठोर) क लालिमाक उपमा ककरा सँ देल जाइछ?

- (A) बिम्ब फल / प्रवाल
- (B) आम
- (C) अमरूद
- (D) केरा

३२. सद्यःस्नाताक दर्शन सँ नायक (कृष्ण) क दशा की होइत अछि?

- (A) क्रोधित
- (B) मुग्ध आ कामातुर
- (C) उदासीन
- (D) भयभीत

३३. नासिका (नाक) क सुन्दरताक उपमा ककरा सँ अछि?

- (A) तिल-फूल / गरुड़क चोंच
- (B) गाछ
- (C) पर्वत
- (D) बाँस

३४. सुन्दर ग्रीवा (गरदन) क उपमा ककरा सँ देल गेल अछि?

- (A) शंख (कम्बु)
- (B) सुराही
- (C) डमरू
- (D) बाँस

३५. नखक चमकक तुलना ककरा सँ कएल गेल अछि?

- (A) तारा
- (B) चन्द्रमाक खण्ड
- (C) सूर्य
- (D) दीपक

३६. बाहु (हाथ) क कोमलताक उपमा ककरा सँ अछि?

- (A) मृणाल (कमलनाल)
- (B) लोहा
- (C) काठ
- (D) लता

३७. सद्यःस्नाता गीतसभमे मुख्य रस कोन अछि?

- (A) संयोग शृङ्गार
- (B) वियोग शृङ्गार
- (C) वीर
- (D) करुण

३८. स्नानक बाद नायिकाक केश ककरा जकाँ कारी लागैत अछि?

- (A) कादम्बिनी (मेघ)
- (B) राति
- (C) कोयला
- (D) भँवरा

३९. गीतशतीमे 'सरसिज' वा 'पङ्कज' शब्द ककरा लेल अछि?

- (A) गुलाब
- (B) कमल
- (C) चमेली
- (D) जूही

४०. विद्यापतिक नख-शिख वर्णनमे कतय सँ कतय धरि सौन्दर्यक वर्णन होइछ?

- (A) माथ सँ पैर
- (B) पैरक नख सँ माथक शिखा धरि
- (C) केवल मुख
- (D) केवल केश

भाग ३ (गीत १५-२१) : दूती आ नयनानुराग

४१. शृङ्गारिक पदमे 'दूती' क मुख्य काज की थिक?

- (A) गीत गाएब
- (B) फूल तोड़ब
- (C) सन्देश पहुँचाएब आ मिलन कराबय
- (D) शृंगार करब

४२. 'नयनानुराग' क की अर्थ अछि?

- (A) आँखिक रोग
- (B) आँखि सँ आँखि मिलब आ प्रेम उत्पन्न होएब
- (C) आँखि बन्द करब
- (D) लोड़ खसब

४३. दूती राधाकें ककर रूप आ गुणक बारेमे कहैत अछि?

- (A) शिवक
- (B) कृष्णक (माधव)
- (C) रामक
- (D) इन्द्रक

४४. कृष्ण लग जा कऽ दूती ककर सौन्दर्यक वर्णन करैत अछि?

- (A) सीताक
- (B) रुक्मिणीक
- (C) राधाक
- (D) गोपीक

४५. विद्यापतिक अनुसार प्रेम सभसँ पहिने कतय सँ प्रारम्भ होइछ?

- (A) वचन सँ
- (B) पत्र सँ
- (C) प्रथम दर्शन (नयन) सँ
- (D) स्पर्श सँ

४६. पदावलीमे 'माधव' शब्द ककर नाम अछि?

- (A) कृष्ण
- (B) शिव
- (C) विष्णु
- (D) कामदेव

४७. नयनकें ककर बाण (तीर) मानल गेल अछि?

- (A) रामक
- (B) कामदेवक (मदन)
- (C) शिवक
- (D) लक्ष्मणक

४८. दूतीक स्वभाव केहन होइत अछि?

- (A) मूर्ख
- (B) चतुर आ वाक्पटु
- (C) क्रोधी
- (D) शान्त

४९. नायक-नायिकाक मध्य मिलनक मार्ग के प्रशस्त करैत अछि?

- (A) राजा
- (B) दूती (सखी)
- (C) माता
- (D) पिता

५०. दूती-प्रसंगमे राधाक मानसिक अवस्था केहन रहैत अछि?

- (A) क्रोधित
- (B) उत्कण्ठित आ लज्जित
- (C) निराश
- (D) उदासीन

५१. मैथिली पदावलीमे नायक-नायिकाक मध्यस्थ के होइछ?

- (A) दूती
- (B) गुरु
- (C) मंत्री
- (D) पुरोहित

५२. प्राचीन कालमे प्रेम पत्र वा सन्देश के लऽ जाइत छल?

- (A) कबूतर
- (B) दूती
- (C) डाकिया
- (D) सैनिक

५३. राधाक 'सखी' विद्यापतिक पदमे कोन भूमिका निभावैत छथि?

- (A) शत्रुक
- (B) दूतीक
- (C) माताक
- (D) दासीक

५४. विद्यापतिक गीतमे 'कान्ह' शब्द ककर लेल अछि?

- (A) कृष्ण
- (B) कंस
- (C) बलराम
- (D) सुदामा

५५. दूतीक वचन सुनि कऽ नायिका पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

- (A) ओ सुइत रहैछ
- (B) ओ प्रेरित आ प्रेमातुर होइछ
- (C) ओ घर सँ भागि जाइछ
- (D) ओ रोबय लगैछ

५६. नयनानुरागक बाद प्रेमक दोसर सोपान की अछि?

- (A) मिलनक आकाङ्क्षा आ दूती-प्रेषण
- (B) विवाह
- (C) संन्यास
- (D) मान

५७. राधाक अन्तरंग सखा वा सखी के छथि?

- (A) दूती
- (B) यशोदा
- (C) गोप
- (D) नन्द

५८. दूती द्वारा प्रयुक्त मुख्य युक्ति की होइत अछि?

- (A) मार-पीट
- (B) साम-दाम वा मनोवैज्ञानिक प्रभाव
- (C) रोदन
- (D) शस्त्र-प्रयोग

५९. 'काम-ज्वर' केँ शान्त करबाक उपाय दूती की बतावैत अछि?

- (A) औषधि
- (B) प्रिय सँ मिलन
- (C) जल-पान
- (D) निद्रा

६०. विद्यापतिक दूती-प्रसंगमे कोन रस पुष्ट होइत अछि?

- (A) हास्य
- (B) शृङ्गार (पूर्वानुराग)
- (C) करुण
- (D) रौद्र

भाग ४ (गीत २२-२८) : वसन्त-उद्दीपन

६१. वसन्तक आगमन सँ नायक-नायिकाक हृदयमे की प्रभाव पड़ैत अछि?

- (A) शान्ति अबैछ
- (B) प्रेमक उद्दीपन बढ़ैछ
- (C) क्रोध अबैछ
- (D) वैराग्य अबैछ

६२. वसन्तक पदसभमे 'मधुकर' क अर्थ की थिक?

- (A) मधु मक्खी
- (B) भँवरा (भ्रमर)
- (C) तितली
- (D) कोइली

६३. वियोगिनी नायिकाकेँ वसन्तमे 'कोकिलक कूज' केहन लागैत अछि?

- (A) आनन्ददायक
- (B) कष्टदायक (बाण जकाँ)
- (C) सुमधुर
- (D) हास्यपूर्ण

६४. वसन्तमे प्रवाहित 'मलय-पवन' कतय सँ अबैत अछि?

- (A) हिमालय सँ
- (B) मलय पर्वत (दक्षिण) सँ
- (C) समुद्र सँ
- (D) मरुस्थल सँ

६५. 'मलय' पर्वत पर मुख्य रूप से ककर वन पाओल जाइत अछि?

- (A) आम
- (B) चन्दन
- (C) पीपल
- (D) बरगद

६६. वसन्त ऋतुमे गाछ पर की देखा पडैत अछि?

- (A) पतझड़
- (B) नूतन पल्लव (नव पत्रा)
- (C) बरफ
- (D) काँट

६७. विद्यापतिक गीतमे 'पिक' शब्दक अर्थ की अछि?

- (A) कबूतर
- (B) कोकिल (कोइली)
- (C) मयूर
- (D) हंस

६८. ऋतुसभक राजा (ऋतुराज) ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) वर्षा
- (B) शरद
- (C) वसन्त
- (D) हेमन्त

६९. वसन्तमे ककर प्रभाव सभ से बेसी बढ़ि जाइत अछि?

- (A) यमराजक
- (B) कामदेवक (मदनक)
- (C) इन्द्रक
- (D) वरुणक

७०. फूल पर भँवराक गुञ्जार ककर प्रतीक मानल जाइत अछि?

- (A) प्रेमक उद्दीपनक
- (B) मृत्यु क
- (C) युद्धक
- (D) संन्यासक

७१. 'सरस वसन्त समय भल पावल...' ई पाँती कोन प्रसंगक अछि?

- (A) वर्षा वर्णन
- (B) वसन्त वर्णन
- (C) विरह वर्णन
- (D) मान वर्णन

७२. जे वस्तु वा प्राकृतिक दृश्य प्रेमकेँ जगाबय ओकरा साहित्यमे की कहल जाइछ?

- (A) आलम्बन
- (B) उद्दीपन विभाव
- (C) अनुभाव
- (D) संचारी भाव

७३. वसन्तक प्राकृतिक छटा वियोगमे केहन प्रतीत होइत अछि?

- (A) अत्यन्त दुःखद
- (B) सुखद
- (C) शान्त
- (D) आनन्दित

७४. कामदेवक बाण (तीर) केँ की मानल गेल अछि?

- (A) लोहाक तीर
- (B) आम्र-मञ्जरी (पुष्प-बाण)
- (C) अग्निक तीर
- (D) जलक तीर

७५. दक्षिण दिशा सँ आबय वला पवनकेँ की कहल जाइत अछि?

- (A) पुरवा
- (B) मलय पवन / मलयानिल
- (C) पछिया
- (D) उत्तरा

७६. हिन्दू क्यालेन्डरक अनुसार 'मधुमास' कोन-कोन मासकेँ कहल जाइछ?

- (A) साओन-भादो
- (B) चैत-वैशाख
- (C) पूस-माघ
- (D) आसिन-कातिक

७७. कोकिलक स्वर संगीतक कोन स्वर सँ मिलैत अछि?

- (A) षड्ज
- (B) पञ्चम स्वर
- (C) गान्धार
- (D) निषाद

७८. मलय-पवनक तीनटा मुख्य गुण की-की अछि?

- (A) गरम, तेज, दुर्गन्धित
- (B) शीतल, मन्द, सुगन्धित
- (C) भयानक, कारी, तेज
- (D) अन्हार, वर्षा, वज्र

७९. वसन्त ऋतुमे चाँदनी राति (चन्द्र ज्योत्स्ना) वियोगमे केहन लागैत अछि?

- (A) शीतल
- (B) अग्नि जकाँ संतापदायक
- (C) सुखद
- (D) अन्हार

८०. 'कुसुमाकर' शब्दक प्रयोग ककर लेल होइत अछि?

- (A) वसन्त लेल
- (B) वर्षा लेल
- (C) ग्रीष्म लेल
- (D) शरद लेल

भाग ५ (गीत २९-३५) : अभिसारिका

८१. 'अभिसारिका' नायिका ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) जे घरमे बैसल रहय
- (B) जे प्रिय सँ मिलय लेल संकेत-स्थल पर जाय
- (C) जे युद्ध करय
- (D) जे संन्यास लऽ लेय

८२. अन्हरिया राति (कृष्ण पक्ष) मे अभिसार करय वली नायिकाकें की कहल जाइछ?

- (A) शुक्लाभिसारिका
- (B) कृष्णाभिसारिका
- (C) दिवाभिसारिका
- (D) सद्यःस्नाता

८३. चान्दनी राति (शुक्ल पक्ष) मे अभिसार करय वली नायिकाकें की कहल जाइछ?

- (A) कृष्णाभिसारिका
- (B) शुक्लाभिसारिका
- (C) दिवाभिसारिका
- (D) मानिनी

८४. कृष्णाभिसारिका छुपबाक लेल केहन वस्त्र धारण करैत अछि?

- (A) लाल
- (B) उज्जर
- (C) कारी (नील वा श्याम)
- (D) पीयर

८५. शुक्लाभिसारिका केहन वस्त्र पहिरैत अछि?

- (A) कारी
- (B) उज्जर (श्वेत)
- (C) हरियर
- (D) लाल

८६. जे नायिका दिनमे अभिसार करैत अछि, ओकरा की कहल जाइछ?

- (A) कृष्णाभिसारिका
- (B) दिवाभिसारिका
- (C) निशाभिसारिका
- (D) शुक्लाभिसारिका

८७. विद्यापतिक पदसभमे अभिसार मार्गक प्रमुख बाधा की बतायल गेल अछि?

- (A) अन्हार, साँप, काद-मेघ
- (B) राज सैनिक
- (C) जंगली जानवर
- (D) नदीक बाढ़ि

८८. नायिकाक पैरक कोन आभूषण अभिसारमे शब्द (आवाज) कऽ कऽ बाधा उत्पन्न करैछ?

- (A) चूड़ी
- (B) नूपुर (पायल)
- (C) हार
- (D) कुण्डल

८९. नूपुरक झंकार सँ बचेबाक लेल अभिसारिका की करैत अछि?

- (A) ओकरा बेसी जोर सँ बजावैछ
- (B) नूपुर खोलि कऽ हाथमे लऽ लैछ वा मौन करैछ
- (C) नूपुर फेकि दैछ
- (D) नूपुर तोड़ि दैछ

९०. अभिसारिकाक साहसक बारेमे कवि की कहैत छथि?

- (A) ओ डरपोक अछि
- (B) प्रेमक कारणे ओकर साहस अत्यधिक होइछ
- (C) ओ पुरुष सँ डराइछ
- (D) ओ घर सँ नहि निकलैछ

९१. नायक-नायिकाक मिलनक पूर्वनिर्धारित स्थानकेँ की कहल जाइछ?

- (A) राजमहल
- (B) संकेत-स्थल (कुञ्ज / वन)
- (C) मन्दिर
- (D) बजार

९२. राधा-कृष्णक अभिसार प्रायः कतय होइत अछि?

- (A) गंगा तीर
- (B) यमुना तीर वा कुञ्ज वन
- (C) समुद्र तीर
- (D) पहाड़क चोटी

९३. अभिसार लेल नायिकाकेँ के प्रेरित करैत अछि?

- (A) माता-पिता
- (B) स्व-प्रेम आ दूती
- (C) राजा
- (D) शत्रु

९४. मेघ-गर्जन आ वज्रपातमे सेहो अभिसार करब ककर प्रतीक अछि?

- (A) मूर्खताक
- (B) प्रेमक दृढ़ता आ साहसक
- (C) क्रोधक
- (D) वैराग्यक

९५. 'कुञ्ज' शब्दक की अर्थ अछि?

- (A) महल
- (B) लता-वितान / गाछक झुरमुट
- (C) नदी
- (D) पर्वत

९६. अभिसारमे नायिकाक मार्ग दर्शक के होइत अछि?

- (A) मशाल
- (B) प्रेम आ दूती
- (C) नक्शा
- (D) सैनिक

९७. अभिसारिका अपन मुखकें की कऽ कऽ जाइत अछि?

- (A) खुला रखैछ
- (B) घुंघट (वस्त्र) सँ झाँपि कऽ
- (C) रंग लगा कऽ
- (D) मुस्कराबैत

९८. राधा-कृष्णक रास-लीला आ अभिसारक मुख्य स्थल कोन अछि?

- (A) अयोध्या
- (B) वृन्दावन / गोकुल
- (C) जनकपुर
- (D) काशी

९९. अभिसार कालमे नायिकाक चालि केहन होइत अछि?

- (A) मस्त आ बेपरवाह
- (B) सजग, चौकन्ना आ त्रस्त
- (C) सुस्त
- (D) दौड़ैत

१००. विद्यापतिक पदमे 'रैन' वा 'रजनी' क अर्थ की थिक?

- (A) दिन
- (B) राति
- (C) भोर
- (D) सांझ

भाग ६ (गीत ३६-४२) : मान आ नख-शिख

१०१. शृङ्गार रसमे 'मान' क अर्थ की होइत अछि?

- (A) सम्मान करब
- (B) प्रणय-कोप (प्रेमक कारणे रुस्नाइ)
- (C) अभिमान (घमंड)
- (D) मापन

१०२. रुसल नायिका (मानिनी) कें मनेबाक (मान-भंजन) लेल नायक प्रायः की करैत छथि?

- (A) मारैत छथि
- (B) चरण पकड़ैत छथि (अनुनय-विनय)
- (C) चलि जाइत छथि
- (D) हँसैत छथि

१०३. विद्यापतिक पदमे 'मानिनी' नायिका मुख्य रूप सँ के छथि?

- (A) गोपी
- (B) रुक्मिणी
- (C) राधा
- (D) यशोदा

१०४. नायिकाक 'मान' करबाक मुख्य कारण की होइत अछि?

- (A) धनक कमी
- (B) नायकक अपराध वा अन्य स्त्री सँ प्रेम (खण्डिता)
- (C) भोजन नहि भेटब
- (D) निद्रा

१०५. सखी (दूती) मानिनी नायिकाके की उपदेश दैत अछि?

- (A) मान छोड़ि नायकके अपनाबय लेल
- (B) आरो रुसय लेल
- (C) घर सँ भागय लेल
- (D) रोबय लेल

१०६. मानक अवस्थामे नायिका नायकक दिस केहन दृष्टि सँ देखैत अछि?

- (A) सीधी
- (B) तिरछी / वक्र (कटाक्ष)
- (C) बन्द आँखि सँ
- (D) प्रेमपूर्ण

१०७. मानिनीक नयन सँ क्रोध आ दुःखमे की खसैत अछि?

- (A) जल (लोड़क धार)
- (B) रक्त
- (C) अग्नि
- (D) पुष्प

१०८. नायकक अनुनय-विनयके साहित्यमे की कहल जाइत अछि?

- (A) वीरता
- (B) चाटुकारिता / नति
- (C) कायरता
- (D) धोखा

१०९. विद्यापति अपन गीतसभक अन्तमे जे नाम दैत छथि, ओकरा की कहल जाइछ?

- (A) उपमा
- (B) भणिता
- (C) दोहा
- (D) छन्द

११०. मानिनीक हृदय स्वभाव सँ केहन होइत अछि?

- (A) बाहर-भीतर कठोर
- (B) बाहर सँ कठोर, भीतर सँ कोमल
- (C) बाहर कोमल, भीतर कठोर
- (D) पाथर जकाँ

१११. मान-भंजनक पश्चात् नायक-नायिकाक मध्य की होइत अछि?

- (A) युद्ध
- (B) मधुर मिलन
- (C) वियोग
- (D) संन्यास

११२. मान कालमे नायिकाक वचन (बोली) नायकक प्रति केहन होइत अछि?

- (A) मधुर
- (B) कठोर वा व्यंग्यपूर्ण
- (C) हास्यपूर्ण
- (D) मौन

११३. मानिनीकें मनेबाक लेल नायक कोन उपाय अपनावैत छथि?

- (A) साम (मधुर वचन) आ नति (चरण स्पर्श)
- (B) दण्ड (मारब)
- (C) भेद
- (D) उपरोक्त सभ

११४. विद्यापतिक पदमे 'कोप' शब्दक की अर्थ अछि?

- (A) प्रसन्नता
- (B) क्रोध / मान
- (C) दया
- (D) क्षमा

११५. मानिनी नायिकाक अवस्था वियोगिनी जकाँ केहन होइत अछि?

- (A) सुखद
- (B) कष्टप्रद आ सन्तापयुक्त
- (C) शान्त
- (D) निद्रामग्न

११६. जे नायिकाकें नायकक अन्य स्त्री सँ सम्बन्धक कारण मान होइछ, ओकरा की कहल जाइछ?

- (A) स्वाधीनपतिका
- (B) खण्डिता
- (C) वासकसज्जा
- (D) प्रोखितभर्तृका

११७. मानमे नायक नायिकाकें विश्वास देबाक लेल की करैत छथि?

- (A) सौगन्ध (कसम) खाएब
- (B) भागि जेबाक बात
- (C) मारबाक धमकी
- (D) कानब

११८. 'अपराध' शब्दक प्रयोग विद्यापतिक मान पदमे ककर लेल होइछ?

- (A) राधाक लेल
- (B) नायक (कृष्ण) क त्रुटि लेल
- (C) दूतीक लेल
- (D) राजाक लेल

११९. मानिनीक मुखमण्डल क्रोधक कारणे केहन देखाइत अछि?

- (A) प्रसन्न
- (B) मलिन वा रुष्ट (लाल)
- (C) उज्जर
- (D) कारी

१२०. विद्यापतिक मान सम्बन्धी पदसभमे ककर सूक्ष्मता देखाइत अछि?

- (A) युद्ध कौशलक
- (B) मनोवैज्ञानिक सूक्ष्मताक
- (C) राजनीतिक
- (D) आर्थिक

भाग ७ (गीत ४३-५०) : विरह आ विविध

१२१. शृङ्गार रसमे 'विरह' क अवस्था जखन अबैत अछि तखन नायक कतय रहैत छथि?

- (A) नायिकाक संग
- (B) प्रवासमे (दूर)
- (C) सुतल
- (D) युद्ध भूमिमे

१२२. विरहक कारणे नायिका (राधा) क शरीर केहन भऽ जाइत अछि?

- (A) मोटा जाइछ
- (B) क्षीण आ पातर भऽ जाइछ
- (C) स्वस्थ रहैछ
- (D) कोनो प्रभाव नहि

१२३. वियोगमे सुखद 'चाँदनी राति' (चन्द्र ज्योत्स्ना) विरहिणीकें केहन लागैत अछि?

- (A) शीतल
- (B) अग्नि जकाँ संतापदायक
- (C) शान्त
- (D) अन्हार

१२४. विरह ताप शान्त करबाक लेल लगायल गेल 'चन्दनक लेप' नायिकाकें केहन लागैछ?

- (A) अमृत जकाँ
- (B) विष वा अग्नि जकाँ
- (C) जल जकाँ
- (D) माटि जकाँ

१२५. वसन्तक 'कोकिल-स्वर' विरहिणीक कानमे ककर समान चुभैत अछि?

- (A) बाण (तीर) जकाँ
- (B) फूल जकाँ
- (C) मधु जकाँ
- (D) संगीत जकाँ

१२६. विद्यापतिक पदावलीमे 'माधव' राधाकें छोड़ि कतय चलि गेलाह?

- (A) अयोध्या
- (B) मथुरा
- (C) जनकपुर
- (D) लङ्का

१२७. विरहमे नायिकाकें जे सन्ताप होइछ ओकरा की कहल जाइछ?

- (A) मलेरिया
- (B) विरह-ज्वर (ताप)
- (C) हैजा
- (D) टाइफाइड

१२८. सखी (दूती) विरहिणी नायिकाकें की आश्वासन दैत अछि?

- (A) रोबय लेल
- (B) प्रिय घुरि कऽ अवश्य अवताह (धैर्य राखू)
- (C) दोसर विवाह करय लेल
- (D) प्राण त्यागय लेल

१२९. साहित्य शास्त्रमे विरह (काम) क कतेक दशा मानल गेल अछि?

- (A) पाँच
- (B) दस
- (C) पन्द्रह
- (D) बीस

१३०. विरहिणीक नयन सँ निरन्तर की प्रवाहित होइत रहैत अछि?

- (A) लोड़क नदी (अश्रु-धार)
- (B) जल
- (C) रक्त
- (D) अमृत

१३१. विरहक अवस्थामे नायिकाक निद्रा पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

- (A) बेसी सुतैछ
- (B) निद्रा नहि अबैछ (उड़ि जाइछ)
- (C) स्वप्न देखैछ
- (D) कोनो प्रभाव नहि

१३२. विरहिणी नायिका अपन श्रृंगार-प्रसाधनक की करैत अछि?

- (A) बेसी श्रृंगार करैछ
- (B) पूर्णतः त्यागि दैछ
- (C) सखीकेँ दऽ दैछ
- (D) बेचि दैछ

१३३. विद्यापतिक भाषा (मैथिली) केँ साहित्यमे केहन मानल गेल अछि?

- (A) कठोर
- (B) अत्यन्त मधुर आ कोमल (श्रुतिमधुर)
- (C) कर्कश
- (D) नीरस

१३४. 'भनइ विद्यापति' - ई वाक्यांश ककर परिचायक अछि?

- (A) कविक भणिता (नाम)
- (B) गीतक शीर्षक
- (C) प्रकाशकक नाम
- (D) सम्पादकक नाम

१३५. 'विद्यापति गीतशती' क प्रकाशक के छथि?

- (A) मैथिली अकादमी
- (B) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- (C) विदेह
- (D) चेतना समिति

१३६. विद्यापतिकेँ 'मैथिल कोकिल' क अतिरिक्त आन कोन नाम सँ जानल जाइछ?

- (A) अभिनव जयदेव
- (B) तुलसीदास
- (C) सूरदास
- (D) कबीर

१३७. विद्यापतिक ग्राम 'बिसपी' वर्तमानमे कोन जिलामे अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) मधुबनी
- (C) सीतामढ़ी
- (D) सहरसा

१३८. 'विद्यापति गीतशती' क सम्पादक उमानाथ झाक साहित्यमे की योगदान अछि?

- (A) केवल कविता
- (B) उत्कृष्ट सम्पादन आ आधुनिक समीक्षा
- (C) नाटक
- (D) उपन्यास

१३९. विद्यापतिक पदावलीक प्रभाव मिथिलाक अतिरिक्त कतय बेसी पड़ल?

- (A) पंजाब
- (B) बंगाल, असम आ उड़ीसा (वैष्णव आन्दोलन)
- (C) गुजरात
- (D) महाराष्ट्र

१४०. ई १४० प्रश्नक क्विजक निर्माता संस्था/पत्रिकाक नाम की अछि?

- (A) विदेह ई-लर्निङ्ग
- (B) कोशी
- (C) मिथिला मिहिर
- (D) आरंभ

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) उमानाथ झा — सम्पादन ख्यातिप्राप्त विद्वान स्व. उमानाथ झा केने छथि।
२. (C) शृङ्गार रस — पदावलीमे मुख्य रूप सँ शृङ्गार रसक (संयोग तथा वियोग) वर्णन अछि।
३. (A) शैशव आ यौवनक मिलन — वयो-सन्धि अर्थात् बाल्यावस्थाक समाप्ति आ यौवनक आगमनक सन्धि-काल।
४. (B) विशाल भऽ जाइछ — यौवनक आगमन पर नयन (आँखि) विशाल आ चंचल भऽ जाइत अछि।
५. (B) मन्थर (धीमा) — बाल्यावस्थाक दौड़-धूप कम भऽ जाइछ आ चालिमे मन्थरता (मादकता) आवि जाइछ।
६. (B) बिसपी — विद्यापतिक जन्म मधुबनी जिलाक बिसपी गाममे भेल छल।
७. (C) देशिल बअना (मैथिली) — विद्यापति मैथिलीकें 'देशिल बअना सब जन मिट्ठा' कहने छथि।
८. (B) सौन्दर्य-वर्णन — एहिमे विधाता द्वारा निर्मित राधाक अपूर्व सौन्दर्यक वर्णन कएल गेल अछि।
९. (B) लज्जा बढ़ि जाइछ — यौवनक आगमन सँ नायिकाक स्वभावमे स्वाभाविक लज्जा बढ़ि जाइत अछि।
१०. (A) श्रीफल (बेल) — कुच-युग्मकें कञ्चन-कलश वा श्रीफल (बेल) सँ उपमित कएल गेल अछि।
११. (B) घटैत अछि — चंचलता घटल जाइछ आ ओकर स्थान गम्भीरता आ लज्जा लऽ लैत अछि।
१२. (A) शिवसिंह — राजा शिवसिंह विद्यापतिक परम मित्र आ आश्रयदाता छलाह।
१३. (B) लखिमा देवि — विद्यापति अपन पदसभक अन्त (भणित) मे शिवसिंह आ लखिमा देवि क नाम प्रायः दैत छथि।
१४. (A) छूटैत अछि — वय-सन्धिक कारणे नायिकाक सखी-संग खेलबाक प्रवृत्ति कम भऽ जाइत अछि।
१५. (B) राधा — विद्यापतिक सम्पूर्ण शृङ्गारिक पदावली राधा आ कृष्णक प्रेमक चारू कात घुमैत अछि।
१६. (A) बढ़ैत अछि — नायिकाक नव-यौवन देखि नायकक अनुराग आ उत्सुकता बढ़ि जाइत अछि।
१७. (A) मैथिल कोकिल — हिनका मैथिल कोकिल, अभिनव जयदेव आदि उपाधि सँ विभूषित कएल गेल अछि।

१८. (B) १०० — गीतशती (शती = १००) मे कुल १०० पद अछि, मुदा एहि क्विजमे १-५० क चर्चा अछि।
१९. (B) विद्यापति — विद्यापतिक वयो-सन्धि वर्णन साहित्यमे अद्वितीय आ मनोवैज्ञानिक मानल गेल अछि।
२०. (B) १४म — विद्यापति १४म शताब्दीक उत्तरार्ध आ १५म शताब्दीक पूर्वार्धक कवि छलाह।
२१. (A) नहा कऽ तुरंत आयल — सद्यः (तुरंत) + स्नाता (स्नान कएने), अर्थात् तुरंत स्नान कऽ कऽ आयल नायिका।
२२. (B) मोतीयक पाँती — कारी केश सँ खसैत जलकें मोतीयक पाँती वा अन्हार सँ खसैत मोती जकाँ वर्णित कएल अछि।
२३. (B) कमल / चन्द्रमा — मुखकें चन्द्रमा वा कमल (सरसिज) क समान सुन्दर बतायल गेल अछि।
२४. (A) खञ्जन चिड़ै / मृग — चंचल आँखि लेल 'खञ्जन' चिड़ै वा 'मृग' (हरिण) क उपमा सर्वप्रचलित अछि।
२५. (B) केहरी (सिंह) / डमरू — पतली कमर लेल केहरी (सिंहनी) वा डमरूक मध्य भागक उपमा देल जाइत अछि।
२६. (A) विद्युत (बिजली) जकाँ — भीजल उज्जर वा पीयर वस्त्रमे नायिकाक शरीर मेघमे चामकैत बिजली (विद्युत) जकाँ सुशोभित होइछ।
२७. (C) केश (बाल) — 'चिकुर' क अर्थ केश अछि जकर सद्यःस्नाता वर्णनमे विशेष महत्व अछि।
२८. (A) कमल (स्थलाम्बुज) — कोमल चरणकें लाल कमल (स्थलाम्बुज वा पदम) सँ उपमित कएल गेल अछि।
२९. (A) कामदेवक धनुष — नायिकाक भवौ (Eyebrows) कें कामदेवक धनुष (मदन-धनुष) जकाँ वर्णित कएल गेल अछि।
३०. (C) कुन्द पुष्प / मोती — उज्ज्वल दाँत आ मुस्कानक लेल कुन्दक फूल वा मोतीयक पाँतीक उपमा अछि।
३१. (A) बिम्ब फल / प्रवाल — लाल ठोर लेल बिम्ब फल वा प्रवाल (मूँगा) क उपमा देल गेल अछि।
३२. (B) मुग्ध आ कामातुर — राधाक सद्यःस्नाता रूप देखि नायक पूर्णतः मुग्ध आ प्रेमातुर भऽ जाइत छथि।
३३. (A) तिल-फूल / गरुड़क चोंच — सुन्दर नासिका लेल तिल-पुष्प वा खगेन्द्र (गरुड़) क चोंचक उपमा देल जाइछ।
३४. (A) शंख (कम्बु) — गोल आ रेखांकित ग्रीवाकें कम्बु (शंख) क उपमा देल गेल अछि।
३५. (B) चन्द्रमाक खण्ड — कोमल नखकें अर्धचन्द्र वा चन्द्रमाक खण्डक समान चमकीला बतायल गेल अछि।
३६. (A) मृणाल (कमलनाल) — नायिकाक कोमल बाहुकें कमलनाल (मृणाल) जकाँ कोमल वर्णित कएल अछि।
३७. (A) संयोग शृङ्गार — एहि पदसभमे नायक द्वारा नायिकाक सौन्दर्य दर्शन अछि, जे संयोग शृङ्गारक अङ्ग अछि।
३८. (A) कादम्बिनी (मेघ) — भीजल कारी केशकें मेघमाला (कादम्बिनी) जकाँ सघन आ कारी बतायल गेल अछि।
३९. (B) कमल — सरसिज अर्थात् सर (तालाब) मे जन्मय वला - कमल।
४०. (B) पैरक नख सँ माथक शिखा धरि — नख-शिख परम्परामे पैरक नख सँ लऽ कऽ माथक शिखा धरि सौन्दर्यक क्रमिक वर्णन होइछ।
४१. (C) सन्देश पहुँचाएब आ मिलन कराबय — दूती नायक आ नायिकाक मध्य प्रेमक सन्देशा पहुँचाबैत अछि आ अभिसारक मार्ग प्रशस्त करैत अछि।
४२. (B) आँखि सँ आँखि मिलब आ प्रेम उत्पन्न होएब — नयनानुराग अर्थात् प्रथम दर्शनमे नयन सँ नयनक मिलन आ प्रेमक उत्पत्ति।
४३. (B) कृष्णक (माधव) — दूती राधा लग जा कऽ माधव (कृष्ण) क रूप, गुण आ अनुरागक वर्णन करैत अछि।
४४. (C) राधाक — कृष्णक काम-ज्वर शान्त करबाक लेल दूती राधाक अपूर्व सौन्दर्यक वर्णन करैत अछि।
४५. (C) प्रथम दर्शन (नयन) सँ — नयनानुराग (आँखिक मिलन) प्रेमक प्रथम सोपान मानल गेल अछि।
४६. (A) कृष्ण — माधव, हरि, कान्ह आदि शब्द श्रीकृष्णक लेल प्रयुक्त अछि।
४७. (B) कामदेवक (मदन) — नायिकाक तिरछी नजरि (नयन) कें कामदेवक अचूक बाण जकाँ मानल गेल अछि।
४८. (B) चतुर आ वाक्पटु — दूतीकें चतुर, वाक्पटु आ मनोवैज्ञानिक रूप सँ दक्ष होएब आवश्यक अछि।
४९. (B) दूती (सखी) — दूती अपन युक्ति सँ दुनू दिसक संकोच दूर कऽ मिलनक मार्ग प्रशस्त करैत अछि।
५०. (B) उत्कण्ठित आ लज्जित — राधा कृष्ण सँ मिलय लेल उत्कण्ठित रहैत छथि मुदा लज्जावश स्पष्ट नहि कहि पाबैत छथि।
५१. (A) दूती — प्रेमक आदान-प्रदान आ सन्देश लेल दूती (सखी) मध्यस्थक काज करैत अछि।
५२. (B) दूती — काव्य परम्परामे दूती वा सखी हे प्रेम-सन्देश लऽ जाइत छलीह।
५३. (B) दूतीक — राधाक सखी हे प्रायः दूती बनि कऽ कृष्ण लग जाइत छथि।

५४. (A) कृष्ण — कान्ह, कान्हा, कन्हैया शब्द श्रीकृष्णक लेल प्रयुक्त होइत अछि।
५५. (B) ओ प्रेरित आ प्रेमातुर होइछ — दूतीक वचन उद्दीपनक काज करैछ आ नायिका अभिसार लेल प्रेरित होइत अछि।
५६. (A) मिलनक आकाङ्क्षा आ दूती-प्रेषण — दर्शनक बाद आकाङ्क्षा जाग्रत होइछ आ दूतीक माध्यम सँ प्रयास कएल जाइछ।
५७. (A) दूती — अन्तरंग बात राधा केवल अपन सखी (जे दूतीक काज करैछ) सँ कहैत छथि।
५८. (B) साम-दाम वा मनोवैज्ञानिक प्रभाव — दूती मनोवैज्ञानिक युक्ति (साम, विनय) सँ नायक/नायिकाकें मनेबाक काज करैत अछि।
५९. (B) प्रिय सँ मिलन — प्रेमक ज्वर शान्त करबाक एकमात्र उपाय प्रियतम सँ मिलन हे बतायल गेल अछि।
६०. (B) शृङ्गार (पूर्वानुराग) — मिलन सँ पूर्व जे प्रेम वा उत्कण्ठा जाग्रत होइछ, ओकरा पूर्वानुराग वा पूर्वानुराग शृङ्गार कहल जाइछ।
६१. (B) प्रेमक उद्दीपन बढ़ैछ — वसन्त ऋतु प्रेम आ शृङ्गारक प्राकृतिक उद्दीपन अछि जहि सँ कामाग्नि प्रज्वलित होइछ।
६२. (B) भँवरा (भ्रमर) — वसन्तक वर्णनमे फूल पर मँडरायत 'मधुकर' (भँवरा) प्रेमक प्रतीक अछि।
६३. (B) कष्टदायक (बाण जकाँ) — वसन्तक मादक वातावरण आ कोइलक स्वर वियोगिनीक विरह-व्यथा बढ़ा दैत छैक।
६४. (B) मलय पर्वत (दक्षिण) सँ — मलय पर्वत (जहाँ चन्दनक गाछ होइछ) सँ आबय वला सुगन्धित हवाकें मलय-पवन कहल जाइछ।
६५. (B) चन्दन — मलय पर्वत चन्दनक वनक लेल प्रसिद्ध अछि, ताहि लेल ओतय सँ आबय वली हवा सुगन्धित होइछ।
६६. (B) नूतन पल्लव (नव पत्रा) — वसन्तमे आम्र-मञ्जरी आ गाछ पर नव पल्लव (कोपल) आबि जाइत अछि।
६७. (B) कोकिल (कोइली) — 'पिक' वा कोकिल वसन्तक दूत मानल जाइत अछि जकर स्वर काम-उद्दीपक होइछ।
६८. (C) वसन्त — अपन प्राकृतिक सौन्दर्य आ मादकताक कारण वसन्तकें ऋतुराज कहल जाइत अछि।
६९. (B) कामदेवक (मदनक) — वसन्त कामदेवक सखा अछि, ताहि लेल एहि ऋतुमे मदन-बाणक प्रभाव बढ़ि जाइछ।
७०. (A) प्रेमक उद्दीपनक — भँवराक गुञ्जार शृङ्गार रसमे मादकता आ प्रेमक उद्दीपनक सशक्त प्रतीक अछि।
७१. (B) वसन्त वर्णन — ई गीत वसन्त ऋतुक प्राकृतिक सौन्दर्य आ काम-उद्दीपनक वर्णन करैत अछि।
७२. (B) उद्दीपन विभाव — वसन्त, चन्द्रमा, मलय-पवन आदि उद्दीपन विभाव थिक जे स्थायी भावकें जाग्रत करैछ।
७३. (A) अत्यन्त दुःखद — संयोगमे जे सुखद लागैछ, वियोगमे ओही वस्तु विरहाग्नि बढ़ा कऽ दुःखद प्रतीत होइछ।
७४. (B) आम्र-मञ्जरी (पुष्प-बाण) — कामदेवकें पुष्प-धन्वा कहल जाइछ, आ आमक मञ्जरी ओकर एकटा प्रमुख बाण अछि।
७५. (B) मलय पवन / मलयानिल — दक्षिणमे मलय पर्वत अछि, ताहि लेल दक्षिणक पवन मलयानिल कहलावैत अछि।
७६. (B) चैत-वैशाख — चैत्र आ वैशाख मासकें मधुमास वा वसन्त काल मानल जाइत अछि।
७७. (B) पञ्चम स्वर — कोकिल 'पञ्चम' स्वरमे गबैत अछि जकर मादकता साहित्यमे प्रसिद्ध अछि।
७८. (B) शीतल, मन्द, सुगन्धित — काव्यमे पवनक तीन गुण - शीतलता, मन्द गती आ सुगन्ध - मानल गेल अछि।
७९. (B) अग्नि जकाँ संतापदायक — विरहमे चानक किरण अग्नि जकाँ शरीरकें जराइत प्रतीत होइत अछि।
८०. (A) वसन्त लेल — कुसुम (फूल) क आकर (खजाना) अर्थात् वसन्त ऋतु जहिमे गाछ-बिरिछ फूल सँ भरि जाइछ।
८१. (B) जे प्रिय सँ मिलय लेल संकेत-स्थल पर जाय — नायक सँ गुप्त रूप सँ मिलय लेल पूर्वनिर्धारित स्थान (संकेत-स्थल) पर जेबाक क्रिया 'अभिसार' कहलावैत अछि।
८२. (B) कृष्णाभिसारिका — अन्हारमे छुपि कऽ जेबा लेल कारी वस्त्र धारण कऽ अभिसार करय वली कृष्णाभिसारिका थिकीह।
८३. (B) शुक्लाभिसारिका — चान्दनी रातिमे उज्जर वस्त्र धारण कऽ ज्योत्स्नामे मिलि जाइ वली शुक्लाभिसारिका थिकीह।
८४. (C) कारी (नील वा श्याम) — अन्हार रातिमे छुपबाक लेल ओ कारी वा गाढ़ नील वस्त्र धारण करैत अछि।
८५. (B) उज्जर (श्वेत) — चान्दनीमे अपन शरीरकें छुपाएबाक लेल ओ श्वेत वस्त्र धारण करैत अछि।
८६. (B) दिवाभिसारिका — दिनक समय कोनो बहाना सँ वन वा नदी तीर मिलय जाय वली दिवाभिसारिका कहलावैत अछि।
८७. (A) अन्हार, साँप, काद-मेघ — अभिसार मार्गमे घनघोर अन्हार, मेघ-गर्जन आ बाटमे साँप-काँट आदि प्रमुख बाधा होइछ।
८८. (B) नूपुर (पायल) — नूपुर (पायल) क झंकार सँ रहस्य खुजयक डर रहैत अछि, ताहि लेल ओकरा खोलि देल जाइछ।

८९. (B) नूपुर खोलि कऽ हाथमे लऽ लैछ वा मौन करैछ — शब्द नहि होय ताहि लेल पायल खोलि कऽ हाथमे राखि लैत अछि वा कपड़े सँ बान्हि लैत अछि।
९०. (B) प्रेमक कारणे ओकर साहस अत्यधिक होइछ — प्रेमक शक्ति एतेक होइछ जे कोमलांगी नायिका सेहो भयंकर रातिमे निर्भय भऽ जाइत अछि।
९१. (B) संकेत-स्थल (कुञ्ज / वन) — दूती द्वारा पहिनहिये सँ निश्चित कएल गेल स्थान (जेना वनक कुञ्ज) संकेत-स्थल कहलावैत अछि।
९२. (B) यमुना तीर वा कुञ्ज वन — विद्यापतिक पदावलीमे यमुना तीर आ वृन्दावनक कुञ्ज मिलनक प्रमुख स्थल अछि।
९३. (B) स्व-प्रेम आ दूती — अपन आन्तरिक अनुराग आ दूतीक प्रेरणा सँ नायिका अभिसार लेल तत्पर होइत अछि।
९४. (B) प्रेमक दृढ़ता आ साहसक — प्रतिकूल मौसममे सेहो जेबाक संकल्प राधाक अनन्य प्रेम आ दृढ़ताकें दर्शावैत अछि।
९५. (B) लता-वितान / गाछक झुरमुट — लतासभ सँ घेरल सघन स्थान जतय नायक-नायिका गुप्त रूप सँ भेटैत छथि।
९६. (B) प्रेम आ दूती — घोर अन्धकारमे केवल आन्तरिक प्रेम आ दूतीक सहायता सँ ओ बाट पबैत अछि।
९७. (B) घुंघट (वस्त्र) सँ झाँपि कऽ — केहू चीन्हि नहि जाव, ताहि लेल ओ अपन मुखमण्डलकें वस्त्रावृत कऽ लैत अछि।
९८. (B) वृन्दावन / गोकुल — भागवत आ विद्यापतिक परम्परामे वृन्दावन हे राधा-कृष्णक प्रेम-लीलाक केन्द्र अछि।
९९. (B) सजग, चौकन्ना आ त्रस्त — पकड़ायल जेबाक डर सँ ओ चारू कात देखैत, चौकन्ना भऽ कऽ डेग रखैत अछि।
१००. (B) राति — 'रैन' वा 'रजनी' क अर्थ राति अछि, जखन सामान्यतः अभिसार होइत अछि।
१०१. (B) प्रणय-कोप (प्रेमक कारणे रुस्नाइ) — 'मान' अर्थात् नायकक कोनो त्रुटि वा प्रेमाधिक्यक कारणे नायिकाक रुस्नाइ (प्रणय-कोप)।
१०२. (B) चरण पकड़ैत छथि (अनुनय-विनय) — मान-भंजन प्रसंगमे नायक (श्रीकृष्ण) द्वारा नायिकाक चरण स्पर्श कऽ मनेबाक मार्मिक वर्णन अछि।
१०३. (C) राधा — विद्यापतिक पदावलीमे मान करय वली प्रमुख नायिका राधा हे छथि।
१०४. (B) नायकक अपराध वा अन्य स्त्री सँ प्रेम (खण्डिता) — नायक जखन कोनो अन्य नायिका लग सँ अबैत छथि वा कोनो त्रुटि करैत छथि, तखन मान उत्पन्न होइछ।
१०५. (A) मान छोड़ि नायककें अपनाबय लेल — सखी सम्झावैत अछि जे बेसी मान करब प्रेमक लेल हानिकारक होइछ, अतः मान त्यागि दिअ।
१०६. (B) तिरछी / वक्र (कटाक्ष) — मानिनी अपन क्रोध आ उपेक्षा व्यक्त करबाक लेल नायक दिस तिरछी नजरि सँ देखैत अछि।
१०७. (A) जल (लोड़क धार) — रुस्नाइक कारणे मानिनीक आँखि सँ लोड़क धार बहय लगैत अछि।
१०८. (B) चाटुकारिता / नति — मानिनीकें मनेबाक लेल नायक मधुर वचन आ चाटुकारिताक (चाटु) प्रयोग करैत छथि।
१०९. (B) भणिता — गीतक अन्तमे कविक नाम देबाक परम्पराकें 'भणिता' कहल जाइत अछि।
११०. (B) बाहर सँ कठोर, भीतर सँ कोमल — मानिनी ऊपर सँ क्रोध देखावैत अछि, मुदा भीतर सँ ओ नायक सँ अगाध प्रेम करैत अछि।
१११. (B) मधुर मिलन — मान टूटलक बाद दुनूक मध्य प्रेमक सुखद मिलन होइत अछि।
११२. (B) कठोर वा व्यंग्यपूर्ण — मानिनी अपन वचन सँ नायककें उपालम्भ (ताना) दैत अछि आ व्यंग्य करैत अछि।
११३. (A) साम (मधुर वचन) आ नति (चरण स्पर्श) — काव्यशास्त्रक अनुसार मान भंजनक मुख्य उपाय साम (स्तुति) आ नति (पैर पर खसब) अछि।
११४. (B) क्रोध / मान — 'कोप' क अर्थ अछि क्रोध, जे प्रणय-व्यापारमे मानिनीकें होइत अछि।
११५. (B) कष्टप्रद आ सन्तापयुक्त — मान करबाक कारणे नायिका स्वयं सेहो मानसिक सन्ताप आ कष्ट भोगैत अछि।
११६. (B) खण्डिता — अन्य स्त्रीक चिन्ह (नख-क्षत आदि) देखि जखन नायिका रुसैछ, तँ ओ खण्डिता कहलावैत अछि।
११७. (A) सौगन्ध (कसम) खाएब — अपन निर्दोषिता वा अनन्य प्रेमक प्रमाण देबाक लेल नायक अनेक सौगन्ध खाइत छथि।
११८. (B) नायक (कृष्ण) क त्रुटि लेल — नायक स्वीकार करैत छथि जे हमरा सँ अपराध भेल अछि, कृपा कऽ क्षमा करू।
११९. (B) मलिन वा रुष्ट (लाल) — क्रोध वा रुस्नाइक कारणे नायिकाक मुख मलिन वा लाल भऽ जाइत अछि।
१२०. (B) मनोवैज्ञानिक सूक्ष्मताक — विद्यापति स्त्री-मनोविज्ञान आ प्रेमक सूक्ष्म भावसभक अद्वितीय चित्रण केने छथि।
१२१. (B) प्रवासमे (दूर) — नायक जखन नायिका सँ दूर कोनो अन्य स्थान (प्रवास) चलि जाइत छथि, तखन विरह (वियोग) होइछ।
१२२. (B) क्षीण आ पातर भऽ जाइछ — विरह-व्यथा आ भोजन-निद्राक त्याग सँ विरहिणीक शरीर अत्यन्त क्षीण भऽ जाइत अछि।
१२३. (B) अग्नि जकाँ संतापदायक — संयोगक सभ सुखद वस्तुक वियोगमे विपरीत (दुःखद आ सन्तापदायक) प्रभाव होइत अछि।

१२४. (B) **विष वा अग्नि जकाँ** — शीतल चन्दन सेहो विरहाग्निमे जरैत नायिकाकें विषक समान कष्टदायक प्रतीत होइत अछि।
१२५. (A) **बाण (तीर) जकाँ** — कोइलक मधुर स्वर वियोगमे कामदेवक बाण जकाँ हृदयकें बेधैत अछि।
१२६. (B) **मथुरा** — कृष्णक मथुरा प्रवासक बाद हे गोपी आ राधाक मार्मिक विरह प्रारम्भ होइत अछि।
१२७. (B) **विरह-ज्वर (ताप)** — प्रेमक व्यथा सँ उत्पन्न मानसिक आ शारीरिक ताप वा ज्वर।
१२८. (B) **प्रिय घुरि कऽ अवश्य अवताह (धैर्य राखू)** — सखी सान्त्वना दैत अछि जे माधव जल्दी घुरि अवताह, धैर्य धारण करू।
१२९. (B) **दस** — अभिलाषा, चिन्ता, स्मृति, गुणकथन, उद्वेग, प्रलाप, उन्माद, व्याधि, जड़ता, मरण - ई दस कामदशा थिक।
१३०. (A) **लोड़क नदी (अश्रु-धार)** — माधवक वियोगमे राधा निरन्तर रुदैत रहैत छथि।
१३१. (B) **निद्रा नहि अबैछ (उड़ि जाइछ)** — विरह व्यथाक कारणे विरहिणीक रातिक निद्रा पूर्णतः समाप्त भऽ जाइत अछि।
१३२. (B) **पूर्णतः त्यागि दैछ** — प्रियक बिना शृंगार व्यर्थ अछि, अतः ओ आभूषण आ प्रसाधनक त्याग कऽ दैत अछि।
१३३. (B) **अत्यन्त मधुर आ कोमल (श्रुतिमधुर)** — मैथिली पदावली अपन कोमलकान्त पदावली आ माधुर्य गुणक लेल विश्वविख्यात अछि।
१३४. (A) **कविक भणिता (नाम)** — ई कविक निज हस्ताक्षर वा भणिता अछि जे गीतक अन्तमे अबैत अछि।
१३५. (B) **साहित्य अकादमी, नई दिल्ली** — उमानाथ झा द्वारा सम्पादित ई पुस्तक साहित्य अकादमी, नई दिल्ली सँ प्रकाशित अछि।
१३६. (A) **अभिनव जयदेव** — हिनक मधुर पदावलीक कारण हिनका अभिनव जयदेव (नव जयदेव) कहल जाइत अछि।
१३७. (B) **मधुबनी** — बिसपी ग्राम वर्तमान बिहारक मधुबनी जिलामे अवस्थित अछि।
१३८. (B) **उत्कृष्ट सम्पादन आ आधुनिक समीक्षा** — स्व. उमानाथ झा मैथिलीक मूर्धन्य विद्वान, सम्पादक आ समीक्षक छलाह।
१३९. (B) **बंगाल, असम आ उड़ीसा (वैष्णव आन्दोलन)** — चैतन्य महाप्रभु आदि द्वारा बंगाल-असममे विद्यापतिक पद वैष्णव आन्दोलनक प्राण बनि गेल।
१४०. (A) **विदेह ई-लर्निङ्ग** — ई क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग हबक हिस्सा अछि।

अध्याय २ : गोविन्ददास भजनावली — गीत १ सँ ५० — विदेह क्विज

s1

१. गीत १ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पुस्तकालयक आलमारी
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) छपाइ-कागजक रंग

२. गीत १ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

३. गीत १क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) पाठकक उमर बतएब

४. गीत १ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल गणितीय नियम

५. गीत १क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

६. गीत १क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) फसलक दर
- (D) नक्शाक दूरी

७. गीत १मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

८. गीत १क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९. गीत १ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) बाजारक छुट
- (D) खेलक हार-जीत

१०. गीत १मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) कर-वसूली
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) सैनिक अनुशासन

११. गीत १क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (C) किताबक वजन
- (D) मुद्रित दाम

१२. गीत १मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) सङ्क-नियम समझएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) करार-पत्र लिखब

१३. गीत १क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

१४. गीत १मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) मोल-भाव
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

१५. गीत १क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) केवल नाम बढएबा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

१६. गीत १मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

१७. गीत १ मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

१८. गीत १क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

१९. गीत १ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प छोट हो

२०. गीत १क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

२१. गीत २ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) पुस्तकालयक आलमारी
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) मुख्य भावक दिशा

२२. गीत २ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

२३. गीत २क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) छपाइ स्थान मापब

२४. गीत २ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति

२५. गीत २क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शास्त्रक सूची
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) बाजार-दरक लेखा

२६. गीत २क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) लोहेक वजन
- (D) फसलक दर

२७. गीत २मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

२८. गीत २क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

२९. गीत २ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (D) बाजारक छुट

३०. गीत २मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) कर-वसूली
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

३१. गीत २क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) मुद्रित दाम

३२. गीत २मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) सड़क-नियम समझएब

३३. गीत २क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

३४. गीत २मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) भूमि-माप
- (D) कठोर दण्ड-विधान

३५. गीत २क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (B) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

३६. गीत २मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

३७. गीत २मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

३८. गीत २क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

३९. गीत २ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

४०. गीत २क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

४१. गीत ३ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पृष्ठक आकार
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

४२. गीत ३ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

४३. गीत ३क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) छपाइ स्थान मापब

४४. गीत ३ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति

४५. गीत ३क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) राजस्व नापबाक उपाय

४६. गीत ३क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) फसलक दर
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) लोहेक वजन

४७. गीत ३मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

४८. गीत ३क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल जिल्दक रंग

४९. गीत ३ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) खेलक हार-जीत

५०. गीत ३मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) कर-वसूली
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

५१. गीत ३क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) मुद्रित दाम
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

५२. गीत ३मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) सड़क-नियम समझएब

५३. गीत ३क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि

५४. गीत ३मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (B) भूमि-माप
- (C) मोल-भाव
- (D) कठोर दण्ड-विधान

५५. गीत ३क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (C) केवल नाम बदएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

५६. गीत ३मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

५७. गीत ३ में नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

५८. गीत ३क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

५९. गीत ३ पर आधारित प्रश्नमें गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममें हो
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

६०. गीत ३क समग्र मूल्यांकनमें सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

६१. गीत ४ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

६२. गीत ४ में वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

६३. गीत ४क अभ्यासमें 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) छपाइ स्थान मापब

६४. गीत ४ में शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यममें भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

६५. गीत ४क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

६६. गीत ४क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) लोहेक वजन
- (C) फसलक दर
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

६७. गीत ४मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (C) अर्थकें अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

६८. गीत ४क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

६९. गीत ४ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

७०. गीत ४मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) कर-वसूली
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) नाप-जोखक खाता

७१. गीत ४क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) मुद्रित दाम
- (C) किताबक वजन
- (D) दुकानक पट्टी

७२. गीत ४मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) भावक दृश्य रूप बनएब
- (D) करार-पत्र लिखब

७३. गीत ४क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) केवल लेखकक फोटो चाही
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

७४. गीत ४मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) मोल-भाव
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) भूमि-माप

७५. गीत ४क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) केवल नाम बढ़ाएबा लेल

७६. गीत ४मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

७७. गीत ४मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

७८. गीत ४क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ

७९. गीत ४ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

८०. गीत ४क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

८१. गीत ५ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) पृष्ठक आकार

८२. गीत ५ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

८३. गीत ५क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) मूल्य-सूची देब

८४. गीत ५ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

८५. गीत ५क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) बाजार-दरक लेखा

८६. गीत ५क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) लोहेक वजन

८७. गीत ५मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (C) अर्थकें अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

८८. गीत ५क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल कागजक गंध

८९. गीत ५ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

९०. गीत ५मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) सैनिक अनुशासन
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) नाप-जोखक खाता

९१. गीत ५क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) मुद्रित दाम
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) किताबक वजन

९२. गीत ५मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

९३. गीत ५क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

९४. गीत ५मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) मोल-भाव
- (C) भूमि-माप
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

९५. गीत ५क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) केवल नाम बढएबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

९६. गीत ५मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

९७. गीत ५ मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

९८. गीत ५क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

९९. गीत ५ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

१००. गीत ५क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

s2

१०१. गीत ६ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

१०२. गीत ६ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

१०३. गीत ६क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) छपाइ स्थान मापब

१०४. गीत ६ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

१०५. गीत ६क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

१०६. गीत ६क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) फसलक दर
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) लोहेक वजन

१०७. गीत ६मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

१०८. गीत ६क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

१०९. गीत ६ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) बाजारक छुट
- (D) खेलक हार-जीत

११०. गीत ६मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) सैनिक अनुशासन

१११. गीत ६क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) किताबक वजन
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) मुद्रित दाम

११२. गीत ६मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) सड़क-नियम समझएब

११३. गीत ६क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि

११४. गीत ६मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) भूमि-माप
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) मोल-भाव

११५. गीत ६क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

११६. गीत ६मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) उत्तर खाली छोड़त
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

११७. गीत ६मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

११८. गीत ६क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

११९. गीत ६ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

१२०. गीत ६क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

१२१. गीत ७ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) छपाइ-कागजक रंग

१२२. गीत ७ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

१२३. गीत ७क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

१२४. गीत ७ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति

१२५. गीत ७क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) युद्ध-शास्त्रक सूची

१२६. गीत ७क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) लोहेक वजन
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) नक्शाक दूरी

१२७. गीत ७मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) विषयसँ पाठककेँ दूर करब

१२८. गीत ७क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

१२९. गीत ७ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?
- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
(B) खेलक हार-जीत
(C) बाजारक छुट
(D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
१३०. गीत ७मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?
- (A) कर-वसूली
(B) नाप-जोखक खाता
(C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
(D) सैनिक अनुशासन
१३१. गीत ७क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?
- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
(B) दुकानक पट्टी
(C) किताबक वजन
(D) मुद्रित दाम
१३२. गीत ७मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?
- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
(B) सङ्क-नियम समझएब
(C) करार-पत्र लिखब
(D) लेखा-बही भरब
१३३. गीत ७क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?
- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
(B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
(C) केवल लेखकक फोटो चाही
(D) सारक बदला चुप रहब उचित
१३४. गीत ७मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?
- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
(B) कठोर दण्ड-विधान
(C) मोल-भाव
(D) भूमि-माप
१३५. गीत ७क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?
- (A) पाठ छोड़बा लेल
(B) प्रश्न टारबा लेल
(C) केवल नाम बदएबा लेल
(D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
१३६. गीत ७मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?
- (A) पूरा पद छोड़ि देत
(B) उत्तर खाली छोड़त
(C) अनुमान बिना सोचने लिखत
(D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

१३७. गीत ७मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

१३८. गीत ७क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

१३९. गीत ७ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

१४०. गीत ७क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

१४१. गीत ८ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) पृष्ठक आकार

१४२. गीत ८ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

१४३. गीत ८क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) पाठकक उमर बतएब

१४४. गीत ८ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति

१४५. गीत ८क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) बाजार-दरक लेखा

१४६. गीत ८क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) फसलक दर

१४७. गीत ८मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

१४८. गीत ८क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल जिल्दक रंग

१४९. गीत ८ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) बाजारक छुट

१५०. गीत ८मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) कर-वसूली
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

१५१. गीत ८क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) किताबक वजन
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) मुद्रित दाम

१५२. गीत ८मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझाएब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

१५३. गीत एक परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

१५४. गीत छमे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) भूमि-माप
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) कठोर दण्ड-विधान

१५५. गीत एक आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

१५६. गीत छमे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) उत्तर खाली छोड़त
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

१५७. गीत छमे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

१५८. गीत एक सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

१५९. गीत एक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

१६०. गीत एक समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

१६१. गीत ९ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) छपाइ-कागजक रंग

१६२. गीत ९ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

१६३. गीत ९क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) मूल्य-सूची देब

१६४. गीत ९ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति

१६५. गीत ९क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) युद्ध-शस्त्रक सूची

१६६. गीत ९क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) फसलक दर
- (C) लोहेक वजन
- (D) नक्शाक दूरी

१६७. गीत ९मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

१६८. गीत ९क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल कागजक गंध

१६१. गीत ९ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

१७०. गीत ९मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) कर-वसूली

१७१. गीत ९क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (C) किताबक वजन
- (D) मुद्रित दाम

१७२. गीत ९मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) सङ्क-नियम समझएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) लेखा-बही भरब

१७३. गीत ९क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

१७४. गीत ९मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) भूमि-माप
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

१७५. गीत ९क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

१७६. गीत ९मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

१७७. गीत ९ मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

१७८. गीत ९क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ

१७९. गीत ९ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

१८०. गीत ९क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

१८१. गीत १० पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) पृष्ठक आकार

१८२. गीत १० मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

१८३. गीत १०क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) छपाइ स्थान मापब

१८४. गीत १० मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल गणितीय नियम

१८५. गीत १०क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) बाजार-दरक लेखा

१८६. गीत १०क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) लोहेक वजन
- (D) फसलक दर

१८७. गीत १०मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) कविक नाम मेटा देब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) विषयसँ पाठककेँ दूर करब

१८८. गीत १०क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

१८९. गीत १० पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

१९०. गीत १०मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) कर-वसूली

१९१. गीत १०क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (C) किताबक वजन
- (D) दुकानक पट्टी

१९२. गीत १०मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) सड़क-नियम समझाएब

१९३. गीत १०क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

१९४. गीत १०मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) भूमि-माप

१९५. गीत १०क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

१९६. गीत १०मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

१९७. गीत १०मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

१९८. गीत १०क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

१९९. गीत १० पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

२००. गीत १०क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

२०१. गीत ११ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) मुख्य भावक दिशा

२०२. गीत ११ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

२०३. गीत ११क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) मूल्य-सूची देब

२०४. गीत ११ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल गणितीय नियम

२०५. गीत ११क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) युद्ध-शस्त्रक सूची

२०६. गीत ११क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) लोहेक वजन
- (C) फसलक दर
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

२०७. गीत ११मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (C) अर्थकें अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

२०८. गीत ११क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

२०९. गीत ११ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) बाजारक छुट
- (D) खेलक हार-जीत

२१०. गीत ११मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) कर-वसूली
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) नाप-जोखक खाता

२११. गीत ११क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) किताबक वजन
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) मुद्रित दाम

२१२. गीत ११मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझाएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) भावक दृश्य रूप बनएब
- (D) करार-पत्र लिखब

२१३. गीत ११क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

२१४. गीत ११मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) मोल-भाव
- (C) भूमि-माप
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

२१५. गीत ११क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (B) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

२१६. गीत ११मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

२१७. गीत ११मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा केवल हास्य मानब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

२१८. गीत ११क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

२१९. गीत ११ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प छोट हो

२२०. गीत ११क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

२२१. गीत १२ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

२२२. गीत १२ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

२२३. गीत १२क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) मूल्य-सूची देब

२२४. गीत १२ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

२२५. गीत १२क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) बाजार-दरक लेखा

२२६. गीत १२क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) लोहेक वजन
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) फसलक दर

२२७. गीत १२मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (B) कविक नाम मेटा देब
- (C) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) विषयसँ पाठककेँ दूर करब

२२८. गीत १२क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल जिल्दक रंग
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

२२९. गीत १२ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

२३०. गीत १२मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) सैनिक अनुशासन
- (C) कर-वसूली
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

२३१. गीत १२क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) किताबक वजन
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

२३२. गीत १२मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) सड़क-नियम समझएब

२३३. गीत १२क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

२३४. गीत १२मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) मोल-भाव
- (D) भूमि-माप

२३५. गीत १२क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (C) केवल नाम बढाएबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

२३६. गीत १२मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

२३७. गीत १२मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

२३८. गीत १२क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ

२३९. गीत १२ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प छोट हो

२४०. गीत १२क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

२४१. गीत १३ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

२४२. गीत १३ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

२४३. गीत १३क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) छपाइ स्थान मापब

२४४. गीत १३ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमें भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

२४५. गीत १३क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) बाजार-दरक लेखा

२४६. गीत १३क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) लोहेक वजन

२४७. गीत १३मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

२४८. गीत १३क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

२४९. गीत १३ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) बाजारक छुट
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

२५०. गीत १३मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) सैनिक अनुशासन
- (C) कर-वसूली
- (D) नाप-जोखक खाता

२५१. गीत १३क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) मुद्रित दाम
- (C) किताबक वजन
- (D) दुकानक पट्टी

२५२. गीत १३मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) सङ्क-नियम समझएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) करार-पत्र लिखब

२५३. गीत १३क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

२५४. गीत १३मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) भूमि-माप

२५५. गीत १३क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (D) केवल नाम बढ़एबा लेल

२५६. गीत १३मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

२५७. गीत १३मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

२५८. गीत १३क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

२५९. गीत १३ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

२६०. गीत १३क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

२६१. गीत १४ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) छपाइ-कागजक रंग

२६२. गीत १४ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

२६३. गीत १४क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

२६४. गीत १४ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

२६५. गीत १४क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

२६६. गीत १४क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) फसलक दर

२६७. गीत १४मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) कविक नाम मेटा देब
- (C) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (D) अर्थकें अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब

२६८. गीत १४क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

२६९. गीत १४ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

२७०. गीत १४मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

२७१. गीत १४क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) मुद्रित दाम
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) किताबक वजन

२७२. गीत १४मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) सड़क-नियम समझाएब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

२७३. गीत १४क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

२७४. गीत १४मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) भूमि-माप

२७५. गीत १४क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) केवल नाम बढाएबा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

२७६. गीत १४मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

२७७. गीत १४मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

२७८. गीत १४क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

२७९. गीत १४ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

२८०. गीत १४क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तियुक्त एक संग पढ़बाक चाही

२८१. गीत १५ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पृष्ठक आकार
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

२८२. गीत १५ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

२८३. गीत १५क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) पाठकक उमर बतएब

२८४. गीत १५ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (D) केवल गणितीय नियम

२८५. गीत १५क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) बाजार-दरक लेखा

२८६. गीत १५क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) फसलक दर
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

२८७. गीत १५मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) अर्थकेँ अनिवार्य रूपँ नष्ट करब

२८८. गीत १५क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

२८९. गीत १५ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (D) बाजारक छुट

२९०. गीत १५मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) सैनिक अनुशासन

२९१. गीत १५क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) किताबक वजन
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) मुद्रित दाम

२९२. गीत १५मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) सङ्क-नियम समझएब
- (D) करार-पत्र लिखब

२९३. गीत १५क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

२९४. गीत १५मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) भूमि-माप
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) मोल-भाव

२९५. गीत १५क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) केवल नाम बदएबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

२९६. गीत १५मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

२९७. गीत १५ मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

२९८. गीत १५क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

२९९. गीत १५ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प छोट हो

३००. गीत १५क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

s4

३०१. गीत १६ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) मुख्य भावक दिशा

३०२. गीत १६ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

३०३. गीत १६क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) मूल्य-सूची देब

३०४. गीत १६ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति

३०५. गीत १६क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

३०६. गीत १६क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) फसलक दर
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) लोहेक वजन

३०७. गीत १६मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

३०८. गीत १६क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

३०९. गीत १६ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) बाजारक छुट
- (D) खेलक हार-जीत

३१०. गीत १६मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) नाप-जोखक खाता

३११. गीत १६क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) मुद्रित दाम
- (D) किताबक वजन

३१२. गीत १६मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) सड़क-नियम समझएब

३१३. गीत १६क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) केवल लेखकक फोटो चाही
- (D) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि

३१४. गीत १६मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) भूमि-माप
- (D) मोल-भाव

३१५. गीत १६क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

३१६. गीत १६मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

३१७. गीत १६मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

३१८. गीत १६क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

३१९. गीत १६ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

३२०. गीत १६क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

३२१. गीत १७ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) पृष्ठक आकार

३२२. गीत १७ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

३२३. गीत १७क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) छपाइ स्थान मापब

३२४. गीत १७ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) केवल गणितीय नियम

३२५. गीत १७क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) राजस्व नापबाक उपाय

३२६. गीत १७क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) लोहेक वजन
- (C) फसलक दर
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

३२७. गीत १७मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

३२८. गीत १७क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

३२९. गीत १७ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) बाजारक छुट

३३०. गीत १७मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) कर-वसूली
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

३३१. गीत १७क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (C) किताबक वजन
- (D) मुद्रित दाम

३३२. गीत १७मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सङ्क-नियम समझएब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) लेखा-बही भरब

३३३. गीत १७क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

३३४. गीत १७मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) भूमि-माप
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) मोल-भाव

३३५. गीत १७क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (D) केवल नाम बढ़एबा लेल

३३६. गीत १७मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

३३७. गीत १७मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

३३८. गीत १७क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

३३९. गीत १७ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

३४०. गीत १७क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

३४१. गीत १८ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

३४२. गीत १८ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

३४३. गीत १८क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) छपाइ स्थान मापब

३४४. गीत १८ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

३४५. गीत १८क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) युद्ध-शास्त्रक सूची

३४६. गीत १८क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) फसलक दर
- (D) नक्शाक दूरी

३४७. गीत १८मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

३४८. गीत १८क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

३४९. गीत १८ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) बाजारक छुट
- (C) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

३५०. गीत १८मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) सैनिक अनुशासन

३५१. गीत १८क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) मुद्रित दाम
- (C) किताबक वजन
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

३५२. गीत १८मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) सड़क-नियम समझएब

३५३. गीत १८क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

३५४. गीत १८मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) मोल-भाव
- (D) भूमि-माप

३५५. गीत १८क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

३५६. गीत १८मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

३५७. गीत १८मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

३५८. गीत १८क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

३५९. गीत १८ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प छोट हो

३६०. गीत १८क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

३६१. गीत १९ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) मुख्य भावक दिशा

३६२. गीत १९ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

३६३. गीत १९क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

३६४. गीत १९ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

३६५. गीत १९क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) बाजार-दरक लेखा

३६६. गीत १९क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) फसलक दर
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

३६७. गीत १९मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) अर्थकेँ अनिवार्य रूपँ नष्ट करब

३६८. गीत १९क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल जिल्दक रंग
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

३६९. गीत १९ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) बाजारक छुट
- (D) खेलक हार-जीत

३७०. गीत १९मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) सैनिक अनुशासन

३७१. गीत १९क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) मुद्रित दाम
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

३७२. गीत १९मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) सड़क-नियम समझएब

३७३. गीत १९क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

३७४. गीत १९मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) मोल-भाव
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) भूमि-माप

३७५. गीत १९क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) केवल नाम बदएबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

३७६. गीत १९मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) उत्तर खाली छोड़त
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

३७७. गीत १९मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

३७८. गीत १९क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

३७९. गीत १९ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

३८०. गीत १९क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

३८१. गीत २० पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) पृष्ठक आकार

३८२. गीत २० मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

३८३. गीत २०क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

३८४. गीत २० मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति

३८५. गीत २०क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

३८६. गीत २०क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) फसलक दर

३८७. गीत २०मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

३८८. गीत २०क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

३८९. गीत २० पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) बाजारक छुट
- (D) खेलक हार-जीत

३९०. गीत २०मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) सैनिक अनुशासन

३९१. गीत २०क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) किताबक वजन
- (C) मुद्रित दाम
- (D) दुकानक पट्टी

३९२. गीत २०मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझाएब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) करार-पत्र लिखब

३९३. गीत २०क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

३९४. गीत २०मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) भूमि-माप

३९५. गीत २०क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

३९६. गीत २०मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

३९७. गीत २०मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

३९८. गीत २०क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

३९९. गीत २० पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प छोट हो

४००. गीत २०क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

४०१. गीत २१ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पृष्ठक आकार
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

४०२. गीत २१ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

४०३. गीत २१क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) मूल्य-सूची देब

४०४. गीत २१ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यममें भक्ति-अनुभूति

४०५. गीत २१क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) राजस्व नापबाक उपाय

४०६. गीत २१क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) फसलक दर
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) लोहेक वजन

४०७. गीत २१मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

४०८. गीत २१क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

४०९. गीत २१ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) बाजारक छुट

४१०. गीत २१मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) कर-वसूली
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) नाप-जोखक खाता

४११. गीत २१क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) मुद्रित दाम
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

४१२. गीत २१मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) सड़क-नियम समझएब

४१३. गीत २१क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

४१४. गीत २१मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) मोल-भाव
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

४१५. गीत २१क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

४१६. गीत २१मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

४१७. गीत २१मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

४१८. गीत २१क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

४१९. गीत २१ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

४२०. गीत २१क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

४२१. गीत २२ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पृष्ठक आकार
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

४२२. गीत २२ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

४२३. गीत २२क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

४२४. गीत २२ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

४२५. गीत २२क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

४२६. गीत २२क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) लोहेक वजन
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

४२७. गीत २२मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) अर्थकें अनिवार्य रूपें नष्ट करब
- (C) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

४२८. गीत २२क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल जिल्दक रंग

४२९. गीत २२ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) बाजारक छुट
- (C) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

४३०. गीत २२मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) कर-वसूली
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

४३१. गीत २२क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) किताबक वजन
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

४३२. गीत २२मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) सड़क-नियम समझाएब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

४३३. गीत २२क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि

४३४. गीत २२मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) भूमि-माप
- (D) मोल-भाव

४३५. गीत २२क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) केवल नाम बढएबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

४३६. गीत २२मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

४३७. गीत २२मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

४३८. गीत २२क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

४३९. गीत २२ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

४४०. गीत २२क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

४४१. गीत २३ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पुस्तकालयक आलमारी
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पृष्ठक आकार

४४२. गीत २३ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

४४३. गीत २३क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

४४४. गीत २३ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति

४४५. गीत २३क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) युद्ध-शास्त्रक सूची

४४६. गीत २३क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) लोहेक वजन

४४७. गीत २३मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

४४८. गीत २३क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल जिल्दक रंग

४४९. गीत २३ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) बाजारक छुट
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

४५०. गीत २३मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) कर-वसूली
- (D) सैनिक अनुशासन

४५१. गीत २३क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) मुद्रित दाम
- (D) किताबक वजन

४५२. गीत २३मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) सङ्क-नियम समझएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) करार-पत्र लिखब

४५३. गीत २३क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

४५४. गीत २३मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) भूमि-माप

४५५. गीत २३क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

४५६. गीत २३मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

४५७. गीत २३मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

४५८. गीत २३क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

४५९. गीत २३ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

४६०. गीत २३क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

४६१. गीत २४ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) मुख्य भावक दिशा

४६२. गीत २४ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

४६३. गीत २४क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

४६४. गीत २४ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति

४६५. गीत २४क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) बाजार-दरक लेखा

४६६. गीत २४क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) लोहेक वजन

४६७. गीत २४मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) अर्थकें अनिवार्य रूपें नष्ट करब
- (C) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

४६८. गीत २४क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल कागजक गंध

४६९. गीत २४ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

४७०. गीत २४मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) कर-वसूली
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) नाप-जोखक खाता

४७१. गीत २४क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) मुद्रित दाम
- (C) किताबक वजन
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

४७२. गीत २४मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) सड़क-नियम समझाएब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

४७३. गीत २४क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

४७४. गीत २४मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) मोल-भाव
- (D) भूमि-माप

४७५. गीत २४क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (B) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

४७६. गीत २४मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

४७७. गीत २४मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा केवल हास्य मानब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

४७८. गीत २४क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ

४७९. गीत २४ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प छोट हो

४८०. गीत २४क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

४८१. गीत २५ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) मुख्य भावक दिशा

४८२. गीत २५ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

४८३. गीत २५क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) पाठकक उमर बतएब

४८४. गीत २५ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

४८५. गीत २५क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

४८६. गीत २५क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) लोहेक वजन
- (D) नक्शाक दूरी

४८७. गीत २५मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

४८८. गीत २५क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

४८९. गीत २५ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) बाजारक छुट
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) खेलक हार-जीत

४९०. गीत २५मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) सैनिक अनुशासन
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) नाप-जोखक खाता

४९१. गीत २५क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) मुद्रित दाम
- (D) किताबक वजन

४९२. गीत २५मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) सङ्क-नियम समझएब
- (D) लेखा-बही भरब

४९३. गीत २५क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

४९४. गीत २५मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) मोल-भाव

४९५. गीत २५क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) केवल नाम बढएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

४९६. गीत २५मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) उत्तर खाली छोड़त
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

४९७. गीत २५मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (C) ओकरा केवल हास्य मानब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

४९८. गीत २५क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

४९९. गीत २५ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

५००. गीत २५क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

s6

५०१. गीत २६ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) पृष्ठक आकार

५०२. गीत २६ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

५०३. गीत २६क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

५०४. गीत २६ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

५०५. गीत २६क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

५०६. गीत २६क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) लोहेक वजन
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

५०७. गीत २६मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

५०८. गीत २६क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

५०९. गीत २६ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) बाजारक छुट

५१०. गीत २६मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) सैनिक अनुशासन
- (C) कर-वसूली
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

५११. गीत २६क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) मुद्रित दाम

५१२. गीत २६मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझाएब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) लेखा-बही भरब

५१३. गीत २६क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि

५१४. गीत २६मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) मोल-भाव

५१५. गीत २६क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (C) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

५१६. गीत २६मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

५१७. गीत २६मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

५१८. गीत २६क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ

५१९. गीत २६ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

५२०. गीत २६क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

५२१. गीत २७ पदैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) छपाइ-कागजक रंग

५२२. गीत २७ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

५२३. गीत २७क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) पाठकक उमर बतएब

५२४. गीत २७ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमें भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) केवल गणितीय नियम

५२५. गीत २७क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

५२६. गीत २७क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) फसलक दर
- (D) लोहेक वजन

५२७. गीत २७मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब

५२८. गीत २७क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल जिल्दक रंग

५२९. गीत २७ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) खेलक हार-जीत

५३०. गीत २७मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) कर-वसूली

५३१. गीत २७क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) मुद्रित दाम
- (C) किताबक वजन
- (D) दुकानक पट्टी

५३२. गीत २७मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) सड़क-नियम समझएब

५३३. गीत २७क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

५३४. गीत २७मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) भूमि-माप

५३५. गीत २७क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) केवल नाम बढ़एबा लेल

५३६. गीत २७मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

५३७. गीत २७मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (C) ओकरा केवल हास्य मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

५३८. गीत २७क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

५३९. गीत २७ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प छोट हो

५४०. गीत २७क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

५४१. गीत २८ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

५४२. गीत २८ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

५४३. गीत २८क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) मूल्य-सूची देब

५४४. गीत २८ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

५४५. गीत २८क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) युद्ध-शस्त्रक सूची

५४६. गीत २८क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) लोहेक वजन

५४७. गीत २८मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

५४८. गीत २८क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

५४९. गीत २८ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) बाजारक छुट
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) खेलक हार-जीत

५५०. गीत २८मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) कर-वसूली
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

५५१. गीत २८क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) किताबक वजन
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) मुद्रित दाम

५५२. गीत २८मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

५५३. गीत २८क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

५५४. गीत २८मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) भूमि-माप
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

५५५. गीत २८क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) केवल नाम बढ़ाएबा लेल

५५६. गीत २८मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

५५७. गीत २८मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

५५८. गीत २८क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

५५९. गीत २८ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

५६०. गीत २८क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

५६१. गीत २९ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पृष्ठक आकार
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

५६२. गीत २९ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

५६३. गीत २९क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) पाठकक उमर बतएब

५६४. गीत २९ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यममें भक्ति-अनुभूति

५६५. गीत २९क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) युद्ध-शस्त्रक सूची

५६६. गीत २९क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) लोहेक वजन

५६७. गीत २९मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

५६८. गीत २९क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

५६९. गीत २९ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

५७०. गीत २९मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) कर-वसूली

५७१. गीत २९क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) मुद्रित दाम
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

५७२. गीत २९मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) सड़क-नियम समझएब
- (D) लेखा-बही भरब

५७३. गीत २९क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) केवल लेखकक फोटो चाही
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

५७४. गीत २९मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) भूमि-माप
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) मोल-भाव

५७५. गीत २९क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

५७६. गीत २९मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) उत्तर खाली छोड़त
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

५७७. गीत २९मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

५७८. गीत २९क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ

५७९. गीत २९ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

५८०. गीत २९क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

५८१. गीत ३० पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) छपाइ-कागजक रंग

५८२. गीत ३० मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

५८३. गीत ३०क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) पाठकक उमर बतएब

५८४. गीत ३० मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल गणितीय नियम

५८५. गीत ३०क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) बाजार-दरक लेखा

५८६. गीत ३०क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) लोहेक वजन
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

५८७. गीत ३०मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

५८८. गीत ३०क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल जिल्दक रंग

५८९. गीत ३० पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) बाजारक छुट

५९०. गीत ३०मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) कर-वसूली
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) नाप-जोखक खाता

५९१. गीत ३०क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, ध्वनियोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) मुद्रित दाम
- (D) किताबक वजन

५९२. गीत ३०मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) सड़क-नियम समझाएब
- (D) करार-पत्र लिखब

५९३. गीत ३०क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

५९४. गीत ३०मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) मोल-भाव
- (D) भूमि-माप

५९५. गीत ३०क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल

५९६. गीत ३०मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

५९७. गीत ३०मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

५९८. गीत ३०क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

५९९. गीत ३० पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

६००. गीत ३०क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

६०१. गीत ३१ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) पृष्ठक आकार

६०२. गीत ३१ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

६०३. गीत ३१क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) छपाइ स्थान मापब

६०४. गीत ३१ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) केवल गणितीय नियम

६०५. गीत ३१क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

६०६. गीत ३१क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) लोहेक वजन
- (D) फसलक दर

६०७. गीत ३१मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

६०८. गीत ३१क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल जिल्दक रंग
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

६०९. गीत ३१ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) बाजारक छुट
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

६१०. गीत ३१मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) कर-वसूली

६११. गीत ३१क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) मुद्रित दाम

६१२. गीत ३१मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझाएब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) भावक दृश्य रूप बनएब
- (D) लेखा-बही भरब

६१३. गीत ३१क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

६१४. गीत ३१मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) मोल-भाव
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

६१५. गीत ३१क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) केवल नाम बदलबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

६१६. गीत ३१मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) उत्तर खाली छोड़त
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

६१७. गीत ३१ में नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) ओकरा केवल हास्य मानब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

६१८. गीत ३१ के सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

६१९. गीत ३१ पर आधारित प्रश्न में गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प पहिल क्रम में हो
- (D) जे विकल्प छोट हो

६२०. गीत ३१ के समग्र मूल्यांकन में सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

६२१. गीत ३२ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पुस्तकालयक आलमारी
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) छपाइ-कागजक रंग

६२२. गीत ३२ में वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

६२३. गीत ३२ के अभ्यास में 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) मूल्य-सूची देब

६२४. गीत ३२ में शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

६२५. गीत ३२क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

६२६. गीत ३२क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) लोहेक वजन
- (D) फसलक दर

६२७. गीत ३२मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब

६२८. गीत ३२क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

६२९. गीत ३२ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

६३०. गीत ३२मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) कर-वसूली

६३१. गीत ३२क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) मुद्रित दाम
- (C) किताबक वजन
- (D) दुकानक पट्टी

६३२. गीत ३२मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) सड़क-नियम समझएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

६३३. गीत ३२क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

६३४. गीत ३२मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) मोल-भाव
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) भूमि-माप

६३५. गीत ३२क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

६३६. गीत ३२मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

६३७. गीत ३२मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

६३८. गीत ३२क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

६३९. गीत ३२ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प छोट हो

६४०. गीत ३२क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

६४१. गीत ३३ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) पृष्ठक आकार

६४२. गीत ३३ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

६४३. गीत ३३क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

६४४. गीत ३३ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

६४५. गीत ३३क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

६४६. गीत ३३क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) लोहेक वजन

६४७. गीत ३३मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

६४८. गीत ३३क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल कागजक गंध

६४९. गीत ३३ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) बाजारक छुट
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

६५०. गीत ३३मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) नाप-जोखक खाता

६५१. गीत ३३क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) किताबक वजन

६५२. गीत ३३मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) सड़क-नियम समझएब
- (C) भावक दृश्य रूप बनएब
- (D) करार-पत्र लिखब

६५३. गीत ३३क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

६५४. गीत ३३मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) मोल-भाव
- (C) भूमि-माप
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

६५५. गीत ३३क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) केवल नाम बढएबा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

६५६. गीत ३३मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

६५७. गीत ३३मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

६५८. गीत ३३क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

६५९. गीत ३३ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

६६०. गीत ३३क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

६६१. गीत ३४ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) पृष्ठक आकार

६६२. गीत ३४ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

६६३. गीत ३४क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) मूल्य-सूची देब

६६४. गीत ३४ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति

६६५. गीत ३४क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) बाजार-दरक लेखा

६६६. गीत ३४क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) लोहेक वजन

६६७. गीत ३४मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) कविक नाम मेटा देब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) विषयसँ पाठककेँ दूर करब

६६८. गीत ३४क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल जिल्दक रंग
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

६६९. गीत ३४ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) बाजारक छुट
- (C) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (D) खेलक हार-जीत

६७०. गीत ३४मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) कर-वसूली
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

६७१. गीत ३४क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) किताबक वजन

६७२. गीत ३४मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

६७३. गीत ३४क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

६७४. गीत ३४मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) मोल-भाव

६७५. गीत ३४क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) केवल नाम बढ़ाएबा लेल

६७६. गीत ३४मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

६७७. गीत ३४मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब

६७८. गीत ३४क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

६७९. गीत ३४ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प छोट हो

६८०. गीत ३४क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

६८१. गीत ३५ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) पृष्ठक आकार

६८२. गीत ३५ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

६८३. गीत ३५क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) मूल्य-सूची देब

६८४. गीत ३५ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) केवल गणितीय नियम

६८५. गीत ३५क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

६८६. गीत ३५क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) लोहेक वजन
- (D) फसलक दर

६८७. गीत ३५मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

६८८. गीत ३५क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

६८९. गीत ३५ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (D) बाजारक छुट

६९०. गीत ३५मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) कर-वसूली

६९१. गीत ३५क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) मुद्रित दाम

६९२. गीत ३५मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) सड़क-नियम समझएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

६९३. गीत ३५क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

६९४. गीत ३५मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) भूमि-माप
- (C) मोल-भाव
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

६९५. गीत ३५क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) केवल नाम बदएबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

६९६. गीत ३५मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

६९७. गीत ३५ मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

६९८. गीत ३५क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

६९९. गीत ३५ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

७००. गीत ३५क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

s8

७०१. गीत ३६ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पृष्ठक आकार
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) छपाइ-कागजक रंग

७०२. गीत ३६ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

७०३. गीत ३६क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) पाठकक उमर बतएब

७०४. गीत ३६ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

७०५. गीत ३६क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) बाजार-दरक लेखा

७०६. गीत ३६क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) लोहेक वजन

७०७. गीत ३६मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

७०८. गीत ३६क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

७०९. गीत ३६ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

७१०. गीत ३६मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) कर-वसूली
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

७११. गीत ३६क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) किताबक वजन
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) दुकानक पट्टी

७१२. गीत ३६मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) सड़क-नियम समझएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

७१३. गीत ३६क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि

७१४. गीत ३६मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (B) मोल-भाव
- (C) भूमि-माप
- (D) कठोर दण्ड-विधान

७१५. गीत ३६क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

७१६. गीत ३६मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

७१७. गीत ३६मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

७१८. गीत ३६क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

७१९. गीत ३६ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

७२०. गीत ३६क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

७२१. गीत ३७ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पृष्ठक आकार
- (B) पुस्तकालयक आलमारी
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) मुख्य भावक दिशा

७२२. गीत ३७ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि

७२३. गीत ३७क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) पाठकक उमर बतएब

७२४. गीत ३७ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति

७२५. गीत ३७क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) बाजार-दरक लेखा

७२६. गीत ३७क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

७२७. गीत ३७मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

७२८. गीत ३७क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल जिल्दक रंग

७२९. गीत ३७ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) बाजारक छुट
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

७३०. गीत ३७मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) कर-वसूली
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) सैनिक अनुशासन

७३१. गीत ३७क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) मुद्रित दाम
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

७३२. गीत ३७मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) सड़क-नियम समझएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

७३३. गीत ३७क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) सारक बदला चुप रहब उचित
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

७३४. गीत ३७मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) भूमि-माप

७३५. गीत ३७क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (C) केवल नाम बढएबा लेल
- (D) पाठ छोड़बा लेल

७३६. गीत ३७मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

७३७. गीत ३७मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

७३८. गीत ३७क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

७३९. गीत ३७ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

७४०. गीत ३७क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

७४१. गीत ३८ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

७४२. गीत ३८ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

७४३. गीत ३८क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) छपाइ स्थान मापब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

७४४. गीत ३८ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (D) केवल गणितीय नियम

७४५. गीत ३८क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) बाजार-दरक लेखा
- (D) युद्ध-शस्त्रक सूची

७४६. गीत ३८क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) फसलक दर

७४७. गीत ३८मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) विषयसँ पाठककेँ दूर करब

७४८. गीत ३८क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल कागजक गंध
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल जिल्दक रंग

७४९. गीत ३८ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) बाजारक छुट
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

७५०. गीत ३८मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

७५१. गीत ३८क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) मुद्रित दाम
- (C) किताबक वजन
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

७५२. गीत ३८मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझएब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) भावक दृश्य रूप बनएब
- (D) लेखा-बही भरब

७५३. गीत ३८क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) केवल लेखकक फोटो चाही
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

७५४. गीत ३८मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) मोल-भाव
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) भूमि-माप
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

७५५. गीत ३८क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) प्रश्न टारबा लेल
- (C) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

७५६. गीत ३८मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

७५७. गीत ३८मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

७५८. गीत ३८क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

७५९. गीत ३८ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

७६०. गीत ३८क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

७६१. गीत ३९ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) मुख्य भावक दिशा

७६२. गीत ३९ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

७६३. गीत ३९क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) छपाइ स्थान मापब

७६४. गीत ३९ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमें भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

७६५. गीत ३९क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) बाजार-दरक लेखा

७६६. गीत ३९क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) लोहेक वजन
- (C) फसलक दर
- (D) नक्शाक दूरी

७६७. गीत ३९मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

७६८. गीत ३९क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) केवल कागजक गंध

७६९. गीत ३९ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

७७०. गीत ३९मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

७७१. गीत ३९क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) किताबक वजन
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

७७२. गीत ३९मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) सङ्क-नियम समझएब
- (D) करार-पत्र लिखब

७७३. गीत ३९क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

७७४. गीत ३९मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) मोल-भाव

७७५. गीत ३९क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

७७६. गीत ३९मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

७७७. गीत ३९मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

७७८. गीत ३९क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

७७९. गीत ३९ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

७८०. गीत ३९क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

७८१. गीत ४० पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पुस्तकालयक आलमारी
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पृष्ठक आकार

७८२. गीत ४० मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

७८३. गीत ४०क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) छपाइ स्थान मापब

७८४. गीत ४० मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

७८५. गीत ४०क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) बाजार-दरक लेखा

७८६. गीत ४०क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) लोहेक वजन

७८७. गीत ४०मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) कविक नाम मेटा देब
- (C) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (D) अर्थकें अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब

७८८. गीत ४०क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल जिल्दक रंग
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

७८९. गीत ४० पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) बाजारक छुट
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

७९०. गीत ४०मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) सैनिक अनुशासन
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) नाप-जोखक खाता

७९१. गीत ४०क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) किताबक वजन
- (C) मुद्रित दाम
- (D) दुकानक पट्टी

७९२. गीत ४०मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) भावक दृश्य रूप बनएब

७९३. गीत ४०क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि

७९४. गीत ४०मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) मोल-भाव
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

७९५. गीत ४०क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) केवल नाम बढ़ाएबा लेल

७९६. गीत ४०मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) उत्तर खाली छोड़त
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

७९७. गीत ४०मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

७९८. गीत ४०क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

७९९. गीत ४० पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

८००. गीत ४०क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

८०१. गीत ४१ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

८०२. गीत ४१ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कागज मोट अछि वा पातर
- (B) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

८०३. गीत ४१क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) पाठकक उमर बतएब

८०४. गीत ४१ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (D) केवल गणितीय नियम

८०५. गीत ४१क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

८०६. गीत ४१क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) लोहेक वजन
- (C) फसलक दर
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

८०७. गीत ४१मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) विषयसँ पाठककेँ दूर करब

८०८. गीत ४१क रस-पहचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल जिल्दक रंग

८०९. गीत ४१ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

८१०. गीत ४१मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) कर-वसूली
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) सैनिक अनुशासन

८११. गीत ४१क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) मुद्रित दाम

८१२. गीत ४१मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) सड़क-नियम समझएब
- (D) लेखा-बही भरब

८१३. गीत ४१क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) केवल लेखकक फोटो चाही
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

८१४. गीत ४१मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) मोल-भाव
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

८१५. गीत ४१क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

८१६. गीत ४१मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

८१७. गीत ४१मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

८१८. गीत ४१क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

८१९. गीत ४१ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

८२०. गीत ४१क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

८२१. गीत ४२ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) छपाइ-कागजक रंग

८२२. गीत ४२ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

८२३. गीत ४२क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) पाठकक उमर बतएब

८२४. गीत ४२ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (D) केवल गणितीय नियम

८२५. गीत ४२क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) बाजार-दरक लेखा

८२६. गीत ४२क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

८२७. गीत ४२मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) अर्थकें अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब

८२८. गीत ४२क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

८२९. गीत ४२ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) बाजारक छुट
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

८३०. गीत ४२मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) सैनिक अनुशासन

८३१. गीत ४२क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) किताबक वजन
- (C) मुद्रित दाम
- (D) दुकानक पट्टी

८३२. गीत ४२मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सड़क-नियम समझाएब
- (B) करार-पत्र लिखब
- (C) भावक दृश्य रूप बनएब
- (D) लेखा-बही भरब

८३३. गीत ४२क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

८३४. गीत ४२मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) मोल-भाव
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) भूमि-माप

८३५. गीत ४२क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) प्रश्न टारबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल

८३६. गीत ४२मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) उत्तर खाली छोड़त
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

८३७. गीत ४२मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

८३८. गीत ४२क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

८३९. गीत ४२ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प छोट हो

८४०. गीत ४२क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

८४१. गीत ४३ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) पृष्ठक आकार

८४२. गीत ४३ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

८४३. गीत ४३क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) छपाइ स्थान मापब

८४४. गीत ४३ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

८४५. गीत ४३क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) युद्ध-शास्त्रक सूची

८४६. गीत ४३क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) लोहेक वजन
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) फसलक दर

८४७. गीत ४३मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

८४८. गीत ४३क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल जिल्दक रंग
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल कागजक गंध

८४९. गीत ४३ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

८५०. गीत ४३मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) कर-वसूली
- (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (D) नाप-जोखक खाता

८५१. गीत ४३क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) मुद्रित दाम
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) किताबक वजन

८५२. गीत ४३मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) सड़क-नियम समझएब

८५३. गीत ४३क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) केवल लेखकक फोटो चाही
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

८५४. गीत ४३मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) मोल-भाव
- (D) कठोर दण्ड-विधान

८५५. गीत ४३क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) केवल नाम बढाएबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल

८५६. गीत ४३मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) उत्तर खाली छोड़त
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

८५७. गीत ४३मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

८५८. गीत ४३क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

८५९. गीत ४३ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

८६०. गीत ४३क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

८६१. गीत ४४ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) पुस्तकालयक आलमारी
- (D) मुख्य भावक दिशा

८६२. गीत ४४ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

८६३. गीत ४४क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) पाठकक उमर बतएब

८६४. गीत ४४ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल लौकिक मनोरंजन
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल गणितीय नियम
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

८६५. गीत ४४क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) बाजार-दरक लेखा

८६६. गीत ४४क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) फसलक दर
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

८६७. गीत ४४मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (B) कविक नाम मेटा देब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब

८६८. गीत ४४क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल जिल्दक रंग

८६९. गीत ४४ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) बाजारक छुट
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

८७०. गीत ४४मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) कर-वसूली

८७१. गीत ४४क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) मुद्रित दाम
- (C) किताबक वजन
- (D) दुकानक पट्टी

८७२. गीत ४४मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) लेखा-बही भरब
- (C) सड़क-नियम समझाएब
- (D) करार-पत्र लिखब

८७३. गीत ४४क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) केवल लेखकक फोटो चाही
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

८७४. गीत ४४मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) कठोर दण्ड-विधान
- (B) भूमि-माप
- (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (D) मोल-भाव

८७५. गीत ४४क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (B) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (C) पाठ छोड़बा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

८७६. गीत ४४मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) पूरा पद छोड़ि देत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

८७७. गीत ४४मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) ओकरा केवल हास्य मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

८७८. गीत ४४क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल कागजक संख्या सँ

८७९. गीत ४४ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

८८०. गीत ४४क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

८८१. गीत ४५ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पृष्ठक आकार

८८२. गीत ४५ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

८८३. गीत ४५क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) छपाइ स्थान मापब

८८४. गीत ४५ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यममें भक्ति-अनुभूति

८८५. गीत ४५क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) राजस्व नापबाक उपाय
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

८८६. गीत ४५क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) फसलक दर
- (D) लोहेक वजन

८८७. गीत ४५मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) विषयसँ पाठककेँ दूर करब

८८८. गीत ४५क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

८८९. गीत ४५ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) बाजारक छुट

८९०. गीत ४५मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) सैनिक अनुशासन
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) कर-वसूली

८९१. गीत ४५क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दुकानक पट्टी
- (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (C) मुद्रित दाम
- (D) किताबक वजन

८९२. गीत ४५मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) सङ्क-नियम समझएब
- (D) करार-पत्र लिखब

८९३. गीत ४५क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

८९४. गीत ४५मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (B) मोल-भाव
- (C) भूमि-माप
- (D) कठोर दण्ड-विधान

८९५. गीत ४५क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) केवल नाम बदएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

८९६. गीत ४५मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) पूरा पद छोड़ि देत

८९७. गीत ४५मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (B) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

८९८. गीत ४५क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

८९९. गीत ४५ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

९००. गीत ४५क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही

s10

९०१. गीत ४६ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) छपाइ-कागजक रंग
- (B) मुख्य भावक दिशा
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

९०२. गीत ४६ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (D) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि

९०३. गीत ४६क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) मूल्य-सूची देब
- (C) छपाइ स्थान मापब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

९०४. गीत ४६ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) केवल लौकिक मनोरंजन
- (D) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति

९०५. गीत ४६क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

९०६. गीत ४६क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) लोहेक वजन

९०७. गीत ४६मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब

९०८. गीत ४६क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (D) केवल जिल्दक रंग

९०९. गीत ४६ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) बाजारक छुट
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

९१०. गीत ४६मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) सैनिक अनुशासन
- (C) कर-वसूली
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

९११. गीत ४६क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) किताबक वजन
- (D) मुद्रित दाम

९१२. गीत ४६मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) सड़क-नियम समझएब
- (C) भावक दृश्य रूप बनएब
- (D) करार-पत्र लिखब

९१३. गीत ४६क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (D) सारक बदला चुप रहब उचित

९१४. गीत ४६मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) मोल-भाव
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग

९१५. गीत ४६क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (B) पाठ छोड़बा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) केवल नाम बढ़एबा लेल

९१६. गीत ४६मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

९१७. गीत ४६मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

९१८. गीत ४६क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

९१९. गीत ४६ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प लम्बा हो
- (B) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (C) जे विकल्प छोट हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

९२०. गीत ४६क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (B) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

९२१. गीत ४७ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पृष्ठक आकार
- (B) पुस्तकालयक आलमारी
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) मुख्य भावक दिशा

९२२. गीत ४७ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कागज मोट अछि वा पातर
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

९२३. गीत ४७क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) पाठकक उमर बतएब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) छपाइ स्थान मापब

९२४. गीत ४७ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल गणितीय नियम

९२५. गीत ४७क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) बाजार-दरक लेखा

९२६. गीत ४७क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (B) लोहेक वजन
- (C) फसलक दर
- (D) नक्शाक दूरी

९२७. गीत ४७मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (D) कविक नाम मेटा देब

९२८. गीत ४७क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

९२९. गीत ४७ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) खेलक हार-जीत
- (D) बाजारक छुट

९३०. गीत ४७मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) नाप-जोखक खाता
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग

९३१. गीत ४७क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किताबक वजन
- (B) मुद्रित दाम
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

९३२. गीत ४७मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) सङ्क-नियम समझएब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) लेखा-बही भरब
- (D) करार-पत्र लिखब

९३३. गीत ४७क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) केवल लेखकक फोटो चाही

९३४. गीत ४७मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) भूमि-माप
- (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (C) मोल-भाव
- (D) कठोर दण्ड-विधान

९३५. गीत ४७क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (C) प्रश्न टारबा लेल
- (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल

९३६. गीत ४७मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत

९३७. गीत ४७मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (C) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

९३८. गीत ४७क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल कागजक संख्या सँ
- (C) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

९३९. गीत ४७ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

९४०. गीत ४७क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

९४१. गीत ४८ पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक आलमारी
- (B) छपाइ-कागजक रंग
- (C) मुख्य भावक दिशा
- (D) पृष्ठक आकार

९४२. गीत ४८ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (C) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

९४३. गीत ४८क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) मूल्य-सूची देब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

९४४. गीत ४८ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल लौकिक मनोरंजन
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल गणितीय नियम

९४५. गीत ४८क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) युद्ध-शस्त्रक सूची
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र

९४६. गीत ४८क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) नक्शाक दूरी
- (B) फसलक दर
- (C) लोहेक वजन
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

९४७. गीत ४८मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब
- (B) विषयसँ पाठककें दूर करब
- (C) अर्थकें अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब
- (D) कविक नाम मेटा देब

९४८. गीत ४८क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल जिल्दक रंग
- (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९४९. गीत ४८ पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) बाजारक छुट
- (B) खेलक हार-जीत
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) मौसम-विज्ञानक सूत्र

९५०. गीत ४८मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) सैनिक अनुशासन

९५१. गीत ४८क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) मुद्रित दाम
- (D) किताबक वजन

९५२. गीत ४८मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) भावक दृश्य रूप बनएब
- (B) सड़क-नियम समझाएब
- (C) करार-पत्र लिखब
- (D) लेखा-बही भरब

९५३. गीत ४८क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (C) केवल लेखकक फोटो चाही
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

९५४. गीत ४८मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (B) भूमि-माप
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) मोल-भाव

९५५. गीत ४८क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (C) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

९५६. गीत ४८मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) उत्तर खाली छोड़त
- (D) अनुमान बिना सोचने लिखत

९५७. गीत ४८मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (C) ओकरा केवल हास्य मानब
- (D) ओकरा खेतीक हिसाब मानब

९५८. गीत ४८क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ

९५९. गीत ४८ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (C) जे विकल्प लम्बा हो
- (D) जे विकल्प पहिल क्रममे हो

९६०. गीत ४८क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (D) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही

९६१. गीत ४९ पढ़ते काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पृष्ठक आकार
- (C) छपाइ-कागजक रंग
- (D) पुस्तकालयक आलमारी

९६२. गीत ४९ मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) कागज मोट अछि वा पातर
- (D) मुद्रकक मशीन कोन छल

९६३. गीत ४९क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) मूल्य-सूची देब
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) पाठकक उमर बतएब
- (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान

९६४. गीत ४९ मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) केवल गणितीय नियम
- (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

९६५. गीत ४९क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) बाजार-दरक लेखा
- (B) राजस्व नापबाक उपाय
- (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (D) युद्ध-शास्त्रक सूची

९६६. गीत ४९क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) लोहेक वजन
- (B) फसलक दर
- (C) नक्शाक दूरी
- (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस

९६७. गीत ४९मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) कविक नाम मेटा देब
- (D) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब

९६८. गीत ४९क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) केवल कागजक गंध
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल जिल्दक रंग
- (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल

९६९. गीत ४९ पढ़ते काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (B) बाजारक छुट
- (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा
- (D) खेलक हार-जीत

९७०. गीत ४९मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) नाप-जोखक खाता
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) कर-वसूली
- (D) सैनिक अनुशासन

९७१. गीत ४९क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) किताबक वजन
- (C) दुकानक पट्टी
- (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य

९७२. गीत ४९मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) करार-पत्र लिखब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) सङ्क-नियम समझएब
- (D) लेखा-बही भरब

९७३. गीत ४९क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) सारक बदला चुप रहब उचित
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

९७४. गीत ४९मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (B) मोल-भाव
- (C) कठोर दण्ड-विधान
- (D) भूमि-माप

९७५. गीत ४९क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) केवल नाम बढ़एबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

९७६. गीत ४९मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (B) पूरा पद छोड़ि देत
- (C) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

९७७. गीत ४९मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) ओकरा केवल हास्य मानब
- (B) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (D) ओकरा राजाज्ञा मानब

९७८. गीत ४९क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (B) केवल जिल्दक सजावट सँ
- (C) केवल कागजक संख्या सँ
- (D) केवल मुद्रण-दिनांक सँ

९७९. गीत ४९ पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (B) जे विकल्प छोट हो
- (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए
- (D) जे विकल्प लम्बा हो

९८०. गीत ४९क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल शब्द गिनबाक चाही
- (B) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही

९८१. गीत ५० पढ़ैत काल पहिल अध्ययन-बिन्दु की हेबाक चाही?

- (A) मुख्य भावक दिशा
- (B) पुस्तकालयक आलमारी
- (C) पृष्ठक आकार
- (D) छपाइ-कागजक रंग

९८२. गीत ५० मे वक्ताक स्वर बुझबा लेल कोन बात पर ध्यान देब उचित?

- (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि
- (B) कतेक पृष्ठ मोड़ल अछि
- (C) मुद्रकक मशीन कोन छल
- (D) कागज मोट अछि वा पातर

९८३. गीत ५०क अभ्यासमे 'भनिता'क मुख्य प्रयोजन की मानल जाएत?

- (A) पाठकक उमर बतएब
- (B) छपाइ स्थान मापब
- (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान
- (D) मूल्य-सूची देब

९८४. गीत ५० मे शृङ्गार आ भक्तिक सम्बन्ध कोना पढ़ल जाएत?

- (A) मधुर प्रेमक माध्यमसँ भक्ति-अनुभूति
- (B) केवल गणितीय नियम
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल लौकिक मनोरंजन

९८५. गीत ५०क भाव-परीक्षणमे राधा-कृष्ण प्रसंगक महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र
- (B) बाजार-दरक लेखा
- (C) राजस्व नापबाक उपाय
- (D) युद्ध-शस्त्रक सूची

९८६. गीत ५०क भाषा-सौन्दर्य चिन्हबा लेल कोन तत्व मुख्य अछि?

- (A) फसलक दर
- (B) नक्शाक दूरी
- (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस
- (D) लोहेक वजन

९८७. गीत ५०मे अलंकारक अध्ययनक सही उद्देश्य की?

- (A) कविक नाम मेटा देब
- (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब
- (C) विषयसँ पाठककेँ दूर करब
- (D) अर्थकेँ अनिवार्य रूपेँ नष्ट करब

९८८. गीत ५०क रस-पहिचानमे विद्यार्थी कोन आधार लेत?

- (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल
- (B) केवल जिल्दक रंग
- (C) केवल कागजक गंध
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९८९. गीत ५० पढ़ैत काल 'विरह'क संकेत भेटय तँ ओकर अर्थ कोना बुझब?

- (A) खेलक हार-जीत
- (B) मौसम-विज्ञानक सूत्र
- (C) बाजारक छुट
- (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा

९९०. गीत ५०मे 'मिलन' भावक अध्ययन कोन दिस लए जाएत?

- (A) कर-वसूली
- (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग
- (C) नाप-जोखक खाता
- (D) सैनिक अनुशासन

९९१. गीत ५०क संगीतात्मकता पर प्रश्न बनबैत कोन बात महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रित दाम
- (B) दुकानक पट्टी
- (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य
- (D) किताबक वजन

९९२. गीत ५०मे प्रकृति-बिम्बक सम्भावित भूमिका की बुझल जाएत?

- (A) लेखा-बही भरब
- (B) भावक दृश्य रूप बनएब
- (C) सड़क-नियम समझाएब
- (D) करार-पत्र लिखब

९९३. गीत ५०क परीक्षा-उत्तरमे केवल सार लिखि देब पर्याप्त किएक नहि?

- (A) उत्तरमे खाली शीर्षक पर्याप्त अछि
- (B) केवल लेखकक फोटो चाही
- (C) सारक बदला चुप रहब उचित
- (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि

९९४. गीत ५०मे भक्तिक स्वर पहिचानबाक मुख्य कसौटी की?

- (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग
- (B) कठोर दण्ड-विधान
- (C) भूमि-माप
- (D) मोल-भाव

९९५. गीत ५०क आलोचनात्मक अध्ययनमे विद्यापति-परम्पराक उल्लेख किएक उपयोगी?

- (A) पाठ छोड़बा लेल
- (B) केवल नाम बढ़ाएबा लेल
- (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल
- (D) प्रश्न टारबा लेल

९९६. गीत ५०मे कठिन शब्द आबय तँ विद्यार्थी की करत?

- (A) अनुमान बिना सोचने लिखत
- (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत
- (C) पूरा पद छोड़ि देत
- (D) उत्तर खाली छोड़त

९९७. गीत ५०मे नायिका-भाव पढ़बाक सही तरीका की?

- (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब
- (B) ओकरा राजाज्ञा मानब
- (C) ओकरा खेतीक हिसाब मानब
- (D) ओकरा केवल हास्य मानब

९९८. गीत ५०क सांस्कृतिक महत्त्व कोन बातसँ बनैत अछि?

- (A) केवल कागजक संख्या सँ
- (B) केवल मुद्रण-दिनांक सँ
- (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ
- (D) केवल जिल्दक सजावट सँ

९९९. गीत ५० पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर पहिचानबाक उपाय की?

- (A) जे विकल्प छोट हो
- (B) जे विकल्प लम्बा हो
- (C) जे विकल्प पहिल क्रममे हो
- (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए

१०००. गीत ५०क समग्र मूल्यांकनमे सभसँ नीक निष्कर्ष कोन?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य देखबाक चाही
- (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही
- (C) केवल पंक्ति लम्बाइ नापबाक चाही
- (D) केवल शब्द गिनबाक चाही

१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
१०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
११. (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
१२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
१३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
१४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
१५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
१६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
१७. (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
१८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
१९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि जाए — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
२०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत १क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
२१. (D) मुख्य भावक दिशा — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
२२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।

२३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
२४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
२५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
२६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
२७. (D) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
२८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
२९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
३०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
३१. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
३२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
३३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
३४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
३५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
३६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
३७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
३८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
३९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
४०. (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
४१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
४२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
४३. (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
४४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।

४५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
४६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
४७. (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
४९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
५०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
५१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
५२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
५३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
५४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
५५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
५६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
५७. (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
५८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
५९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
६०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
६१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
६२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
६३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
६४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
६५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
६६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
६७. (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।

६८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
६९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
७०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
७१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
७२. (C) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
७३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
७४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
७५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
७६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
७७. (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
७८. (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
७९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
८०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
८१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
८२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
८३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
८४. (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
८५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
८६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
८७. (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
८८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
८९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।

१०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
११. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
१२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
१३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
१४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
१५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
१६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
१७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
१८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
१९. (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
१००. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ५क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
१०१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
१०२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
१०३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
१०४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
१०५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
१०६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
१०७. (D) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
१०८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
१०९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
११०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
१११. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।

- ११२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- ११३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- ११४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- ११५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- ११६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- ११७. (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- ११८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
- ११९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- १२०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत ६क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- १२१. (C) मुख्य भावक दिशा** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- १२२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- १२३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- १२४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- १२५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- १२६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- १२७. (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- १२८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- १२९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- १३०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- १३१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- १३२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- १३३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।

- १३४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- १३५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- १३६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- १३७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- १३८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
- १३९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- १४०. (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत ७क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- १४१. (B) मुख्य भावक दिशा** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- १४२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- १४३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- १४४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- १४५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- १४६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- १४७. (C) भावकें अधिक प्रभावी बनएब** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- १४८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- १४९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- १५०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- १५१. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- १५२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- १५३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पढ़ैत अछि** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- १५४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- १५५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।

- १५६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- १५७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- १५८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
- १५९. (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- १६०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत ८क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- १६१. (B) मुख्य भावक दिशा** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- १६२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- १६३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- १६४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- १६५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- १६६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- १६७. (D) भावकें अधिक प्रभावी बनएब** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- १६८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- १६९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- १७०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- १७१. (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- १७२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- १७३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- १७४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- १७५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- १७६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- १७७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।

- १७८. (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
- १७९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- १८०. (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत ९क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- १८१. (B) मुख्य भावक दिशा** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- १८२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- १८३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- १८४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- १८५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- १८६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- १८७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- १८८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- १८९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- १९०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- १९१. (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- १९२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- १९३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- १९४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- १९५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- १९६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- १९७. (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- १९८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
- १९९. (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।

२००. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत १०क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
२०१. (D) मुख्य भावक दिशा — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
२०२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
२०३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
२०४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
२०५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
२०६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
२०७. (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
२०८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
२०९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
२१०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
२११. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
२१२. (C) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
२१३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
२१४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
२१५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
२१६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
२१७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
२१८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
२१९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
२२०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ११क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
२२१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।

- २२२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- २२३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- २२४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- २२५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- २२६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- २२७. (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- २२८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- २२९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- २३०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- २३१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- २३२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- २३३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- २३४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- २३५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- २३६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- २३७. (D) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- २३८. (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
- २३९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- २४०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत १२क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- २४१. (A) मुख्य भावक दिशा** — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- २४२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- २४३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।

२४४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमै भक्ति-अनुभूति — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
२४५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
२४६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
२४७. (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
२४८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
२४९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
२५०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
२५१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
२५२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
२५३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
२५४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
२५५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
२५६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरूह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
२५७. (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
२५८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
२५९. (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
२६०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत १३क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
२६१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
२६२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
२६३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे भिन्ना पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
२६४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमै भक्ति-अनुभूति — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
२६५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।

२६६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
२६७. (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
२६८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
२६९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
२७०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
२७१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
२७२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
२७३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
२७४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
२७५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
२७६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
२७७. (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
२७८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
२७९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
२८०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत १४क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
२८१. (C) मुख्य भावक दिशा — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
२८२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
२८३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
२८४. (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
२८५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
२८६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
२८७. (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
२८८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।

२८९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
२९०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
२९१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
२९२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
२९३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
२९४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
२९५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
२९६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
२९७. (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
२९८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
२९९. (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
३००. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत १५क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
३०१. (D) मुख्य भावक दिशा — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
३०२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
३०३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
३०४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
३०५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
३०६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
३०७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
३०८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
३०९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
३१०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।

- ३११. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- ३१२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- ३१३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- ३१४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- ३१५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- ३१६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- ३१७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- ३१८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
- ३१९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- ३२०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत १६क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- ३२१. (C) मुख्य भावक दिशा** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- ३२२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- ३२३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- ३२४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- ३२५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- ३२६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- ३२७. (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- ३२८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- ३२९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- ३३०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- ३३१. (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- ३३२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।

- ३३३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- ३३४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- ३३५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- ३३६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- ३३७. (D) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- ३३८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
- ३३९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- ३४०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत १७क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- ३४१. (B) मुख्य भावक दिशा** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- ३४२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- ३४३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- ३४४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- ३४५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- ३४६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- ३४७. (D) भावकें अधिक प्रभावी बनएब** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- ३४८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- ३४९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- ३५०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- ३५१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- ३५२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- ३५३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- ३५४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।

- ३५५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- ३५६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- ३५७. (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- ३५८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
- ३५९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- ३६०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत १८क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- ३६१. (D) मुख्य भावक दिशा** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- ३६२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- ३६३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे भिन्नता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- ३६४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- ३६५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- ३६६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- ३६७. (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- ३६८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- ३६९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- ३७०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- ३७१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- ३७२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- ३७३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- ३७४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- ३७५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- ३७६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।

- ३७७. (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- ३७८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
- ३७९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- ३८०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत १९क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- ३८१. (C) मुख्य भावक दिशा** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- ३८२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- ३८३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- ३८४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- ३८५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- ३८६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- ३८७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- ३८८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- ३८९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- ३९०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- ३९१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- ३९२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- ३९३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- ३९४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- ३९५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- ३९६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- ३९७. (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- ३९८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।

३९९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
४००. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २०क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
४०१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
४०२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
४०३. (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
४०४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
४०५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
४०६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
४०७. (B) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४०८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
४०९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
४१०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
४११. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
४१२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
४१३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
४१४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
४१५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
४१६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
४१७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
४१८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
४१९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
४२०. (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २१क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।

४२१. (C) मुख्य भावक दिशा — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
४२२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
४२३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
४२४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
४२५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
४२६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
४२७. (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४२८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
४२९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
४३०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
४३१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
४३२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
४३३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
४३४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
४३५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
४३६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
४३७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
४३८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
४३९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
४४०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २२क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
४४१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
४४२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।

४४३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
४४४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
४४५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
४४६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
४४७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४४८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
४४९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
४५०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
४५१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
४५२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
४५३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
४५४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
४५५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
४५६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
४५७. (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
४५८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
४५९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
४६०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २३क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
४६१. (D) मुख्य भावक दिशा — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
४६२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
४६३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
४६४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।

४६५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
४६६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
४६७. (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४६८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
४६९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
४७०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
४७१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
४७२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
४७३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
४७४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
४७५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
४७६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
४७७. (B) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
४७८. (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
४७९. (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
४८०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २४क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
४८१. (D) मुख्य भावक दिशा — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
४८२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
४८३. (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे भिन्ना पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
४८४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
४८५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
४८६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
४८७. (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।

४८८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
४८९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
४९०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
४९१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
४९२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
४९३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
४९४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
४९५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
४९६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
४९७. (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
४९८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
४९९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
५००. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २५क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
५०१. (C) मुख्य भावक दिशा — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
५०२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
५०३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
५०४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
५०५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
५०६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
५०७. (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
५०८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
५०९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।

५१०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
५११. (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
५१२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
५१३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
५१४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
५१५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
५१६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
५१७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
५१८. (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
५१९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
५२०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २६क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
५२१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
५२२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
५२३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
५२४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
५२५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
५२६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
५२७. (B) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
५२८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
५२९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
५३०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
५३१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।

५३२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
५३३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
५३४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
५३५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
५३६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
५३७. (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
५३८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
५३९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
५४०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २७क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
५४१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
५४२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
५४३. (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
५४४. (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
५४५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
५४६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
५४७. (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
५४८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
५४९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
५५०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
५५१. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
५५२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
५५३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।

५५४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
५५५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
५५६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
५५७. (C) नायिका-स्वरकँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
५५८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकँ जोड़ैत अछि।
५५९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
५६०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २८क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
५६१. (C) मुख्य भावक दिशा — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
५६२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
५६३. (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
५६४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
५६५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
५६६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
५६७. (D) भावकँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
५६८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
५६९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
५७०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
५७१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
५७२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
५७३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
५७४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
५७५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।

५७६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
५७७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
५७८. (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
५७९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
५८०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत २९क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
५८१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
५८२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
५८३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
५८४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
५८५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
५८६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
५८७. (D) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
५८८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
५८९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
५९०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
५९१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
५९२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
५९३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
५९४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
५९५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
५९६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
५९७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।

५९८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
५९९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
६००. (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३०क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
६०१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
६०२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
६०३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
६०४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
६०५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
६०६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
६०७. (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
६०८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
६०९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
६१०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
६११. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
६१२. (C) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
६१३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
६१४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
६१५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
६१६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
६१७. (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
६१८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
६१९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।

६२०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३१क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
६२१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
६२२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
६२३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
६२४. (B) मधुर प्रेमक माध्यम भक्ति-अनुभूति — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
६२५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
६२६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
६२७. (C) भावक अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
६२८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
६२९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
६३०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
६३१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
६३२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
६३३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
६३४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
६३५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
६३६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
६३७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
६३८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
६३९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
६४०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३२क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
६४१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।

६४२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
६४३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
६४४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
६४५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
६४६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
६४७. (B) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
६४८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
६४९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
६५०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
६५१. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
६५२. (C) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
६५३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
६५४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
६५५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
६५६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
६५७. (D) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
६५८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
६५९. (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
६६०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३३क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
६६१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
६६२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
६६३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।

६६४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमै भक्ति-अनुभूति — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
६६५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
६६६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
६६७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
६६८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
६६९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
६७०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
६७१. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
६७२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
६७३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
६७४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
६७५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
६७६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
६७७. (D) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
६७८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
६७९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
६८०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३४क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
६८१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
६८२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
६८३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
६८४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमै भक्ति-अनुभूति — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
६८५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।

६८६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
६८७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
६८८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
६८९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
६९०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
६९१. (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
६९२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
६९३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
६९४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
६९५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
६९६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
६९७. (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
६९८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
६९९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
७००. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३५क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
७०१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
७०२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
७०३. (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
७०४. (B) मधुर प्रेमक माध्यम भक्ति-अनुभूति — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
७०५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
७०६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
७०७. (D) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
७०८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।

७०९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
७१०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
७११. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
७१२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
७१३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
७१४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
७१५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
७१६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
७१७. (A) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
७१८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
७१९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
७२०. (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३६क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
७२१. (D) मुख्य भावक दिशा — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
७२२. (D) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
७२३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
७२४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
७२५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
७२६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
७२७. (C) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
७२८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
७२९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
७३०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।

७३१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
७३२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
७३३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
७३४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
७३५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
७३६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
७३७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
७३८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
७३९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
७४०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३७क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
७४१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
७४२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
७४३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
७४४. (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
७४५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
७४६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
७४७. (B) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
७४८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
७४९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
७५०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
७५१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
७५२. (C) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।

- ७५३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- ७५४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- ७५५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- ७५६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- ७५७. (B) नायिका-स्वरकँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- ७५८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकँ जोड़ैत अछि।
- ७५९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- ७६०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत ३८क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- ७६१. (D) मुख्य भावक दिशा** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- ७६२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- ७६३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- ७६४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- ७६५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- ७६६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- ७६७. (C) भावकँ अधिक प्रभावी बनएब** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- ७६८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- ७६९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- ७७०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- ७७१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- ७७२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- ७७३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- ७७४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।

७७५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
७७६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
७७७. (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
७७८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
७७९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
७८०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ३९क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
७८१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
७८२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
७८३. (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
७८४. (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
७८५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
७८६. (B) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
७८७. (A) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
७८८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
७८९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
७९०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
७९१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
७९२. (D) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
७९३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
७९४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
७९५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझाएबा लेल — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
७९६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।

७९७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
७९८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
७९९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
८००. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४०क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
८०१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
८०२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
८०३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे भिन्ना पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
८०४. (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
८०५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
८०६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
८०७. (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
८०८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
८०९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
८१०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
८११. (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
८१२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
८१३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
८१४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
८१५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
८१६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
८१७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
८१८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।

८१९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
८२०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४१क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
८२१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
८२२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
८२३. (A) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
८२४. (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
८२५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
८२६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
८२७. (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
८२८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
८२९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
८३०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
८३१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
८३२. (C) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
८३३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
८३४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
८३५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
८३६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
८३७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
८३८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
८३९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
८४०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४२क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।

८४१. (C) मुख्य भावक दिशा — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
८४२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
८४३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
८४४. (C) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
८४५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
८४६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
८४७. (B) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
८४८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
८४९. (B) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
८५०. (C) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
८५१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
८५२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
८५३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
८५४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
८५५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
८५६. (C) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
८५७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
८५८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
८५९. (A) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
८६०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४३क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
८६१. (D) मुख्य भावक दिशा — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
८६२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।

८६३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
८६४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
८६५. (B) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
८६६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
८६७. (D) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
८६८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
८६९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
८७०. (A) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
८७१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
८७२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
८७३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
८७४. (C) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
८७५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
८७६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
८७७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
८७८. (B) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
८७९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
८८०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४४क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
८८१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
८८२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
८८३. (B) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
८८४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।

८८५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
८८६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
८८७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
८८८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
८८९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
८९०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
८९१. (B) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
८९२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
८९३. (A) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
८९४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
८९५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
८९६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
८९७. (C) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
८९८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
८९९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
९००. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४५क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
९०१. (B) मुख्य भावक दिशा — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
९०२. (C) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
९०३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
९०४. (D) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
९०५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
९०६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
९०७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।

१०८. (C) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
१०९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
११०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
१११. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
११२. (C) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
११३. (C) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
११४. (D) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
११५. (A) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
११६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
११७. (B) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
११८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
११९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
१२०. (A) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४६क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
१२१. (D) मुख्य भावक दिशा — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
१२२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
१२३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
१२४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
१२५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
१२६. (A) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
१२७. (C) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
१२८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
१२९. (A) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।

९३०. (D) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
९३१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
९३२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
९३३. (B) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
९३४. (B) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
९३५. (D) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
९३६. (D) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
९३७. (B) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
९३८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
९३९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
९४०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४७क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
९४१. (C) मुख्य भावक दिशा — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
९४२. (B) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
९४३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
९४४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
९४५. (D) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
९४६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
९४७. (A) भावकें अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
९४८. (B) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
९४९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
९५०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
९५१. (A) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तें लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।

१५२. (A) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
१५३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
१५४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
१५५. (B) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकेँ पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
१५६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
१५७. (A) नायिका-स्वरकेँ भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
१५८. (D) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकेँ जोड़ैत अछि।
१५९. (B) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
१६०. (C) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ४८क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
१६१. (A) मुख्य भावक दिशा — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
१६२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
१६३. (D) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
१६४. (B) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
१६५. (C) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
१६६. (D) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
१६७. (B) भावकेँ अधिक प्रभावी बनएब — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
१६८. (D) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
१६९. (C) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
१७०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
१७१. (D) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
१७२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकेँ आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
१७३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पड़ैत अछि — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।

- १७४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- १७५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।
- १७६. (A) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत** — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
- १७७. (C) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब** — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
- १७८. (A) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ** — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
- १७९. (C) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए** — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
- १८०. (D) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही** — गीत ४९क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।
- १८१. (A) मुख्य भावक दिशा** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे कोनो पदक अर्थ-बोध मुख्य भाव चिन्हबासँ शुरू होइत अछि; तखन शब्द, लय आ प्रतीक स्पष्ट होइत अछि।
- १८२. (A) के बाजि रहल अछि आ केकरा सम्बोधित अछि** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदमे वक्ता, सम्बोधन आ भाव-दिशा बुझलासँ पदक आत्मा खुलैत अछि।
- १८३. (C) कविक उपस्थिति आ पदक पहचान** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे भनिता पदमे कवि-स्वर, पहचान आ काव्य-परम्पराक संकेत दैत अछि।
- १८४. (A) मधुर प्रेमक माध्यमँ भक्ति-अनुभूति** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक काव्य-धारा शृङ्गारक आवरणमे भक्तिक गहिर अनुभूति देखबैत अछि।
- १८५. (A) प्रेम, विरह आ समर्पणक केन्द्र** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे राधा-कृष्ण भावभूमि मधुर-भक्ति, विरह, मिलन आ समर्पणक प्रमुख आधार बनैत अछि।
- १८६. (C) ध्वनि, लय, शब्द-विन्यास आ रस** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे पदक सौन्दर्य शब्दक ध्वनि, लय, विन्यास आ भाव-संयोजनसँ बनैत अछि।
- १८७. (B) भावकें अधिक प्रभावी बनएब** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे अलंकार पदमे भावक चमक, माधुर्य आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
- १८८. (A) स्थायी भाव, चित्र आ लयक मेल** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे रस ओहिठाम प्रकट होइत अछि जतय भाव, बिम्ब, ध्वनि आ लय एक संग काज करैत अछि।
- १८९. (D) भक्तिक तीव्र लालसा आ दूरीक पीड़ा** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति परम्परामे विरह आत्माक परम प्रियसँ मिलबाक आकांक्षा सेहो अछि।
- १९०. (B) आनन्द, कृपा आ प्रेमपूर्ण संयोग** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे मिलन भाव भक्त आ आराध्यक निकटता, आनन्द आ आन्तरिक पूर्णताक संकेत दैत अछि।
- १९१. (C) लय, धुनयोग्यता आ श्रवण-माधुर्य** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे भजन-पद सुनबा आ गाबय योग्य होइत अछि; तँ लय आ श्रवण-सुखक महत्त्व बहुत अछि।
- १९२. (B) भावक दृश्य रूप बनएब** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे फूल, जल, मेघ, चन्द्र, वन आदि बिम्ब भावकें आँखि आगाँ उपस्थित करैत अछि।
- १९३. (D) भाषा, भाव, बिम्ब आ शैली सेहो देखाबय पढ़ैत अछि** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे साहित्यिक उत्तरमे कथ्यक संग शिल्प, भाषा, रस आ सांस्कृतिक अर्थक चर्चा चाही।
- १९४. (A) समर्पण, स्मरण आ आराध्यक प्रति अनुराग** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे भक्ति-पदक हृदय समर्पण, स्मरण, विनय आ अनुरागसँ निर्मित होइत अछि।
- १९५. (C) परम्परा आ भिन्नता दुनू बुझएबा लेल** — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासकें पढ़ैत काल विद्यापति-परम्परा, मधुर-भक्ति आ शैलीगत भिन्नता बुझब उपयोगी अछि।

११६. (B) सन्दर्भ, भाव आ शब्द-सम्बन्धसँ अर्थ खोजत — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे गोविन्ददासक पदमे शब्द-विन्यास कखनो दुरुह भऽ सकैत अछि; सन्दर्भसँ अर्थ खोलब उचित अछि।
११७. (A) नायिका-स्वरकें भक्तिक अनुभवसँ जोड़ब — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे मधुर-भक्ति साहित्य मे नायिका-भाव अनेक बेर आत्माक आराध्य प्रति प्रेमक प्रतीक बनैत अछि।
११८. (C) मिथिला, भक्ति, संगीत आ काव्य-परम्पराक संगमसँ — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे ई पद परम्परा मिथिला, राधाकृष्ण-भक्ति, संगीत आ काव्य-सौन्दर्यकें जोड़ैत अछि।
११९. (D) जे विकल्प भाव, भाषा आ प्रसंगसँ मेल नहि खाए — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे सही उत्तर हमेशा प्रसंग, भाव-दिशा आ साहित्यिक तर्कसँ मेल खाइत अछि।
१०००. (B) पदक भाव, शिल्प आ भक्तिधारा एक संग पढ़बाक चाही — गीत ५०क अध्ययन-सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पदक भाव-संसार, शैली, रस, लय आ परम्पराक संयुक्त अध्ययनसँ बनैत अछि।

0

१. विद्यापति गीतशतीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) विद्यापतिक पद-परम्परासँ चुनल गीतसभक अध्ययन-केंद्रित संचयन
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

२. विद्यापति गीतशती पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) विद्यापतिक पद-परम्परासँ चुनल गीतसभक अध्ययन-केंद्रित संचयन
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३. परीक्षामे विद्यापति गीतशती पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) विद्यापतिक पद-परम्परासँ चुनल गीतसभक अध्ययन-केंद्रित संचयन

४. विद्यापति गीतशती विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) विद्यापतिक पद-परम्परासँ चुनल गीतसभक अध्ययन-केंद्रित संचयन
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५. विद्यापति गीतशतीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) विद्यापतिक पद-परम्परासँ चुनल गीतसभक अध्ययन-केंद्रित संचयन
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

६. साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) निर्धारित पाठक प्रकाशकीय सन्दर्भ रूपेँ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक उल्लेख
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७. साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) निर्धारित पाठक प्रकाशकीय सन्दर्भ रूपेँ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक उल्लेख

८. परीक्षामे साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) निर्धारित पाठक प्रकाशकीय सन्दर्भ रूपेँ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक उल्लेख
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९. साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) निर्धारित पाठक प्रकाशकीय सन्दर्भ रूपेँ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक उल्लेख
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

१०. साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) निर्धारित पाठक प्रकाशकीय सन्दर्भ रूपेँ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक उल्लेख
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

११. गीत संख्या एकसँ पचासक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पाठ्यक्रममे प्रारम्भिक पचास गीतक प्रथम-हस्त पाठ आ आलोचनात्मक अध्ययन

१२. गीत संख्या एकसँ पचास पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठ्यक्रममे प्रारम्भिक पचास गीतक प्रथम-हस्त पाठ आ आलोचनात्मक अध्ययन
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१३. परीक्षामे गीत संख्या एकसँ पचास पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) पाठ्यक्रममे प्रारम्भिक पचास गीतक प्रथम-हस्त पाठ आ आलोचनात्मक अध्ययन
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

१४. गीत संख्या एकसँ पचास विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) पाठ्यक्रममे प्रारम्भिक पचास गीतक प्रथम-हस्त पाठ आ आलोचनात्मक अध्ययन
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१५. गीत संख्या एकसँ पचासक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) पाठ्यक्रममे प्रारम्भिक पचास गीतक प्रथम-हस्त पाठ आ आलोचनात्मक अध्ययन

१६. उमानाथ झा-सम्बद्ध संचयनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) विद्यापति गीतशतीक सूची-सन्दर्भमे उमानाथ झाक नामक महत्त्व
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

१७. उमानाथ झा-सम्बद्ध संचयन पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) विद्यापति गीतशतीक सूची-सन्दर्भमे उमानाथ झाक नामक महत्त्व
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

१८. परीक्षामे उमानाथ झा-सम्बद्ध संचयन पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) विद्यापति गीतशतीक सूची-सन्दर्भमे उमानाथ झाक नामक महत्त्व
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१९. उमानाथ झा-सम्बद्ध संचयन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) विद्यापति गीतशतीक सूची-सन्दर्भमे उमानाथ झाक नामक महत्त्व

२०. उमानाथ झा-सम्बद्ध संचयनक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) विद्यापति गीतशतीक सूची-सन्दर्भमे उमानाथ झाक नामक महत्त्व
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२१. प्रथम-हस्त पाठक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतक मूल शब्द, वक्ता, भाव-स्थिति आ संकेत देखिकय उत्तर बनायब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

२२. प्रथम-हस्त पाठ पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीतक मूल शब्द, वक्ता, भाव-स्थिति आ संकेत देखिकय उत्तर बनायब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२३. परीक्षामे प्रथम-हस्त पाठ पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) गीतक मूल शब्द, वक्ता, भाव-स्थिति आ संकेत देखिकय उत्तर बनायब

२४. प्रथम-हस्त पाठ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गीतक मूल शब्द, वक्ता, भाव-स्थिति आ संकेत देखिकय उत्तर बनायब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२५. प्रथम-हस्त पाठक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) गीतक मूल शब्द, वक्ता, भाव-स्थिति आ संकेत देखिकय उत्तर बनायब
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

२६. पदावली-साहित्यक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गीत, लय, संवाद, प्रेम, भक्ति आ लोकस्वरक संयुक्त काव्य-परम्परा
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

२७. पदावली-साहित्य पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गीत, लय, संवाद, प्रेम, भक्ति आ लोकस्वरक संयुक्त काव्य-परम्परा

२८. परीक्षामे पदावली-साहित्य पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीत, लय, संवाद, प्रेम, भक्ति आ लोकस्वरक संयुक्त काव्य-परम्परा
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२९. पदावली-साहित्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) गीत, लय, संवाद, प्रेम, भक्ति आ लोकस्वरक संयुक्त काव्य-परम्परा
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

३०. पदावली-साहित्यक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) गीत, लय, संवाद, प्रेम, भक्ति आ लोकस्वरक संयुक्त काव्य-परम्परा
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३१. मैथिली गेयताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पदक भीतर गायनयोग्यता, लय आ ध्वनि-सौन्दर्यक उपस्थिति

३२. मैथिली गेयता पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पदक भीतर गायनयोग्यता, लय आ ध्वनि-सौन्दर्यक उपस्थिति
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३३. परीक्षामे मैथिली गेयता पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) पदक भीतर गायनयोग्यता, लय आ ध्वनि-सौन्दर्यक उपस्थिति
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

३४. मैथिली गेयता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) पदक भीतर गायनयोग्यता, लय आ ध्वनि-सौन्दर्यक उपस्थिति
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३५. मैथिली गेयताक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) पदक भीतर गायनयोग्यता, लय आ ध्वनि-सौन्दर्यक उपस्थिति

३६. शृङ्गारिक पदक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) प्रेम, मिलन, विरह, मान, अनुराग आ सखी-संवादक काव्यात्मक रूप
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

३७. शृङ्गारिक पद पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, मिलन, विरह, मान, अनुराग आ सखी-संवादक काव्यात्मक रूप
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

३८. परीक्षामे शृङ्गारिक पद पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रेम, मिलन, विरह, मान, अनुराग आ सखी-संवादक काव्यात्मक रूप
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३९. शृङ्गारिक पद विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रेम, मिलन, विरह, मान, अनुराग आ सखी-संवादक काव्यात्मक रूप

४०. शृङ्गारिक पदक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) प्रेम, मिलन, विरह, मान, अनुराग आ सखी-संवादक काव्यात्मक रूप
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४१. भक्ति-संवेदनाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) मानवीय प्रेम आ दैवी भावक बीचक सांकेतिक आ भावात्मक सेतु
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

४२. भक्ति-संवेदना पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) मानवीय प्रेम आ दैवी भावक बीचक सांकेतिक आ भावात्मक सेतु
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४३. परीक्षामे भक्ति-संवेदना पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) मानवीय प्रेम आ दैवी भावक बीचक सांकेतिक आ भावात्मक सेतु

४४. भक्ति-संवेदना विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) मानवीय प्रेम आ दैवी भावक बीचक सांकेतिक आ भावात्मक सेतु
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४५. भक्ति-संवेदनाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) मानवीय प्रेम आ दैवी भावक बीचक सांकेतिक आ भावात्मक सेतु
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

४६. सखी-संवादक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) नायिका-मन, सन्देश, उलाहना आ मिलन-विरह बुझबाक प्रमुख साधन
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

४७. सखी-संवाद पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) नायिका-मन, सन्देश, उलाहना आ मिलन-विरह बुझबाक प्रमुख साधन

४८. परीक्षामे सखी-संवाद पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) नायिका-मन, सन्देश, उलाहना आ मिलन-विरह बुझबाक प्रमुख साधन
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४९. सखी-संवाद विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) नायिका-मन, सन्देश, उलाहना आ मिलन-विरह बुझबाक प्रमुख साधन
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

५०. सखी-संवादक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) नायिका-मन, सन्देश, उलाहना आ मिलन-विरह बुझबाक प्रमुख साधन
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५१. राधा-कृष्ण प्रसंगक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) मानवीय प्रेमकें आध्यात्मिक संकेत आ रसात्मक अनुभूतिक रूपमे देखनाइ

५२. राधा-कृष्ण प्रसंग पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) मानवीय प्रेमकें आध्यात्मिक संकेत आ रसात्मक अनुभूतिक रूपमे देखनाइ
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५३. परीक्षामे राधा-कृष्ण प्रसंग पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) मानवीय प्रेमकें आध्यात्मिक संकेत आ रसात्मक अनुभूतिक रूपमे देखनाइ
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

५४. राधा-कृष्ण प्रसंग विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) मानवीय प्रेमकें आध्यात्मिक संकेत आ रसात्मक अनुभूतिक रूपमे देखनाइ
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५५. राधा-कृष्ण प्रसंगक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) मानवीय प्रेमकें आध्यात्मिक संकेत आ रसात्मक अनुभूतिक रूपमे देखनाइ

५६. काव्यभाषाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) कोमल, लोकाभिमुख, ध्वन्यात्मक आ भावसघन मैथिली पद-भाषा
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

५७. काव्यभाषा पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) कोमल, लोकाभिमुख, ध्वन्यात्मक आ भावसघन मैथिली पद-भाषा
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

५८. परीक्षामे काव्यभाषा पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) कोमल, लोकाभिमुख, ध्वन्यात्मक आ भावसघन मैथिली पद-भाषा
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५९. काव्यभाषा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) कोमल, लोकाभिमुख, ध्वन्यात्मक आ भावसघन मैथिली पद-भाषा

६०. काव्यभाषाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कोमल, लोकाभिमुख, ध्वन्यात्मक आ भावसघन मैथिली पद-भाषा
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६१. बिम्ब-योजनाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, चन्द्र, मेघ आदि सँ भावक दृश्य रूप बनब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

६२. बिम्ब-योजना पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, चन्द्र, मेघ आदि सँ भावक दृश्य रूप बनब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६३. परीक्षामे बिम्ब-योजना पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, चन्द्र, मेघ आदि सँ भावक दृश्य रूप बनब

६४. बिम्ब-योजना विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, चन्द्र, मेघ आदि सँ भावक दृश्य रूप बनब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६५. बिम्ब-योजनाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, चन्द्र, मेघ आदि सँ भावक दृश्य रूप बनब
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

६६. रस-पहिचानक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) स्थायी भाव, स्थिति, संकेत आ पाठक अनुभूतिक सामूहिक परीक्षण
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

६७. रस-पहिचान पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) स्थायी भाव, स्थिति, संकेत आ पाठक अनुभूतिक सामूहिक परीक्षण

६८. परीक्षामे रस-पहिचान पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) स्थायी भाव, स्थिति, संकेत आ पाठक अनुभूतिक सामूहिक परीक्षण
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६९. रस-पहिचान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) स्थायी भाव, स्थिति, संकेत आ पाठक अनुभूतिक सामूहिक परीक्षण
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

७०. रस-पहिचानक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) स्थायी भाव, स्थिति, संकेत आ पाठक अनुभूतिक सामूहिक परीक्षण
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७१. नायिका-भावक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) मान, लाज, अभिसार, प्रतीक्षा, विरह आ मिलनक मनोवैज्ञानिक रूप

७२. नायिका-भाव पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) मान, लाज, अभिसार, प्रतीक्षा, विरह आ मिलनक मनोवैज्ञानिक रूप
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७३. परीक्षामे नायिका-भाव पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) मान, लाज, अभिसार, प्रतीक्षा, विरह आ मिलनक मनोवैज्ञानिक रूप
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

७४. नायिका-भाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) मान, लाज, अभिसार, प्रतीक्षा, विरह आ मिलनक मनोवैज्ञानिक रूप
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७५. नायिका-भावक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) मान, लाज, अभिसार, प्रतीक्षा, विरह आ मिलनक मनोवैज्ञानिक रूप

७६. वक्ता-पहिचानक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) कथन के करैत अछि, किनकासँ कहैत अछि, आ कोन भावमे कहैत अछि—एकर जाँच
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७७. वक्ता-पहिचान पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) कथन के करैत अछि, किनकासँ कहैत अछि, आ कोन भावमे कहैत अछि—एकर जाँच
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

७८. परीक्षामे वक्ता-पहिचान पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) कथन के करैत अछि, किनकासँ कहैत अछि, आ कोन भावमे कहैत अछि—एकर जाँच
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७९. वक्ता-पहिचान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) कथन के करैत अछि, किनकासँ कहैत अछि, आ कोन भावमे कहैत अछि—एकर जाँच

८०. वक्ता-पहिचानक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथन के करैत अछि, किनकासँ कहैत अछि, आ कोन भावमे कहैत अछि—एकर जाँच
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८१. छन्द आ लयक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतक गति, पुनरुक्ति, ध्वनि आ गायनयोग्य संरचनाक अध्ययन
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

८२. छन्द आ लय पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीतक गति, पुनरुक्ति, ध्वनि आ गायनयोग्य संरचनाक अध्ययन
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८३. परीक्षामे छन्द आ लय पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) गीतक गति, पुनरुक्ति, ध्वनि आ गायनयोग्य संरचनाक अध्ययन

८४. छन्द आ लय विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गीतक गति, पुनरुक्ति, ध्वनि आ गायनयोग्य संरचनाक अध्ययन
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८५. छन्द आ लयक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीतक गति, पुनरुक्ति, ध्वनि आ गायनयोग्य संरचनाक अध्ययन
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

८६. पाठ-भेदक सावधानीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) भिन्न पाठ/उच्चारण भेटलापर अर्थ, प्रसंग आ प्रामाणिकता सँ मिलान
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

८७. पाठ-भेदक सावधानी पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) भिन्न पाठ/उच्चारण भेटलापर अर्थ, प्रसंग आ प्रामाणिकता सँ मिलान

८८. परीक्षामे पाठ-भेदक सावधानी पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) भिन्न पाठ/उच्चारण भेटलापर अर्थ, प्रसंग आ प्रामाणिकता सँ मिलान
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८९. पाठ-भेदक सावधानी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) भिन्न पाठ/उच्चारण भेटलापर अर्थ, प्रसंग आ प्रामाणिकता सँ मिलान
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

९०. पाठ-भेदक सावधानीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) भिन्न पाठ/उच्चारण भेटलापर अर्थ, प्रसंग आ प्रामाणिकता सँ मिलान
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९१. परीक्षा-दृष्टिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गीतक सार, भाव, शिल्प, भाषा, रस आ आलोचनात्मक निष्कर्ष संतुलित लिखब

९२. परीक्षा-दृष्टि पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गीतक सार, भाव, शिल्प, भाषा, रस आ आलोचनात्मक निष्कर्ष संतुलित लिखब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९३. परीक्षामे परीक्षा-दृष्टि पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीतक सार, भाव, शिल्प, भाषा, रस आ आलोचनात्मक निष्कर्ष संतुलित लिखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

९४. परीक्षा-दृष्टि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) गीतक सार, भाव, शिल्प, भाषा, रस आ आलोचनात्मक निष्कर्ष संतुलित लिखब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९५. परीक्षा-दृष्टिक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीतक सार, भाव, शिल्प, भाषा, रस आ आलोचनात्मक निष्कर्ष संतुलित लिखब

९६. दीर्घ उद्धरणसँ बचावक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) छोट संकेत आ अपन विश्लेषणसँ उत्तर बनायब, पूरा गीत नकल नहि करब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

९७. दीर्घ उद्धरणसँ बचाव पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) छोट संकेत आ अपन विश्लेषणसँ उत्तर बनायब, पूरा गीत नकल नहि करब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

९८. परीक्षामे दीर्घ उद्धरणसँ बचाव पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) छोट संकेत आ अपन विश्लेषणसँ उत्तर बनायब, पूरा गीत नकल नहि करब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९९. दीर्घ उद्धरणसँ बचाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) छोट संकेत आ अपन विश्लेषणसँ उत्तर बनायब, पूरा गीत नकल नहि करब

१००. दीर्घ उद्धरणसँ बचावक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) छोट संकेत आ अपन विश्लेषणसँ उत्तर बनायब, पूरा गीत नकल नहि करब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

1

१०१. गीत संख्या १ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१०२. गीत संख्या १ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

१०३. गीत संख्या १ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१०४. गीत संख्या १ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

१०५. गीत संख्या १ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

१०६. गीत संख्या १ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

१०७. गीत संख्या १ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१०८. गीत संख्या १ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

१०९. गीत संख्या १ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

११०. गीत संख्या १ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

१११. गीत संख्या २ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

११२. गीत संख्या २ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

११३. गीत संख्या २ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

११४. गीत संख्या २ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

११५. गीत संख्या २ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

११६. गीत संख्या २ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

११७. गीत संख्या २ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

११८. गीत संख्या २ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

११९. गीत संख्या २ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

१२०. गीत संख्या २ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

१२१. गीत संख्या ३ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१२२. गीत संख्या ३ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

१२३. गीत संख्या ३ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१२४. गीत संख्या ३ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

१२५. गीत संख्या ३ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

१२६. गीत संख्या ३ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

१२७. गीत संख्या ३ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१२८. गीत संख्या ३ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

१२९. गीत संख्या ३ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

१३०. गीत संख्या ३ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब

१३१. गीत संख्या ४ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१३२. गीत संख्या ४ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

१३३. गीत संख्या ४ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१३४. गीत संख्या ४ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

१३५. गीत संख्या ४ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

१३६. गीत संख्या ४ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

१३७. गीत संख्या ४ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१३८. गीत संख्या ४ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

१३९. गीत संख्या ४ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

१४०. गीत संख्या ४ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

१४१. गीत संख्या ५ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१४२. गीत संख्या ५ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

१४३. गीत संख्या ५ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१४४. गीत संख्या ५ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

१४५. गीत संख्या ५ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

१४६. गीत संख्या ५ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

१४७. गीत संख्या ५ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१४८. गीत संख्या ५ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

१४९. गीत संख्या ५ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

१५०. गीत संख्या ५ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

१५१. गीत संख्या ६ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१५२. गीत संख्या ६ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

१५३. गीत संख्या ६ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१५४. गीत संख्या ६ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

१५५. गीत संख्या ६ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

१५६. गीत संख्या ६ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

१५७. गीत संख्या ६ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१५८. गीत संख्या ६ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

१५९. गीत संख्या ६ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

१६०. गीत संख्या ६ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

१६१. गीत संख्या ७ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१६२. गीत संख्या ७ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

१६३. गीत संख्या ७ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१६४. गीत संख्या ७ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

१६५. गीत संख्या ७ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

१६६. गीत संख्या ७ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

१६७. गीत संख्या ७ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१६८. गीत संख्या ७ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

१६९. गीत संख्या ७ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

१७०. गीत संख्या ७ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब

१७१. गीत संख्या ८ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१७२. गीत संख्या ८ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

१७३. गीत संख्या ८ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१७४. गीत संख्या ८ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

१७५. गीत संख्या ८ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

१७६. गीत संख्या ८ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

१७७. गीत संख्या ८ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१७८. गीत संख्या ८ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

१७९. गीत संख्या ८ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

१८०. गीत संख्या ८ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

१८१. गीत संख्या ९ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१८२. गीत संख्या ९ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

१८३. गीत संख्या ९ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१८४. गीत संख्या ९ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

१८५. गीत संख्या ९ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

१८६. गीत संख्या ९ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

१८७. गीत संख्या ९ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१८८. गीत संख्या ९ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

१८९. गीत संख्या ९ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

१९०. गीत संख्या ९ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

१९१. गीत संख्या १० मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१९२. गीत संख्या १० मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

१९३. गीत संख्या १० मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१९४. गीत संख्या १० मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

१९५. गीत संख्या १० मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

१९६. गीत संख्या १० मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

१९७. गीत संख्या १० मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१९८. गीत संख्या १० मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

१९९. गीत संख्या १० मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२००. गीत संख्या १० मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

२०१. गीत संख्या ११ में वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

२०२. गीत संख्या ११ में मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२०३. गीत संख्या ११ में सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

२०४. गीत संख्या ११ में राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

२०५. गीत संख्या ११ में मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

२०६. गीत संख्या ११ में भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२०७. गीत संख्या ११ में बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

२०८. गीत संख्या ११ में लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२०९. गीत संख्या ११ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

२१०. गीत संख्या ११ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२११. गीत संख्या १२ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

२१२. गीत संख्या १२ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२१३. गीत संख्या १२ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

२१४. गीत संख्या १२ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

२१५. गीत संख्या १२ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

२१६. गीत संख्या १२ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२१७. गीत संख्या १२ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

२१८. गीत संख्या १२ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२१९. गीत संख्या १२ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

२२०. गीत संख्या १२ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२२१. गीत संख्या १३ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

२२२. गीत संख्या १३ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२२३. गीत संख्या १३ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

२२४. गीत संख्या १३ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

२२५. गीत संख्या १३ में मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

२२६. गीत संख्या १३ में भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२२७. गीत संख्या १३ में बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

२२८. गीत संख्या १३ में लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२२९. गीत संख्या १३ में रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

२३०. गीत संख्या १३ में उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२३१. गीत संख्या १४ में वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

२३२. गीत संख्या १४ में मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२३३. गीत संख्या १४ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

२३४. गीत संख्या १४ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

२३५. गीत संख्या १४ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

२३६. गीत संख्या १४ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२३७. गीत संख्या १४ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

२३८. गीत संख्या १४ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२३९. गीत संख्या १४ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

२४०. गीत संख्या १४ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२४१. गीत संख्या १५ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

२४२. गीत संख्या १५ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२४३. गीत संख्या १५ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

२४४. गीत संख्या १५ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

२४५. गीत संख्या १५ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

२४६. गीत संख्या १५ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२४७. गीत संख्या १५ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

२४८. गीत संख्या १५ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२४९. गीत संख्या १५ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

२५०. गीत संख्या १५ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२५१. गीत संख्या १६ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

२५२. गीत संख्या १६ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२५३. गीत संख्या १६ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

२५४. गीत संख्या १६ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

२५५. गीत संख्या १६ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

२५६. गीत संख्या १६ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२५७. गीत संख्या १६ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

२५८. गीत संख्या १६ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२५९. गीत संख्या १६ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

२६०. गीत संख्या १६ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२६१. गीत संख्या १७ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

२६२. गीत संख्या १७ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२६३. गीत संख्या १७ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

२६४. गीत संख्या १७ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

२६५. गीत संख्या १७ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

२६६. गीत संख्या १७ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२६७. गीत संख्या १७ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

२६८. गीत संख्या १७ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२६९. गीत संख्या १७ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

२७०. गीत संख्या १७ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२७१. गीत संख्या १८ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

२७२. गीत संख्या १८ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२७३. गीत संख्या १८ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

२७४. गीत संख्या १८ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

२७५. गीत संख्या १८ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

२७६. गीत संख्या १८ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२७७. गीत संख्या १८ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

२७८. गीत संख्या १८ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२७९. गीत संख्या १८ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

२८०. गीत संख्या १८ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२८१. गीत संख्या १९ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

२८२. गीत संख्या १९ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२८३. गीत संख्या १९ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

२८४. गीत संख्या १९ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

२८५. गीत संख्या १९ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

२८६. गीत संख्या १९ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२८७. गीत संख्या १९ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

२८८. गीत संख्या १९ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२८९. गीत संख्या १९ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

२९०. गीत संख्या १९ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

२९१. गीत संख्या २० मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

२९२. गीत संख्या २० मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

२९३. गीत संख्या २० मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

२९४. गीत संख्या २० मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

२९५. गीत संख्या २० मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

२९६. गीत संख्या २० मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

२९७. गीत संख्या २० मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

२९८. गीत संख्या २० मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

२९९. गीत संख्या २० मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

३००. गीत संख्या २० मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

3

३०१. गीत संख्या २१ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३०२. गीत संख्या २१ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

३०३. गीत संख्या २१ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

३०४. गीत संख्या २१ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

३०५. गीत संख्या २१ में मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३०६. गीत संख्या २१ में भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

३०७. गीत संख्या २१ में बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३०८. गीत संख्या २१ में लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

३०९. गीत संख्या २१ में रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३१०. गीत संख्या २१ में उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

३११. गीत संख्या २२ में वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३१२. गीत संख्या २२ में मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

३१३. गीत संख्या २२ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

३१४. गीत संख्या २२ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

३१५. गीत संख्या २२ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३१६. गीत संख्या २२ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

३१७. गीत संख्या २२ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३१८. गीत संख्या २२ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

३१९. गीत संख्या २२ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३२०. गीत संख्या २२ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

३२१. गीत संख्या २३ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३२२. गीत संख्या २३ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

३२३. गीत संख्या २३ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

३२४. गीत संख्या २३ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

३२५. गीत संख्या २३ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३२६. गीत संख्या २३ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

३२७. गीत संख्या २३ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३२८. गीत संख्या २३ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

३२९. गीत संख्या २३ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३३०. गीत संख्या २३ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

३३१. गीत संख्या २४ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३३२. गीत संख्या २४ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

३३३. गीत संख्या २४ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

३३४. गीत संख्या २४ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

३३५. गीत संख्या २४ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३३६. गीत संख्या २४ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

३३७. गीत संख्या २४ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३३८. गीत संख्या २४ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

३३९. गीत संख्या २४ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३४०. गीत संख्या २४ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब

३४१. गीत संख्या २५ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३४२. गीत संख्या २५ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

३४३. गीत संख्या २५ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

३४४. गीत संख्या २५ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

३४५. गीत संख्या २५ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३४६. गीत संख्या २५ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

३४७. गीत संख्या २५ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३४८. गीत संख्या २५ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

३४९. गीत संख्या २५ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३५०. गीत संख्या २५ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

३५१. गीत संख्या २६ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३५२. गीत संख्या २६ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

३५३. गीत संख्या २६ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

३५४. गीत संख्या २६ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

३५५. गीत संख्या २६ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३५६. गीत संख्या २६ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

३५७. गीत संख्या २६ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३५८. गीत संख्या २६ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

३५९. गीत संख्या २६ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३६०. गीत संख्या २६ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

३६१. गीत संख्या २७ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३६२. गीत संख्या २७ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

३६३. गीत संख्या २७ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

३६४. गीत संख्या २७ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

३६५. गीत संख्या २७ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३६६. गीत संख्या २७ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

३६७. गीत संख्या २७ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३६८. गीत संख्या २७ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

३६९. गीत संख्या २७ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३७०. गीत संख्या २७ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

३७१. गीत संख्या २८ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३७२. गीत संख्या २८ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

३७३. गीत संख्या २८ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

३७४. गीत संख्या २८ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

३७५. गीत संख्या २८ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३७६. गीत संख्या २८ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

३७७. गीत संख्या २८ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३७८. गीत संख्या २८ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

३७९. गीत संख्या २८ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३८०. गीत संख्या २८ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब

३८१. गीत संख्या २९ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३८२. गीत संख्या २९ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

३८३. गीत संख्या २९ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

३८४. गीत संख्या २९ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

३८५. गीत संख्या २९ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३८६. गीत संख्या २९ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

३८७. गीत संख्या २९ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३८८. गीत संख्या २९ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

३८९. गीत संख्या २९ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

३९०. गीत संख्या २९ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

३९१. गीत संख्या ३० मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

३९२. गीत संख्या ३० मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

३९३. गीत संख्या ३० मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

३९४. गीत संख्या ३० मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

३९५. गीत संख्या ३० मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

३९६. गीत संख्या ३० मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

३९७. गीत संख्या ३० मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

३९८. गीत संख्या ३० मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

३९९. गीत संख्या ३० मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४००. गीत संख्या ३० मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

४०१. गीत संख्या ३१ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

४०२. गीत संख्या ३१ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

४०३. गीत संख्या ३१ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

४०४. गीत संख्या ३१ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४०५. गीत संख्या ३१ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

४०६. गीत संख्या ३१ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४०७. गीत संख्या ३१ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

४०८. गीत संख्या ३१ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४०९. गीत संख्या ३१ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

४१०. गीत संख्या ३१ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४११. गीत संख्या ३२ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

४१२. गीत संख्या ३२ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

४१३. गीत संख्या ३२ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

४१४. गीत संख्या ३२ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४१५. गीत संख्या ३२ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

४१६. गीत संख्या ३२ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४१७. गीत संख्या ३२ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

४१८. गीत संख्या ३२ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४१९. गीत संख्या ३२ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

४२०. गीत संख्या ३२ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४२१. गीत संख्या ३३ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

४२२. गीत संख्या ३३ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

४२३. गीत संख्या ३३ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

४२४. गीत संख्या ३३ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४२५. गीत संख्या ३३ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

४२६. गीत संख्या ३३ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४२७. गीत संख्या ३३ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

४२८. गीत संख्या ३३ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४२९. गीत संख्या ३३ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

४३०. गीत संख्या ३३ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४३१. गीत संख्या ३४ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

४३२. गीत संख्या ३४ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

४३३. गीत संख्या ३४ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

४३४. गीत संख्या ३४ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४३५. गीत संख्या ३४ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

४३६. गीत संख्या ३४ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४३७. गीत संख्या ३४ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

४३८. गीत संख्या ३४ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४३९. गीत संख्या ३४ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

४४०. गीत संख्या ३४ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४४१. गीत संख्या ३५ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

४४२. गीत संख्या ३५ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

४४३. गीत संख्या ३५ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

४४४. गीत संख्या ३५ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४४५. गीत संख्या ३५ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

४४६. गीत संख्या ३५ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४४७. गीत संख्या ३५ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

४४८. गीत संख्या ३५ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४४९. गीत संख्या ३५ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

४५०. गीत संख्या ३५ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४५१. गीत संख्या ३६ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

४५२. गीत संख्या ३६ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

४५३. गीत संख्या ३६ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

४५४. गीत संख्या ३६ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४५५. गीत संख्या ३६ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

४५६. गीत संख्या ३६ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४५७. गीत संख्या ३६ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

४५८. गीत संख्या ३६ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४५९. गीत संख्या ३६ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

४६०. गीत संख्या ३६ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४६१. गीत संख्या ३७ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

४६२. गीत संख्या ३७ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

४६३. गीत संख्या ३७ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

४६४. गीत संख्या ३७ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४६५. गीत संख्या ३७ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

४६६. गीत संख्या ३७ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४६७. गीत संख्या ३७ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

४६८. गीत संख्या ३७ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४६९. गीत संख्या ३७ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

४७०. गीत संख्या ३७ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४७१. गीत संख्या ३८ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

४७२. गीत संख्या ३८ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

४७३. गीत संख्या ३८ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

४७४. गीत संख्या ३८ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४७५. गीत संख्या ३८ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

४७६. गीत संख्या ३८ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४७७. गीत संख्या ३८ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

४७८. गीत संख्या ३८ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४७९. गीत संख्या ३८ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

४८०. गीत संख्या ३८ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४८१. गीत संख्या ३९ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

४८२. गीत संख्या ३९ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

४८३. गीत संख्या ३९ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब

४८४. गीत संख्या ३९ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४८५. गीत संख्या ३९ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

४८६. गीत संख्या ३९ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४८७. गीत संख्या ३९ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब

४८८. गीत संख्या ३९ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४८९. गीत संख्या ३९ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

४९०. गीत संख्या ३९ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

४९१. गीत संख्या ४० मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब

४९२. गीत संख्या ४० मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

४९३. गीत संख्या ४० मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

४९४. गीत संख्या ४० मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

४९५. गीत संख्या ४० मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब

४९६. गीत संख्या ४० मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

४९७. गीत संख्या ४० मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

४९८. गीत संख्या ४० मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

४९९. गीत संख्या ४० मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब

५००. गीत संख्या ४० मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

5

५०१. गीत संख्या ४१ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

५०२. गीत संख्या ४१ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

५०३. गीत संख्या ४१ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५०४. गीत संख्या ४१ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

५०५. गीत संख्या ४१ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५०६. गीत संख्या ४१ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

५०७. गीत संख्या ४१ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५०८. गीत संख्या ४१ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

५०९. गीत संख्या ४१ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५१०. गीत संख्या ४१ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

५११. गीत संख्या ४२ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

५१२. गीत संख्या ४२ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

५१३. गीत संख्या ४२ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५१४. गीत संख्या ४२ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

५१५. गीत संख्या ४२ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५१६. गीत संख्या ४२ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

५१७. गीत संख्या ४२ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५१८. गीत संख्या ४२ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

५१९. गीत संख्या ४२ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५२०. गीत संख्या ४२ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

५२१. गीत संख्या ४३ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

५२२. गीत संख्या ४३ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

५२३. गीत संख्या ४३ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५२४. गीत संख्या ४३ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

५२५. गीत संख्या ४३ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५२६. गीत संख्या ४३ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

५२७. गीत संख्या ४३ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५२८. गीत संख्या ४३ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

५२९. गीत संख्या ४३ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५३०. गीत संख्या ४३ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

५३१. गीत संख्या ४४ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

५३२. गीत संख्या ४४ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

५३३. गीत संख्या ४४ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५३४. गीत संख्या ४४ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

५३५. गीत संख्या ४४ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५३६. गीत संख्या ४४ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

५३७. गीत संख्या ४४ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५३८. गीत संख्या ४४ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

५३९. गीत संख्या ४४ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५४०. गीत संख्या ४४ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

५४१. गीत संख्या ४५ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

५४२. गीत संख्या ४५ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

५४३. गीत संख्या ४५ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५४४. गीत संख्या ४५ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

५४५. गीत संख्या ४५ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५४६. गीत संख्या ४५ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

५४७. गीत संख्या ४५ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५४८. गीत संख्या ४५ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

५४९. गीत संख्या ४५ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५५०. गीत संख्या ४५ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

५५१. गीत संख्या ४६ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

५५२. गीत संख्या ४६ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

५५३. गीत संख्या ४६ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५५४. गीत संख्या ४६ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

५५५. गीत संख्या ४६ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५५६. गीत संख्या ४६ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

५५७. गीत संख्या ४६ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५५८. गीत संख्या ४६ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

५५९. गीत संख्या ४६ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५६०. गीत संख्या ४६ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

५६१. गीत संख्या ४७ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

५६२. गीत संख्या ४७ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

५६३. गीत संख्या ४७ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५६४. गीत संख्या ४७ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

५६५. गीत संख्या ४७ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५६६. गीत संख्या ४७ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

५६७. गीत संख्या ४७ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५६८. गीत संख्या ४७ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

५६९. गीत संख्या ४७ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५७०. गीत संख्या ४७ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब

५७१. गीत संख्या ४८ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

५७२. गीत संख्या ४८ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

५७३. गीत संख्या ४८ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५७४. गीत संख्या ४८ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

५७५. गीत संख्या ४८ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप कें शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५७६. गीत संख्या ४८ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

५७७. गीत संख्या ४८ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५७८. गीत संख्या ४८ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

५७९. गीत संख्या ४८ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५८०. गीत संख्या ४८ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी कें संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

५८१. गीत संख्या ४९ मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

५८२. गीत संख्या ४९ मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब

५८३. गीत संख्या ४९ मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५८४. गीत संख्या ४९ मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रेम-लीलाकें रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

५८५. गीत संख्या ४९ मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५८६. गीत संख्या ४९ मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब

५८७. गीत संख्या ४९ मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५८८. गीत संख्या ४९ मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

५८९. गीत संख्या ४९ मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

५९०. गीत संख्या ४९ मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब

५९१. गीत संख्या ५० मे वक्ता-पहिचान समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधित पात्र, भाव-स्थिति आ कथनक दिशा एक संग देखब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

५९२. गीत संख्या ५० मे मुख्य भाव समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) गीतमे प्रमुख भाव, सहायक भाव आ भाव-परिवर्तनक क्रम चिन्हब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

५९३. गीत संख्या ५० मे सखी-संवाद समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सखी/दूती/सम्बोधनक भूमिका सँ नायिका-मनक गहिराई बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

५९४. गीत संख्या ५० मे राधा-कृष्ण संकेत समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रेम-लीलाकेँ रस, प्रतीक आ आध्यात्मिक संकेतक स्तर पर पढ़ब

५९५. गीत संख्या ५० मे मिलन-विरह समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) मिलनक उल्लास वा विरहक ताप केँ शब्द, लय आ बिम्बसँ प्रमाणित करब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

५९६. गीत संख्या ५० मे भाषा-स्वर समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) सरल मैथिली शब्द, ध्वनि-सौन्दर्य आ बोलचालक काव्यात्मक रूप देखब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

५९७. गीत संख्या ५० मे बिम्ब-योजना समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) प्रकृति, देह, ऋतु, नयन, रात्रि, चन्द्र आदि बिम्बक भाव-कार्य बुझब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

५९८. गीत संख्या ५० मे लयात्मकता समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) पुनरुक्ति, गति, स्वर-संयोजन आ गायनयोग्य संरचना चिन्हब

५९९. गीत संख्या ५० मे रस-निष्कर्ष समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव आ संचारी संकेतसँ रसक निष्कर्ष देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६००. गीत संख्या ५० मे उत्तर-लेखन समझबाक लेल सही उपाय कोन अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) गीत-सार, भाव, शिल्प आ आलोचनात्मक टिप्पणी केँ संक्षेपमे संतुलित लिखब
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

६०१. राधा-स्वरक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) नायिका-कथनक भीतर मान, लाज, चाह, विरह आ आत्म-स्वीकृतिक स्वर

६०२. राधा-स्वर पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) नायिका-कथनक भीतर मान, लाज, चाह, विरह आ आत्म-स्वीकृतिक स्वर
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६०३. परीक्षामे राधा-स्वर पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) नायिका-कथनक भीतर मान, लाज, चाह, विरह आ आत्म-स्वीकृतिक स्वर
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

६०४. राधा-स्वर विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) नायिका-कथनक भीतर मान, लाज, चाह, विरह आ आत्म-स्वीकृतिक स्वर
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६०५. राधा-स्वरक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) नायिका-कथनक भीतर मान, लाज, चाह, विरह आ आत्म-स्वीकृतिक स्वर

६०६. कृष्ण-स्वरूपक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) प्रियतम, लीला-पुरुष, रसक केन्द्र आ भाव-परिवर्तनक प्रेरक रूप
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६०७. कृष्ण-स्वरूप पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) प्रियतम, लीला-पुरुष, रसक केन्द्र आ भाव-परिवर्तनक प्रेरक रूप
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

६०८. परीक्षामे कृष्ण-स्वरूप पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) प्रियतम, लीला-पुरुष, रसक केन्द्र आ भाव-परिवर्तनक प्रेरक रूप
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६०९. कृष्ण-स्वरूप विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रियतम, लीला-पुरुष, रसक केन्द्र आ भाव-परिवर्तनक प्रेरक रूप

६१०. कृष्ण-स्वरूपक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) प्रियतम, लीला-पुरुष, रसक केन्द्र आ भाव-परिवर्तनक प्रेरक रूप
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

६११. सखीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) संवाद, सन्देश, समझौता, उलाहना आ मनोभावक अनुवादक पात्र
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

६१२. सखी पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) संवाद, सन्देश, समझौता, उलाहना आ मनोभावक अनुवादक पात्र
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६१३. परीक्षामे सखी पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) संवाद, सन्देश, समझौता, उलाहना आ मनोभावक अनुवादक पात्र

६१४. सखी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) संवाद, सन्देश, समझौता, उलाहना आ मनोभावक अनुवादक पात्र
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६१५. सखीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) संवाद, सन्देश, समझौता, उलाहना आ मनोभावक अनुवादक पात्र
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

६१६. मानक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) प्रेमक भीतर स्वाभिमान, उलाहना, रोष आ पुनः-संयोगक सम्भावना
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६१७. मान पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) प्रेमक भीतर स्वाभिमान, उलाहना, रोष आ पुनः-संयोगक सम्भावना

६१८. परीक्षामे मान पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रेमक भीतर स्वाभिमान, उलाहना, रोष आ पुनः-संयोगक सम्भावना
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६१९. मान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) प्रेमक भीतर स्वाभिमान, उलाहना, रोष आ पुनः-संयोगक सम्भावना
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

६२०. मानक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) प्रेमक भीतर स्वाभिमान, उलाहना, रोष आ पुनः-संयोगक सम्भावना
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

६२१. अभिसारक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) प्रिय-भेट लेल सामाजिक-बाह्य बाधा पार करबाक भाव-यात्रा

६२२. अभिसार पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) प्रिय-भेट लेल सामाजिक-बाह्य बाधा पार करबाक भाव-यात्रा
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६२३. परीक्षामे अभिसार पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रिय-भेट लेल सामाजिक-बाह्य बाधा पार करबाक भाव-यात्रा
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

६२४. अभिसार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) प्रिय-भेट लेल सामाजिक-बाह्य बाधा पार करबाक भाव-यात्रा
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६२५. अभिसारक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) प्रिय-भेट लेल सामाजिक-बाह्य बाधा पार करबाक भाव-यात्रा

६२६. विरहक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) अनुपस्थिति सँ जन्मल स्मृति, ताप, बेचैनी आ भावक तीव्रता
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६२७. विरह पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) अनुपस्थिति सँ जन्मल स्मृति, ताप, बेचैनी आ भावक तीव्रता
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

६२८. परीक्षामे विरह पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) अनुपस्थिति सँ जन्मल स्मृति, ताप, बेचैनी आ भावक तीव्रता
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६२९. विरह विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) अनुपस्थिति सँ जन्मल स्मृति, ताप, बेचैनी आ भावक तीव्रता

६३०. विरहक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) अनुपस्थिति सँ जन्मल स्मृति, ताप, बेचैनी आ भावक तीव्रता
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

६३१. मिलनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) विरह-ताप बादक आनन्द, संकोच आ रसात्मक समाधान
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

६३२. मिलन पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) विरह-ताप बादक आनन्द, संकोच आ रसात्मक समाधान
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६३३. परीक्षामे मिलन पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) विरह-ताप बादक आनन्द, संकोच आ रसात्मक समाधान

६३४. मिलन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) विरह-ताप बादक आनन्द, संकोच आ रसात्मक समाधान
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६३५. मिलनक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) विरह-ताप बादक आनन्द, संकोच आ रसात्मक समाधान
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

६३६. लाजक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) प्रेमक सूक्ष्म मनोवृत्ति, जकरा सँ कथनमे संकेत आ आवरण अबैत अछि
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६३७. लाज पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) प्रेमक सूक्ष्म मनोवृत्ति, जकरा सँ कथनमे संकेत आ आवरण अबैत अछि

६३८. परीक्षामे लाज पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रेमक सूक्ष्म मनोवृत्ति, जकरा सँ कथनमे संकेत आ आवरण अबैत अछि
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६३९. लाज विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) प्रेमक सूक्ष्म मनोवृत्ति, जकरा सँ कथनमे संकेत आ आवरण अबैत अछि
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

६४०. लाजक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) प्रेमक सूक्ष्म मनोवृत्ति, जकरा सँ कथनमे संकेत आ आवरण अबैत अछि
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

६४१. उलाहनाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) प्रियक उपेक्षा वा देरी पर प्रेमसँ भरल शिकायतक काव्यात्मक रूप

६४२. उलाहना पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) प्रियक उपेक्षा वा देरी पर प्रेमसँ भरल शिकायतक काव्यात्मक रूप
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६४३. परीक्षामे उलाहना पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रियक उपेक्षा वा देरी पर प्रेमसँ भरल शिकायतक काव्यात्मक रूप
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

६४४. उलाहना विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) प्रियक उपेक्षा वा देरी पर प्रेमसँ भरल शिकायतक काव्यात्मक रूप
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६४५. उलाहनाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) प्रियक उपेक्षा वा देरी पर प्रेमसँ भरल शिकायतक काव्यात्मक रूप

६४६. अनुरागक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) स्थायी प्रेम, स्मृति आ आकांक्षाक मधुर दृढ़ता
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६४७. अनुराग पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) स्थायी प्रेम, स्मृति आ आकांक्षाक मधुर दृढ़ता
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

६४८. परीक्षामे अनुराग पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) स्थायी प्रेम, स्मृति आ आकांक्षाक मधुर दृढ़ता
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६४९. अनुराग विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) स्थायी प्रेम, स्मृति आ आकांक्षाक मधुर दृढ़ता

६५०. अनुरागक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) स्थायी प्रेम, स्मृति आ आकांक्षाक मधुर दृढ़ता
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

६५१. यौवन-बिम्बक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) देह-सौन्दर्यकें केवल वर्णन नहि, भाव-ऊर्जा आ रसक संकेत रूपमे देखनाइ
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

६५२. यौवन-बिम्ब पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) देह-सौन्दर्यकें केवल वर्णन नहि, भाव-ऊर्जा आ रसक संकेत रूपमे देखनाइ
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६५३. परीक्षामे यौवन-बिम्ब पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) देह-सौन्दर्यकें केवल वर्णन नहि, भाव-ऊर्जा आ रसक संकेत रूपमे देखनाइ

६५४. यौवन-बिम्ब विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) देह-सौन्दर्यकें केवल वर्णन नहि, भाव-ऊर्जा आ रसक संकेत रूपमे देखनाइ
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६५५. यौवन-बिम्बक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) देह-सौन्दर्यकें केवल वर्णन नहि, भाव-ऊर्जा आ रसक संकेत रूपमे देखनाइ
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

६५६. नयन-बिम्बक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) दृष्टि, संकेत, आकांक्षा, लाज आ पीड़ाक सूक्ष्म केन्द्र
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६५७. नयन-बिम्ब पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) दृष्टि, संकेत, आकांक्षा, लाज आ पीड़ाक सूक्ष्म केन्द्र

६५८. परीक्षामे नयन-बिम्ब पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) दृष्टि, संकेत, आकांक्षा, लाज आ पीड़ाक सूक्ष्म केन्द्र
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६५९. नयन-बिम्ब विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) दृष्टि, संकेत, आकांक्षा, लाज आ पीड़ाक सूक्ष्म केन्द्र
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

६६०. नयन-बिम्बक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) दृष्टि, संकेत, आकांक्षा, लाज आ पीड़ाक सूक्ष्म केन्द्र
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

६६१. रात्रि-प्रसंगक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गोपनता, प्रतीक्षा, अभिसार आ मनक बेचैनीक वातावरण

६६२. रात्रि-प्रसंग पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गोपनता, प्रतीक्षा, अभिसार आ मनक बेचैनीक वातावरण
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६६३. परीक्षामे रात्रि-प्रसंग पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) गोपनता, प्रतीक्षा, अभिसार आ मनक बेचैनीक वातावरण
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

६६४. रात्रि-प्रसंग विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) गोपनता, प्रतीक्षा, अभिसार आ मनक बेचैनीक वातावरण
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६६५. रात्रि-प्रसंगक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गोपनता, प्रतीक्षा, अभिसार आ मनक बेचैनीक वातावरण

६६६. ऋतु-संकेतक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) प्रकृति-परिवर्तन द्वारा प्रेम-भावक तीव्रता वा विस्तार
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६६७. ऋतु-संकेत पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) प्रकृति-परिवर्तन द्वारा प्रेम-भावक तीव्रता वा विस्तार
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

६६८. परीक्षामे ऋतु-संकेत पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) प्रकृति-परिवर्तन द्वारा प्रेम-भावक तीव्रता वा विस्तार
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६६९. ऋतु-संकेत विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रकृति-परिवर्तन द्वारा प्रेम-भावक तीव्रता वा विस्तार

६७०. ऋतु-संकेतक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) प्रकृति-परिवर्तन द्वारा प्रेम-भावक तीव्रता वा विस्तार
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

६७१. दूती-परम्पराक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेमी-प्रेमिकाक बीच सन्देश, सलाह आ सम्बन्ध-साधनक काव्य-भूमिका
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

६७२. दूती-परम्परा पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रेमी-प्रेमिकाक बीच सन्देश, सलाह आ सम्बन्ध-साधनक काव्य-भूमिका
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६७३. परीक्षामे दूती-परम्परा पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रेमी-प्रेमिकाक बीच सन्देश, सलाह आ सम्बन्ध-साधनक काव्य-भूमिका

६७४. दूती-परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रेमी-प्रेमिकाक बीच सन्देश, सलाह आ सम्बन्ध-साधनक काव्य-भूमिका
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६७५. दूती-परम्पराक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) प्रेमी-प्रेमिकाक बीच सन्देश, सलाह आ सम्बन्ध-साधनक काव्य-भूमिका
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

६७६. नाटकीयताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीतमे कथन, प्रतिक्रिया, दृश्य आ तनावक नाटकीय संयोजन
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६७७. नाटकीयता पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) गीतमे कथन, प्रतिक्रिया, दृश्य आ तनावक नाटकीय संयोजन

६७८. परीक्षामे नाटकीयता पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीतमे कथन, प्रतिक्रिया, दृश्य आ तनावक नाटकीय संयोजन
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६७९. नाटकीयता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीतमे कथन, प्रतिक्रिया, दृश्य आ तनावक नाटकीय संयोजन
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

६८०. नाटकीयताक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गीतमे कथन, प्रतिक्रिया, दृश्य आ तनावक नाटकीय संयोजन
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

६८१. मनोवैज्ञानिकताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) बाहरी घटना सँ बेसी भीतरी भाव-तरंगक सूक्ष्म चित्रण

६८२. मनोवैज्ञानिकता पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) बाहरी घटना सँ बेसी भीतरी भाव-तरंगक सूक्ष्म चित्रण
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६८३. परीक्षामे मनोवैज्ञानिकता पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) बाहरी घटना सँ बेसी भीतरी भाव-तरंगक सूक्ष्म चित्रण
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

६८४. मनोवैज्ञानिकता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) बाहरी घटना सँ बेसी भीतरी भाव-तरंगक सूक्ष्म चित्रण
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६८५. मनोवैज्ञानिकताक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) बाहरी घटना सँ बेसी भीतरी भाव-तरंगक सूक्ष्म चित्रण

६८६. लोक-सम्बोधनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) सखी, माई, प्रिय आदि सम्बोधनसँ पदक आत्मीयता बढ़ब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६८७. लोक-सम्बोधन पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) सखी, माई, प्रिय आदि सम्बोधनसँ पदक आत्मीयता बढ़ब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

६८८. परीक्षामे लोक-सम्बोधन पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) सखी, माई, प्रिय आदि सम्बोधनसँ पदक आत्मीयता बढ़ब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६८९. लोक-सम्बोधन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) सखी, माई, प्रिय आदि सम्बोधनसँ पदक आत्मीयता बढ़ब

६९०. लोक-सम्बोधनक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) सखी, माई, प्रिय आदि सम्बोधनसँ पदक आत्मीयता बढ़ब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

६९१. स्त्री-अनुभवक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) नायिका-स्वरमे स्त्री-मनक जटिलता, संवेदना आ आत्म-भाषा
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

६९२. स्त्री-अनुभव पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) नायिका-स्वरमे स्त्री-मनक जटिलता, संवेदना आ आत्म-भाषा
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

६९३. परीक्षामे स्त्री-अनुभव पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) नायिका-स्वरमे स्त्री-मनक जटिलता, संवेदना आ आत्म-भाषा

६९४. स्त्री-अनुभव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) नायिका-स्वरमे स्त्री-मनक जटिलता, संवेदना आ आत्म-भाषा
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

६९५. स्त्री-अनुभवक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) नायिका-स्वरमे स्त्री-मनक जटिलता, संवेदना आ आत्म-भाषा
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

६९६. रस-संतुलनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) शृङ्गार, करुण, हास्य-रेखा आ भक्ति-संकेतक संतुलित उपस्थिति
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

६९७. रस-संतुलन पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) शृङ्गार, करुण, हास्य-रेखा आ भक्ति-संकेतक संतुलित उपस्थिति

६९८. परीक्षामे रस-संतुलन पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) शृङ्गार, करुण, हास्य-रेखा आ भक्ति-संकेतक संतुलित उपस्थिति
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

६९९. रस-संतुलन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) शृङ्गार, करुण, हास्य-रेखा आ भक्ति-संकेतक संतुलित उपस्थिति
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

७००. रस-संतुलनक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) शृङ्गार, करुण, हास्य-रेखा आ भक्ति-संकेतक संतुलित उपस्थिति
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

7

७०१. मैथिली पद-भाषाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोक-प्रचलित शब्द, कोमल ध्वनि आ काव्यगत सघनताक संगम
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७०२. मैथिली पद-भाषा पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) लोक-प्रचलित शब्द, कोमल ध्वनि आ काव्यगत सघनताक संगम
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

७०३. परीक्षामे मैथिली पद-भाषा पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) लोक-प्रचलित शब्द, कोमल ध्वनि आ काव्यगत सघनताक संगम
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७०४. मैथिली पद-भाषा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) लोक-प्रचलित शब्द, कोमल ध्वनि आ काव्यगत सघनताक संगम

७०५. मैथिली पद-भाषाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) लोक-प्रचलित शब्द, कोमल ध्वनि आ काव्यगत सघनताक संगम
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७०६. ध्वनि-सौन्दर्यक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) स्वर, अनुप्रास, पुनरुक्ति आ लय सँ अर्थक भावात्मक विस्तार
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

७०७. ध्वनि-सौन्दर्य पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) स्वर, अनुप्रास, पुनरुक्ति आ लय सँ अर्थक भावात्मक विस्तार
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७०८. परीक्षामे ध्वनि-सौन्दर्य पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) स्वर, अनुप्रास, पुनरुक्ति आ लय सँ अर्थक भावात्मक विस्तार

७०९. ध्वनि-सौन्दर्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) स्वर, अनुप्रास, पुनरुक्ति आ लय सँ अर्थक भावात्मक विस्तार
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

७१०. ध्वनि-सौन्दर्यक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) स्वर, अनुप्रास, पुनरुक्ति आ लय सँ अर्थक भावात्मक विस्तार
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

७११. छन्द-संरचनाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) गायनयोग्य गति, पंक्ति-विन्यास आ तालात्मक प्रवाह
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७१२. छन्द-संरचना पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गायनयोग्य गति, पंक्ति-विन्यास आ तालात्मक प्रवाह

७१३. परीक्षामे छन्द-संरचना पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गायनयोग्य गति, पंक्ति-विन्यास आ तालात्मक प्रवाह
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७१४. छन्द-संरचना विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गायनयोग्य गति, पंक्ति-विन्यास आ तालात्मक प्रवाह
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

७१५. छन्द-संरचनाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गायनयोग्य गति, पंक्ति-विन्यास आ तालात्मक प्रवाह
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७१६. पुनरुक्ति मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) भाव-तीव्रता, स्मरणीयता आ संगीतात्मकता बढ़ेबाक साधन

७१७. पुनरुक्ति पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) भाव-तीव्रता, स्मरणीयता आ संगीतात्मकता बढ़ेबाक साधन
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७१८. परीक्षामे पुनरुक्ति पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) भाव-तीव्रता, स्मरणीयता आ संगीतात्मकता बढ़ेबाक साधन
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

७१९. पुनरुक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) भाव-तीव्रता, स्मरणीयता आ संगीतात्मकता बढ़ेबाक साधन
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७२०. पुनरुक्ति प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) भाव-तीव्रता, स्मरणीयता आ संगीतात्मकता बढ़ेबाक साधन

७२१. उपमाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) एक भाव वा रूपकेँ दोसरा दृश्य द्वारा उजागर करबाक अलङ्कारिक उपाय
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७२२. उपमा पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) एक भाव वा रूपकेँ दोसरा दृश्य द्वारा उजागर करबाक अलङ्कारिक उपाय
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

७२३. परीक्षामे उपमा पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) एक भाव वा रूपकेँ दोसरा दृश्य द्वारा उजागर करबाक अलङ्कारिक उपाय
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७२४. उपमा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) एक भाव वा रूपकेँ दोसरा दृश्य द्वारा उजागर करबाक अलङ्कारिक उपाय

७२५. उपमाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) एक भाव वा रूपकेँ दोसरा दृश्य द्वारा उजागर करबाक अलङ्कारिक उपाय
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७२६. रूपकक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) दुइ वस्तुक गहिर समानता सँ भावक संक्षिप्त आ प्रभावशाली प्रस्तुति
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

७२७. रूपक पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) दुइ वस्तुक गहिर समानता सँ भावक संक्षिप्त आ प्रभावशाली प्रस्तुति
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७२८. परीक्षामे रूपक पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) दुइ वस्तुक गहिर समानता सँ भावक संक्षिप्त आ प्रभावशाली प्रस्तुति

७२९. रूपक विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) दुइ वस्तुक गहिर समानता सँ भावक संक्षिप्त आ प्रभावशाली प्रस्तुति
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७३०. रूपकक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) दुइ वस्तुक गहिर समानता सँ भावक संक्षिप्त आ प्रभावशाली प्रस्तुति
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

७३१. अनुप्रासक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्तिसँ पदक श्रव्य सौन्दर्य
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७३२. अनुप्रास पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्तिसँ पदक श्रव्य सौन्दर्य

७३३. परीक्षामे अनुप्रास पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्तिसँ पदक श्रव्य सौन्दर्य
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७३४. अनुप्रास विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्तिसँ पदक श्रव्य सौन्दर्य
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

७३५. अनुप्रासक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्तिसँ पदक श्रव्य सौन्दर्य
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७३६. लोक-बिम्बक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) गाम-घर, ऋतु, प्रकृति आ दैनन्दिन अनुभवसँ भावक निकटता

७३७. लोक-बिम्ब पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गाम-घर, ऋतु, प्रकृति आ दैनन्दिन अनुभवसँ भावक निकटता
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७३८. परीक्षामे लोक-बिम्ब पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) गाम-घर, ऋतु, प्रकृति आ दैनन्दिन अनुभवसँ भावक निकटता
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

७३९. लोक-बिम्ब विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गाम-घर, ऋतु, प्रकृति आ दैनन्दिन अनुभवसँ भावक निकटता
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७४०. लोक-बिम्बक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गाम-घर, ऋतु, प्रकृति आ दैनन्दिन अनुभवसँ भावक निकटता

७४१. प्रकृति-बिम्बक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) मेघ, चन्द्र, फूल, नदी, पवन आदि सँ मनःस्थितिक दृश्यांकन
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७४२. प्रकृति-बिम्ब पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) मेघ, चन्द्र, फूल, नदी, पवन आदि सँ मनःस्थितिक दृश्यांकन
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

७४३. परीक्षामे प्रकृति-बिम्ब पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) मेघ, चन्द्र, फूल, नदी, पवन आदि सँ मनःस्थितिक दृश्यांकन
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७४४. प्रकृति-बिम्ब विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) मेघ, चन्द्र, फूल, नदी, पवन आदि सँ मनःस्थितिक दृश्यांकन

७४५. प्रकृति-बिम्बक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) मेघ, चन्द्र, फूल, नदी, पवन आदि सँ मनःस्थितिक दृश्यांकन
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७४६. देह-बिम्बक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) देह-वर्णनकें भाव, लाज, चाह आ रसक संकेत रूपमे पढ़नाइ
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

७४७. देह-बिम्ब पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) देह-वर्णनकें भाव, लाज, चाह आ रसक संकेत रूपमे पढ़नाइ
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७४८. परीक्षामे देह-बिम्ब पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) देह-वर्णनकें भाव, लाज, चाह आ रसक संकेत रूपमे पढ़नाइ

७४९. देह-बिम्ब विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) देह-वर्णनकें भाव, लाज, चाह आ रसक संकेत रूपमे पढ़नाइ
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

७५०. देह-बिम्बक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) देह-वर्णनकें भाव, लाज, चाह आ रसक संकेत रूपमे पढ़नाइ
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

७५१. संकेत-भाषाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) सीधा कथन छोड़ि इशारा, प्रतीक आ आवरणसँ भाव कहनाइ
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७५२. संकेत-भाषा पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) सीधा कथन छोड़ि इशारा, प्रतीक आ आवरणसँ भाव कहनाइ

७५३. परीक्षामे संकेत-भाषा पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) सीधा कथन छोड़ि इशारा, प्रतीक आ आवरणसँ भाव कहनाइ
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७५४. संकेत-भाषा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) सीधा कथन छोड़ि इशारा, प्रतीक आ आवरणसँ भाव कहनाइ
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

७५५. संकेत-भाषाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) सीधा कथन छोड़ि इशारा, प्रतीक आ आवरणसँ भाव कहनाइ
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७५६. कथन-संक्षिप्तताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) थोर शब्दमे गहिर भाव, दृश्य आ मनोविज्ञानक प्रस्तुति

७५७. कथन-संक्षिप्तता पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) थोर शब्दमे गहिर भाव, दृश्य आ मनोविज्ञानक प्रस्तुति
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७५८. परीक्षामे कथन-संक्षिप्तता पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) थोर शब्दमे गहिर भाव, दृश्य आ मनोविज्ञानक प्रस्तुति
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

७५९. कथन-संक्षिप्तता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) थोर शब्दमे गहिर भाव, दृश्य आ मनोविज्ञानक प्रस्तुति
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७६०. कथन-संक्षिप्तताक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) थोर शब्दमे गहिर भाव, दृश्य आ मनोविज्ञानक प्रस्तुति

७६१. संगीतात्मकताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पदक एहन बनावट जे गाओल जाइ सकैत अछि आ स्मृतिमे बसैत अछि
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७६२. संगीतात्मकता पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) पदक एहन बनावट जे गाओल जाइ सकैत अछि आ स्मृतिमे बसैत अछि
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

७६३. परीक्षामे संगीतात्मकता पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) पदक एहन बनावट जे गाओल जाइ सकैत अछि आ स्मृतिमे बसैत अछि
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७६४. संगीतात्मकता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पदक एहन बनावट जे गाओल जाइ सकैत अछि आ स्मृतिमे बसैत अछि

७६५. संगीतात्मकताक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पदक एहन बनावट जे गाओल जाइ सकैत अछि आ स्मृतिमे बसैत अछि
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७६६. राग-भाव सम्बन्धक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गायनक सुर-व्यवस्था भावक रंग आ तीव्रता बदलैत अछि
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

७६७. राग-भाव सम्बन्ध पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गायनक सुर-व्यवस्था भावक रंग आ तीव्रता बदलैत अछि
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७६८. परीक्षामे राग-भाव सम्बन्ध पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) गायनक सुर-व्यवस्था भावक रंग आ तीव्रता बदलैत अछि

७६९. राग-भाव सम्बन्ध विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गायनक सुर-व्यवस्था भावक रंग आ तीव्रता बदलैत अछि
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७७०. राग-भाव सम्बन्धक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) गायनक सुर-व्यवस्था भावक रंग आ तीव्रता बदलैत अछि
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

७७१. ताल-गतिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) गीतक चलन, विराम आ पुनरावृत्तिसँ भावक नाटकीयता
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७७२. ताल-गति पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतक चलन, विराम आ पुनरावृत्तिसँ भावक नाटकीयता

७७३. परीक्षामे ताल-गति पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीतक चलन, विराम आ पुनरावृत्तिसँ भावक नाटकीयता
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७७४. ताल-गति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतक चलन, विराम आ पुनरावृत्तिसँ भावक नाटकीयता
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

७७५. ताल-गतिक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीतक चलन, विराम आ पुनरावृत्तिसँ भावक नाटकीयता
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७७६. सम्बोधन शैलीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) सखी, कान्ह, माधव, प्रिय आदि शब्दसँ सम्बन्ध आ भावक खुलासा

७७७. सम्बोधन शैली पढ़ते/समझते कोन बात मुख्य राखब?

- (A) सखी, कान्ह, माधव, प्रिय आदि शब्दसँ सम्बन्ध आ भावक खुलासा
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७७८. परीक्षामे सम्बोधन शैली पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) सखी, कान्ह, माधव, प्रिय आदि शब्दसँ सम्बन्ध आ भावक खुलासा
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

७७९. सम्बोधन शैली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) सखी, कान्ह, माधव, प्रिय आदि शब्दसँ सम्बन्ध आ भावक खुलासा
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७८०. सम्बोधन शैलीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) सखी, कान्ह, माधव, प्रिय आदि शब्दसँ सम्बन्ध आ भावक खुलासा

७८१. मधुरताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) कोमल ध्वनि, गेयता आ भाव-संयमसँ बनल काव्य-गुण
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७८२. मधुरता पढ़ते/समझते कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) कोमल ध्वनि, गेयता आ भाव-संयमसँ बनल काव्य-गुण
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

७८३. परीक्षामे मधुरता पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) कोमल ध्वनि, गेयता आ भाव-संयमसँ बनल काव्य-गुण
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७८४. मधुरता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) कोमल ध्वनि, गेयता आ भाव-संयमसँ बनल काव्य-गुण

७८५. मधुरताक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कोमल ध्वनि, गेयता आ भाव-संयमसँ बनल काव्य-गुण
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७८६. वक्रताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) सीधा कथन नहि, संकेतपूर्ण आ चमत्कारिक ढंगसँ भाव कहनाइ
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

७८७. वक्रता पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) सीधा कथन नहि, संकेतपूर्ण आ चमत्कारिक ढंगसँ भाव कहनाइ
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७८८. परीक्षामे वक्रता पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) सीधा कथन नहि, संकेतपूर्ण आ चमत्कारिक ढंगसँ भाव कहनाइ

७८९. वक्रता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) सीधा कथन नहि, संकेतपूर्ण आ चमत्कारिक ढंगसँ भाव कहनाइ
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

७९०. वक्रताक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) सीधा कथन नहि, संकेतपूर्ण आ चमत्कारिक ढंगसँ भाव कहनाइ
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

७९१. संवादात्मकताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) पदमे प्रश्न, उत्तर, शिकायत, विनय आ प्रत्युत्तरक संभावना
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

७९२. संवादात्मकता पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) पदमे प्रश्न, उत्तर, शिकायत, विनय आ प्रत्युत्तरक संभावना

७९३. परीक्षामे संवादात्मकता पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पदमे प्रश्न, उत्तर, शिकायत, विनय आ प्रत्युत्तरक संभावना
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

७९४. संवादात्मकता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) पदमे प्रश्न, उत्तर, शिकायत, विनय आ प्रत्युत्तरक संभावना
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

७९५. संवादात्मकताक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) पदमे प्रश्न, उत्तर, शिकायत, विनय आ प्रत्युत्तरक संभावना
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

७९६. काव्यात्मक अर्थक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) शब्दार्थसँ आगाँ भावार्थ, संकेतार्थ आ रसार्थ धरि पहुँचनाइ

७९७. काव्यात्मक अर्थ पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) शब्दार्थसँ आगाँ भावार्थ, संकेतार्थ आ रसार्थ धरि पहुँचनाइ
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

७९८. परीक्षामे काव्यात्मक अर्थ पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) शब्दार्थसँ आगाँ भावार्थ, संकेतार्थ आ रसार्थ धरि पहुँचनाइ
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

७९९. काव्यात्मक अर्थ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) शब्दार्थसँ आगाँ भावार्थ, संकेतार्थ आ रसार्थ धरि पहुँचनाइ
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

८००. काव्यात्मक अर्थक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) शब्दार्थसँ आगाँ भावार्थ, संकेतार्थ आ रसार्थ धरि पहुँचनाइ

८०१. शिव-भक्तिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) विद्यापति-परम्परामे महेश, गौरी, नचारी आ लोक-विश्वासक भावधारा
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

८०२. शिव-भक्ति पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) विद्यापति-परम्परामे महेश, गौरी, नचारी आ लोक-विश्वासक भावधारा
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८०३. परीक्षामे शिव-भक्ति पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) विद्यापति-परम्परामे महेश, गौरी, नचारी आ लोक-विश्वासक भावधारा

८०४. शिव-भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) विद्यापति-परम्परामे महेश, गौरी, नचारी आ लोक-विश्वासक भावधारा
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८०५. शिव-भक्तिक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) विद्यापति-परम्परामे महेश, गौरी, नचारी आ लोक-विश्वासक भावधारा
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

८०६. नचारीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) भक्तक विनय, दुःख, असहायता आ देवसमक्ष आत्म-समर्पणक गीत-रूप
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८०७. नचारी पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) भक्तक विनय, दुःख, असहायता आ देवसमक्ष आत्म-समर्पणक गीत-रूप

८०८. परीक्षामे नचारी पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) भक्तक विनय, दुःख, असहायता आ देवसमक्ष आत्म-समर्पणक गीत-रूप
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

८०९. नचारी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) भक्तक विनय, दुःख, असहायता आ देवसमक्ष आत्म-समर्पणक गीत-रूप
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

८१०. नचारीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) भक्तक विनय, दुःख, असहायता आ देवसमक्ष आत्म-समर्पणक गीत-रूप
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८११. महेशवानीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) शिव-परिवार, शिवक लोकानुरागी रूप आ भक्ति-लोकक रागात्मक प्रस्तुति

८१२. महेशवानी पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) शिव-परिवार, शिवक लोकानुरागी रूप आ भक्ति-लोकक रागात्मक प्रस्तुति
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८१३. परीक्षामे महेशवानी पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) शिव-परिवार, शिवक लोकानुरागी रूप आ भक्ति-लोकक रागात्मक प्रस्तुति
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

८१४. महेशवानी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) शिव-परिवार, शिवक लोकानुरागी रूप आ भक्ति-लोकक रागात्मक प्रस्तुति
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८१५. महेशवानीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) शिव-परिवार, शिवक लोकानुरागी रूप आ भक्ति-लोकक रागात्मक प्रस्तुति

८१६. गंगा-भावक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पवित्रता, स्मृति, मुक्ति आ मिथिला-भारतीय सांस्कृतिक चेतनाक प्रतीक
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८१७. गंगा-भाव पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) पवित्रता, स्मृति, मुक्ति आ मिथिला-भारतीय सांस्कृतिक चेतनाक प्रतीक
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

८१८. परीक्षामे गंगा-भाव पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) पवित्रता, स्मृति, मुक्ति आ मिथिला-भारतीय सांस्कृतिक चेतनाक प्रतीक
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

८१९. गंगा-भाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) पवित्रता, स्मृति, मुक्ति आ मिथिला-भारतीय सांस्कृतिक चेतनाक प्रतीक

८२०. गंगा-भावक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पवित्रता, स्मृति, मुक्ति आ मिथिला-भारतीय सांस्कृतिक चेतनाक प्रतीक
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८२१. देवी-भावक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) शक्ति, मातृत्व, करुणा आ लोक-आस्थाक रचनात्मक रूप
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

८२२. देवी-भाव पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) शक्ति, मातृत्व, करुणा आ लोक-आस्थाक रचनात्मक रूप
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८२३. परीक्षामे देवी-भाव पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) शक्ति, मातृत्व, करुणा आ लोक-आस्थाक रचनात्मक रूप

८२४. देवी-भाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) शक्ति, मातृत्व, करुणा आ लोक-आस्थाक रचनात्मक रूप
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८२५. देवी-भावक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) शक्ति, मातृत्व, करुणा आ लोक-आस्थाक रचनात्मक रूप
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

८२६. मानवीय प्रेम आ भक्तिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) प्रेमक मानवीय अनुभव दैवी भावक संकेत बनि सकैत अछि
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८२७. मानवीय प्रेम आ भक्ति पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेमक मानवीय अनुभव दैवी भावक संकेत बनि सकैत अछि

८२८. परीक्षामे मानवीय प्रेम आ भक्ति पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रेमक मानवीय अनुभव दैवी भावक संकेत बनि सकैत अछि
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

८२९. मानवीय प्रेम आ भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेमक मानवीय अनुभव दैवी भावक संकेत बनि सकैत अछि
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

८३०. मानवीय प्रेम आ भक्तिक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रेमक मानवीय अनुभव दैवी भावक संकेत बनि सकैत अछि
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८३१. लोक-गायनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतक जीवित परम्परा, सामूहिक स्मृति आ घरेलू-सांस्कृतिक प्रसार

८३२. लोक-गायन पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) गीतक जीवित परम्परा, सामूहिक स्मृति आ घरेलू-सांस्कृतिक प्रसार
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८३३. परीक्षामे लोक-गायन पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतक जीवित परम्परा, सामूहिक स्मृति आ घरेलू-सांस्कृतिक प्रसार
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

८३४. लोक-गायन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गीतक जीवित परम्परा, सामूहिक स्मृति आ घरेलू-सांस्कृतिक प्रसार
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८३५. लोक-गायनक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) गीतक जीवित परम्परा, सामूहिक स्मृति आ घरेलू-सांस्कृतिक प्रसार

८३६. विवाह-संस्कारक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) विद्यापति पदक लोक-गायनमे विवाह, मंगल आ रागात्मक स्मृतिसँ सम्बन्ध
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८३७. विवाह-संस्कार पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) विद्यापति पदक लोक-गायनमे विवाह, मंगल आ रागात्मक स्मृतिसँ सम्बन्ध
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

८३८. परीक्षामे विवाह-संस्कार पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) विद्यापति पदक लोक-गायनमे विवाह, मंगल आ रागात्मक स्मृतिसँ सम्बन्ध
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

८३९. विवाह-संस्कार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) विद्यापति पदक लोक-गायनमे विवाह, मंगल आ रागात्मक स्मृतिसँ सम्बन्ध

८४०. विवाह-संस्कारक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) विद्यापति पदक लोक-गायनमे विवाह, मंगल आ रागात्मक स्मृतिसँ सम्बन्ध
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८४१. पर्व-उत्सवक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) मौसम, पूजा, सामूहिक गायन आ सांस्कृतिक स्मृतिक अवसर
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

८४२. पर्व-उत्सव पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) मौसम, पूजा, सामूहिक गायन आ सांस्कृतिक स्मृतिक अवसर
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८४३. परीक्षामे पर्व-उत्सव पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) मौसम, पूजा, सामूहिक गायन आ सांस्कृतिक स्मृतिक अवसर

८४४. पर्व-उत्सव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) मौसम, पूजा, सामूहिक गायन आ सांस्कृतिक स्मृतिक अवसर
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८४५. पर्व-उत्सवक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) मौसम, पूजा, सामूहिक गायन आ सांस्कृतिक स्मृतिक अवसर
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

८४६. मिथिला-संस्कारक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) परिवार, समुदाय, स्त्री-गीत, देव-आस्था आ भाषा-स्मृतिक संगम
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८४७. मिथिला-संस्कार पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) परिवार, समुदाय, स्त्री-गीत, देव-आस्था आ भाषा-स्मृतिक संगम

८४८. परीक्षामे मिथिला-संस्कार पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) परिवार, समुदाय, स्त्री-गीत, देव-आस्था आ भाषा-स्मृतिक संगम
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

८४९. मिथिला-संस्कार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) परिवार, समुदाय, स्त्री-गीत, देव-आस्था आ भाषा-स्मृतिक संगम
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

८५०. मिथिला-संस्कारक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) परिवार, समुदाय, स्त्री-गीत, देव-आस्था आ भाषा-स्मृतिक संगम
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८५१. पूर्वी भारतक प्रभावक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) मैथिली पदावलीक ध्वनि बंग, असम, ओड़िशा, नेपाल आदिक गीत-परम्परामे पहुँचनाइ

८५२. पूर्वी भारतक प्रभाव पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) मैथिली पदावलीक ध्वनि बंग, असम, ओड़िशा, नेपाल आदिक गीत-परम्परामे पहुँचनाइ
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८५३. परीक्षामे पूर्वी भारतक प्रभाव पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) मैथिली पदावलीक ध्वनि बंग, असम, ओड़िशा, नेपाल आदिक गीत-परम्परामे पहुँचनाइ
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

८५४. पूर्वी भारतक प्रभाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) मैथिली पदावलीक ध्वनि बंग, असम, ओड़िशा, नेपाल आदिक गीत-परम्परामे पहुँचनाइ
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८५५. पूर्वी भारतक प्रभावक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) मैथिली पदावलीक ध्वनि बंग, असम, ओड़िशा, नेपाल आदिक गीत-परम्परामे पहुँचनाइ

८५६. नेपाल-सन्दर्भक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) मल्ल-कालीन सांस्कृतिक सम्पर्क आ मैथिली पदक राजदरबारी-सांगीतिक उपस्थिति
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८५७. नेपाल-सन्दर्भ पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) मल्ल-कालीन सांस्कृतिक सम्पर्क आ मैथिली पदक राजदरबारी-सांगीतिक उपस्थिति
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

८५८. परीक्षामे नेपाल-सन्दर्भ पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) मल्ल-कालीन सांस्कृतिक सम्पर्क आ मैथिली पदक राजदरबारी-सांगीतिक उपस्थिति
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

८५९. नेपाल-सन्दर्भ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) मल्ल-कालीन सांस्कृतिक सम्पर्क आ मैथिली पदक राजदरबारी-सांगीतिक उपस्थिति

८६०. नेपाल-सन्दर्भक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) मल्ल-कालीन सांस्कृतिक सम्पर्क आ मैथिली पदक राजदरबारी-सांगीतिक उपस्थिति
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८६१. पदानुकरणक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) पछिला कवि लोकनिक विद्यापति-शैली, भाव आ भाषा ग्रहण करब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

८६२. पदानुकरण पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) पछिला कवि लोकनिक विद्यापति-शैली, भाव आ भाषा ग्रहण करब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८६३. परीक्षामे पदानुकरण पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) पछिला कवि लोकनिक विद्यापति-शैली, भाव आ भाषा ग्रहण करब

८६४. पदानुकरण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पछिला कवि लोकनिक विद्यापति-शैली, भाव आ भाषा ग्रहण करब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८६५. पदानुकरणक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) पछिला कवि लोकनिक विद्यापति-शैली, भाव आ भाषा ग्रहण करब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

८६६. कवि-परम्पराक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) एक कविक पद-धारा लोकगायन, पाण्डुलिपि आ अनुकरणसँ लम्बा चलब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८६७. कवि-परम्परा पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) एक कविक पद-धारा लोकगायन, पाण्डुलिपि आ अनुकरणसँ लम्बा चलब

८६८. परीक्षामे कवि-परम्परा पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) एक कविक पद-धारा लोकगायन, पाण्डुलिपि आ अनुकरणसँ लम्बा चलब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

८६९. कवि-परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) एक कविक पद-धारा लोकगायन, पाण्डुलिपि आ अनुकरणसँ लम्बा चलब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

८७०. कवि-परम्पराक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) एक कविक पद-धारा लोकगायन, पाण्डुलिपि आ अनुकरणसँ लम्बा चलब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८७१. लोक आ दरबारक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) दरबारी विद्वत्ता आ लोक-गायनक बीच विद्यापति पदक सेतु-स्वरूप

८७२. लोक आ दरबार पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) दरबारी विद्वत्ता आ लोक-गायनक बीच विद्यापति पदक सेतु-स्वरूप
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८७३. परीक्षामे लोक आ दरबार पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) दरबारी विद्वत्ता आ लोक-गायनक बीच विद्यापति पदक सेतु-स्वरूप
- (C) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

८७४. लोक आ दरबार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) दरबारी विद्वत्ता आ लोक-गायनक बीच विद्यापति पदक सेतु-स्वरूप
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८७५. लोक आ दरबारक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) दरबारी विद्वत्ता आ लोक-गायनक बीच विद्यापति पदक सेतु-स्वरूप

८७६. सामूहिक स्मृतिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी गायन, कथा आ उद्धरणसँ कविता जीवित रहब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८७७. सामूहिक स्मृति पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी गायन, कथा आ उद्धरणसँ कविता जीवित रहब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

८७८. परीक्षामे सामूहिक स्मृति पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी गायन, कथा आ उद्धरणसँ कविता जीवित रहब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

८७९. सामूहिक स्मृति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी गायन, कथा आ उद्धरणसँ कविता जीवित रहब

८८०. सामूहिक स्मृतिक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी गायन, कथा आ उद्धरणसँ कविता जीवित रहब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८८१. भाषा-गौरवक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) विद्यापति पद मैथिली भाषाक मधुरता आ साहित्यिक सामर्थ्यक प्रमाण
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

८८२. भाषा-गौरव पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) विद्यापति पद मैथिली भाषाक मधुरता आ साहित्यिक सामर्थ्यक प्रमाण
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८८३. परीक्षामे भाषा-गौरव पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) विद्यापति पद मैथिली भाषाक मधुरता आ साहित्यिक सामर्थ्यक प्रमाण

८८४. भाषा-गौरव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) विद्यापति पद मैथिली भाषाक मधुरता आ साहित्यिक सामर्थ्यक प्रमाण
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८८५. भाषा-गौरवक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) विद्यापति पद मैथिली भाषाक मधुरता आ साहित्यिक सामर्थ्यक प्रमाण
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

८८६. सांस्कृतिक प्रतीकक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) कवि मात्र नहि, मिथिला-चिन्ह, गीत-स्मृति आ भाषा-गौरवक रूप
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८८७. सांस्कृतिक प्रतीक पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) कवि मात्र नहि, मिथिला-चिन्ह, गीत-स्मृति आ भाषा-गौरवक रूप

८८८. परीक्षामे सांस्कृतिक प्रतीक पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) कवि मात्र नहि, मिथिला-चिन्ह, गीत-स्मृति आ भाषा-गौरवक रूप
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

८८९. सांस्कृतिक प्रतीक विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) कवि मात्र नहि, मिथिला-चिन्ह, गीत-स्मृति आ भाषा-गौरवक रूप
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

८९०. सांस्कृतिक प्रतीकक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) कवि मात्र नहि, मिथिला-चिन्ह, गीत-स्मृति आ भाषा-गौरवक रूप
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

८९१. आधुनिक मंचक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) समारोह, गायन, नाट्य-प्रयोग आ पाठ-सभा द्वारा पदक पुनर्पाठ

८९२. आधुनिक मंच पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) समारोह, गायन, नाट्य-प्रयोग आ पाठ-सभा द्वारा पदक पुनर्पाठ
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

८९३. परीक्षामे आधुनिक मंच पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) समारोह, गायन, नाट्य-प्रयोग आ पाठ-सभा द्वारा पदक पुनर्पाठ
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

८९४. आधुनिक मंच विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) समारोह, गायन, नाट्य-प्रयोग आ पाठ-सभा द्वारा पदक पुनर्पाठ
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

८९५. आधुनिक मंचक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) समारोह, गायन, नाट्य-प्रयोग आ पाठ-सभा द्वारा पदक पुनर्पाठ

८९६. डिजिटल संरक्षणक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) ध्वनि, पाठ, पाण्डुलिपि, टीका आ शिक्षण-सामग्रीकेँ ऑनलाइन सुरक्षित करब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

८९७. डिजिटल संरक्षण पढ़ें/समझें कोन बात मुख्य राखब?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) ध्वनि, पाठ, पाण्डुलिपि, टीका आ शिक्षण-सामग्रीकें ऑनलाइन सुरक्षित करब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

८९८. परीक्षामे डिजिटल संरक्षण पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) ध्वनि, पाठ, पाण्डुलिपि, टीका आ शिक्षण-सामग्रीकें ऑनलाइन सुरक्षित करब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

८९९. डिजिटल संरक्षण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) ध्वनि, पाठ, पाण्डुलिपि, टीका आ शिक्षण-सामग्रीकें ऑनलाइन सुरक्षित करब

९००. डिजिटल संरक्षणक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) ध्वनि, पाठ, पाण्डुलिपि, टीका आ शिक्षण-सामग्रीकें ऑनलाइन सुरक्षित करब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

9

९०१. सार-लेखनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) गीतक कथा-सूत्र, वक्ता, भाव आ निष्कर्ष संक्षेपमे लिखब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९०२. सार-लेखन पढ़ें/समझें कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गीतक कथा-सूत्र, वक्ता, भाव आ निष्कर्ष संक्षेपमे लिखब

९०३. परीक्षामे सार-लेखन पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीतक कथा-सूत्र, वक्ता, भाव आ निष्कर्ष संक्षेपमे लिखब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९०४. सार-लेखन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गीतक कथा-सूत्र, वक्ता, भाव आ निष्कर्ष संक्षेपमे लिखब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

९०५. सार-लेखनक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गीतक कथा-सूत्र, वक्ता, भाव आ निष्कर्ष संक्षेपमे लिखब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९०६. भावार्थक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) पंक्तिक केवल शब्दार्थ नहि, भीतरक भाव-तरंग स्पष्ट करब

९०७. भावार्थ पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) पंक्तिक केवल शब्दार्थ नहि, भीतरक भाव-तरंग स्पष्ट करब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

९०८. परीक्षामे भावार्थ पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) पंक्तिक केवल शब्दार्थ नहि, भीतरक भाव-तरंग स्पष्ट करब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

९०९. भावार्थ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) पंक्तिक केवल शब्दार्थ नहि, भीतरक भाव-तरंग स्पष्ट करब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९१०. भावार्थक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) पंक्तिक केवल शब्दार्थ नहि, भीतरक भाव-तरंग स्पष्ट करब

९११. व्याख्याक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) शब्द, प्रसंग, भाव, बिम्ब आ रसक क्रमबद्ध खुलासा
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९१२. व्याख्या पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) शब्द, प्रसंग, भाव, बिम्ब आ रसक क्रमबद्ध खुलासा
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

९१३. परीक्षामे व्याख्या पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) शब्द, प्रसंग, भाव, बिम्ब आ रसक क्रमबद्ध खुलासा
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९१४. व्याख्या विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) शब्द, प्रसंग, भाव, बिम्ब आ रसक क्रमबद्ध खुलासा

९१५. व्याख्याक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) शब्द, प्रसंग, भाव, बिम्ब आ रसक क्रमबद्ध खुलासा
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९१६. आलोचनात्मक टिप्पणीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) प्रशंसा आ विवेचना दुनू संतुलित राखि प्रमाणसहित मत देब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

९१७. आलोचनात्मक टिप्पणी पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) प्रशंसा आ विवेचना दुनू संतुलित राखि प्रमाणसहित मत देब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

९१८. परीक्षामे आलोचनात्मक टिप्पणी पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) प्रशंसा आ विवेचना दुनू संतुलित राखि प्रमाणसहित मत देब

९१९. आलोचनात्मक टिप्पणी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रशंसा आ विवेचना दुनू संतुलित राखि प्रमाणसहित मत देब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९२०. आलोचनात्मक टिप्पणीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) प्रशंसा आ विवेचना दुनू संतुलित राखि प्रमाणसहित मत देब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

९२१. तुलनात्मक अध्ययनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) विद्यापति पदक तुलना परम्परा, लोकगीत, भक्ति वा अन्य कविसँ करब
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९२२. तुलनात्मक अध्ययन पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) विद्यापति पदक तुलना परम्परा, लोकगीत, भक्ति वा अन्य कविसँ करब

९२३. परीक्षामे तुलनात्मक अध्ययन पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) विद्यापति पदक तुलना परम्परा, लोकगीत, भक्ति वा अन्य कविसँ करब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९२४. तुलनात्मक अध्ययन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) विद्यापति पदक तुलना परम्परा, लोकगीत, भक्ति वा अन्य कविसँ करब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

९२५. तुलनात्मक अध्ययनक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) विद्यापति पदक तुलना परम्परा, लोकगीत, भक्ति वा अन्य कविसँ करब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९२६. उद्धरण-प्रयोगक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) छोट, सटीक आ प्रासंगिक पद-संकेत देब; पूरा गीत नकल नहि करब

९२७. उद्धरण-प्रयोग पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) छोट, सटीक आ प्रासंगिक पद-संकेत देब; पूरा गीत नकल नहि करब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

९२८. परीक्षामे उद्धरण-प्रयोग पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) छोट, सटीक आ प्रासंगिक पद-संकेत देब; पूरा गीत नकल नहि करब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

९२९. उद्धरण-प्रयोग विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) छोट, सटीक आ प्रासंगिक पद-संकेत देब; पूरा गीत नकल नहि करब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९३०. उद्धरण-प्रयोगक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) छोट, सटीक आ प्रासंगिक पद-संकेत देब; पूरा गीत नकल नहि करब

९३१. प्रसंग-स्थापनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) उत्तरक आरम्भमे गीत, कवि, भाव-स्थिति आ पाठ्य सन्दर्भ स्पष्ट करब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९३२. प्रसंग-स्थापन पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) उत्तरक आरम्भमे गीत, कवि, भाव-स्थिति आ पाठ्य सन्दर्भ स्पष्ट करब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

९३३. परीक्षामे प्रसंग-स्थापन पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) उत्तरक आरम्भमे गीत, कवि, भाव-स्थिति आ पाठ्य सन्दर्भ स्पष्ट करब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९३४. प्रसंग-स्थापन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) उत्तरक आरम्भमे गीत, कवि, भाव-स्थिति आ पाठ्य सन्दर्भ स्पष्ट करब

९३५. प्रसंग-स्थापनक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) उत्तरक आरम्भमे गीत, कवि, भाव-स्थिति आ पाठ्य सन्दर्भ स्पष्ट करब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९३६. रस-विश्लेषणक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव आ स्थायी भावक आधार पर निष्कर्ष
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

९३७. रस-विश्लेषण पढ़ते/समझते कोन बात मुख्य राखब?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव आ स्थायी भावक आधार पर निष्कर्ष
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

९३८. परीक्षामे रस-विश्लेषण पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव आ स्थायी भावक आधार पर निष्कर्ष

९३९. रस-विश्लेषण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव आ स्थायी भावक आधार पर निष्कर्ष
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९४०. रस-विश्लेषणक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव आ स्थायी भावक आधार पर निष्कर्ष
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

९४१. बिम्ब-विश्लेषणक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) प्रकृति, देह, नयन, रात्रि, ऋतु आदि चित्रक भाव-कार्य बतायब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९४२. बिम्ब-विश्लेषण पढ़ते/समझते कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) प्रकृति, देह, नयन, रात्रि, ऋतु आदि चित्रक भाव-कार्य बतायब

९४३. परीक्षामे बिम्ब-विश्लेषण पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) प्रकृति, देह, नयन, रात्रि, ऋतु आदि चित्रक भाव-कार्य बतायब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९४४. बिम्ब-विश्लेषण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) प्रकृति, देह, नयन, रात्रि, ऋतु आदि चित्रक भाव-कार्य बतायब
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

९४५. बिम्ब-विश्लेषणक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) प्रकृति, देह, नयन, रात्रि, ऋतु आदि चित्रक भाव-कार्य बतायब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९४६. भाषा-विश्लेषणक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) मैथिली शब्द, ध्वनि, लय, कोमलता आ लोक-निकटता देखायब

९४७. भाषा-विश्लेषण पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) मैथिली शब्द, ध्वनि, लय, कोमलता आ लोक-निकटता देखायब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

९४८. परीक्षामे भाषा-विश्लेषण पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) मैथिली शब्द, ध्वनि, लय, कोमलता आ लोक-निकटता देखायब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

९४९. भाषा-विश्लेषण विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनु।

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) मैथिली शब्द, ध्वनि, लय, कोमलता आ लोक-निकटता देखायब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९५०. भाषा-विश्लेषणक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) मैथिली शब्द, ध्वनि, लय, कोमलता आ लोक-निकटता देखायब

९५१. संगीत-पक्षक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) गेयता, लय, पुनरुक्ति, ताल आ ध्वनिक भूमिका स्पष्ट करब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९५२. संगीत-पक्ष पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गेयता, लय, पुनरुक्ति, ताल आ ध्वनिक भूमिका स्पष्ट करब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

१५३. परीक्षामे संगीत-पक्ष पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) गेयता, लय, पुनरुक्ति, ताल आ ध्वनिक भूमिका स्पष्ट करब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

१५४. संगीत-पक्ष विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) गेयता, लय, पुनरुक्ति, ताल आ ध्वनिक भूमिका स्पष्ट करब

१५५. संगीत-पक्षक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) गेयता, लय, पुनरुक्ति, ताल आ ध्वनिक भूमिका स्पष्ट करब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

१५६. नारी-दृष्टिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) नायिका-स्वर, इच्छा, लाज, मान आ आत्म-अनुभवक विवेचना
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

१५७. नारी-दृष्टि पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) नायिका-स्वर, इच्छा, लाज, मान आ आत्म-अनुभवक विवेचना
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

१५८. परीक्षामे नारी-दृष्टि पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) नायिका-स्वर, इच्छा, लाज, मान आ आत्म-अनुभवक विवेचना

१५९. नारी-दृष्टि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) नायिका-स्वर, इच्छा, लाज, मान आ आत्म-अनुभवक विवेचना
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१६०. नारी-दृष्टिक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) नायिका-स्वर, इच्छा, लाज, मान आ आत्म-अनुभवक विवेचना
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

९६१. प्रेम-दृष्टिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) देह, मन, आत्मा, दूरी, आकांक्षा आ संयोग-वियोगक सम्बन्ध
- (D) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९६२. प्रेम-दृष्टि पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) देह, मन, आत्मा, दूरी, आकांक्षा आ संयोग-वियोगक सम्बन्ध

९६३. परीक्षामे प्रेम-दृष्टि पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) देह, मन, आत्मा, दूरी, आकांक्षा आ संयोग-वियोगक सम्बन्ध
- (B) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९६४. प्रेम-दृष्टि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) देह, मन, आत्मा, दूरी, आकांक्षा आ संयोग-वियोगक सम्बन्ध
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब

९६५. प्रेम-दृष्टिक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (C) देह, मन, आत्मा, दूरी, आकांक्षा आ संयोग-वियोगक सम्बन्ध
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९६६. भक्ति-दृष्टिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) मानवीय प्रेमक दैवी संकेत, आत्मसमर्पण आ आस्था-भाव

९६७. भक्ति-दृष्टि पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) मानवीय प्रेमक दैवी संकेत, आत्मसमर्पण आ आस्था-भाव
- (B) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

९६८. परीक्षामे भक्ति-दृष्टि पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) मानवीय प्रेमक दैवी संकेत, आत्मसमर्पण आ आस्था-भाव
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

९६९. भक्ति-दृष्टि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) मानवीय प्रेमक दैवी संकेत, आत्मसमर्पण आ आस्था-भाव
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९७०. भक्ति-दृष्टिक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) मानवीय प्रेमक दैवी संकेत, आत्मसमर्पण आ आस्था-भाव

९७१. ऐतिहासिक सावधानीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) जीवन-कथा, लोक-श्रुति आ पाठ-प्रमाणक फर्क बुझि लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९७२. ऐतिहासिक सावधानी पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) जीवन-कथा, लोक-श्रुति आ पाठ-प्रमाणक फर्क बुझि लिखब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

९७३. परीक्षामे ऐतिहासिक सावधानी पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) जीवन-कथा, लोक-श्रुति आ पाठ-प्रमाणक फर्क बुझि लिखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९७४. ऐतिहासिक सावधानी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) जीवन-कथा, लोक-श्रुति आ पाठ-प्रमाणक फर्क बुझि लिखब

९७५. ऐतिहासिक सावधानीक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) जीवन-कथा, लोक-श्रुति आ पाठ-प्रमाणक फर्क बुझि लिखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९७६. पाठ-भेदक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) भिन्न पाठ भेटलासँ अर्थ-भेद आ प्रमाणिकता पर सावधानी
- (C) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

९७७. पाठ-भेद पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) भिन्न पाठ भेटलासँ अर्थ-भेद आ प्रमाणिकता पर सावधानी
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

९७८. परीक्षामे पाठ-भेद पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) भिन्न पाठ भेटलासँ अर्थ-भेद आ प्रमाणिकता पर सावधानी

९७९. पाठ-भेद विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) भिन्न पाठ भेटलासँ अर्थ-भेद आ प्रमाणिकता पर सावधानी
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९८०. पाठ-भेदक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) भिन्न पाठ भेटलासँ अर्थ-भेद आ प्रमाणिकता पर सावधानी
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

९८१. मौखिक परम्पराक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (B) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (C) गायन, स्मृति, उच्चारण आ समुदाय द्वारा पाठक जीवन्तता
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९८२. मौखिक परम्परा पढ़ैत/सम्झैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) गायन, स्मृति, उच्चारण आ समुदाय द्वारा पाठक जीवन्तता

९८३. परीक्षामे मौखिक परम्परा पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गायन, स्मृति, उच्चारण आ समुदाय द्वारा पाठक जीवन्तता
- (B) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (C) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९८४. मौखिक परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) गायन, स्मृति, उच्चारण आ समुदाय द्वारा पाठक जीवन्तता
- (C) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (D) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब

९८५. मौखिक परम्पराक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (B) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (C) गायन, स्मृति, उच्चारण आ समुदाय द्वारा पाठक जीवन्तता
- (D) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९८६. प्रश्न-पहिचानक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकेँ असम्बद्ध मानब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रश्न भाव, शिल्प, भाषा, रस वा इतिहास पर अछि—पहिने ई बुझब

९८७. प्रश्न-पहिचान पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) प्रश्न भाव, शिल्प, भाषा, रस वा इतिहास पर अछि—पहिने ई बुझब
- (B) रस आ प्रसंगकेँ अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (C) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब

९८८. परीक्षामे प्रश्न-पहिचान पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रश्न भाव, शिल्प, भाषा, रस वा इतिहास पर अछि—पहिने ई बुझब
- (C) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (D) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब

९८९. प्रश्न-पहिचान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ केँ एके अर्थमे मिला देब
- (B) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (C) प्रश्न भाव, शिल्प, भाषा, रस वा इतिहास पर अछि—पहिने ई बुझब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

९९०. प्रश्न-पहिचानक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) प्रश्न भाव, शिल्प, भाषा, रस वा इतिहास पर अछि—पहिने ई बुझब

९९१. उत्तरक संरचनाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) भूमिका, मुख्य विवेचना, प्रमाण, निष्कर्ष—चारि भागमे उत्तर राखब
- (B) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (C) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (D) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब

९९२. उत्तरक संरचना पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब
- (B) भूमिका, मुख्य विवेचना, प्रमाण, निष्कर्ष—चारि भागमे उत्तर राखब
- (C) गीतकेँ सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (D) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब

९९३. परीक्षामे उत्तरक संरचना पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) गीतकें सूखा ऐतिहासिक सूचना मानि लेब
- (B) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (C) भूमिका, मुख्य विवेचना, प्रमाण, निष्कर्ष—चारि भागमे उत्तर राखब
- (D) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब

९९४. उत्तरक संरचना विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) वक्ता, सम्बोधन आ भाव-परिवर्तन पर ध्यान नहि देब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) भूमिका, मुख्य विवेचना, प्रमाण, निष्कर्ष—चारि भागमे उत्तर राखब

९९५. उत्तरक संरचनाक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भूमिका, मुख्य विवेचना, प्रमाण, निष्कर्ष—चारि भागमे उत्तर राखब
- (B) केवल शीर्षक पढ़ि निष्कर्ष निकालब
- (C) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (D) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब

९९६. समग्र निष्कर्षक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) लोकभाषा, लय आ संकेतकें असम्बद्ध मानब
- (B) गीत संख्या एकसँ पचास धरि विद्यापतिक प्रेम, भक्ति, भाषा आ रसक संयुक्त संसार देखायब
- (C) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (D) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब

९९७. समग्र निष्कर्ष पढ़ैत/समझैत कोन बात मुख्य राखब?

- (A) रस आ प्रसंगकें अलग-अलग, बिना सम्बन्धक देखब
- (B) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (C) गीत संख्या एकसँ पचास धरि विद्यापतिक प्रेम, भक्ति, भाषा आ रसक संयुक्त संसार देखायब
- (D) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब

९९८. परीक्षामे समग्र निष्कर्ष पर सही उत्तर कोन दिशा मे बनत?

- (A) पाठक भीतरक नाटकीयता आ संवाद-स्वर नहि बुझब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) गीत संख्या एकसँ पचास धरि विद्यापतिक प्रेम, भक्ति, भाषा आ रसक संयुक्त संसार देखायब

९९९. समग्र निष्कर्ष विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) गीत संख्या एकसँ पचास धरि विद्यापतिक प्रेम, भक्ति, भाषा आ रसक संयुक्त संसार देखायब
- (B) प्रेम, भक्ति आ लोक-संस्कृति सभ कें एके अर्थमे मिला देब
- (C) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (D) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब

१०००. समग्र निष्कर्षक प्रसंगमे आलोचनात्मक दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) व्याख्या बिना मूल पंक्ति-भावक सहारा लिखब
- (B) गीत संख्या एकसँ पचास धरि विद्यापतिक प्रेम, भक्ति, भाषा आ रसक संयुक्त संसार देखायब
- (C) केवल कविक जन्म-तिथि दोहराएब, गीतक भाव नहि देखब
- (D) केवल शब्द-गणना करब आ अर्थ छोड़ि देब

- [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०००. (B) गीत संख्या एकसँ पचास धरि विद्यापतिक प्रेम, भक्ति, भाषा आ रसक संयुक्त संसार देखायब — सही उत्तर गीतक पाठ, भाव, भाषा आ काव्य-संरचनाकें जोड़ैत अछि। गीत संख्या एकसँ पचास धरि विद्यापतिक प्रेम, भक्ति, भाषा आ रसक संयुक्त संसार देखायब।

अध्याय ४ : विदेह क्विज — विद्यापति आ हुनकर परम्परा

0

१. विद्यापतिक कालक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२. विद्यापतिक कालक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विद्यापतिक काल केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

४. परीक्षामे जँ विद्यापतिक काल पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश

५. विद्यापतिक काल विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६. मैथिल कोकिलक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

७. मैथिल कोकिलक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मैथिल कोकिल केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम

९. परीक्षामे जँ मैथिल कोकिल पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१०. मैथिल कोकिल विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

११. बिस्फी परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) विद्यापतिक जन्म-स्मृतिकेँ मिथिलाक बिस्फी गामसँ जोड़यवाली लोक-परम्परा
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१२. बिस्फी परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) विद्यापतिक जन्म-स्मृतिकेँ मिथिलाक बिस्फी गामसँ जोड़यवाली लोक-परम्परा

१३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय बिस्फी परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) विद्यापतिक जन्म-स्मृतिकेँ मिथिलाक बिस्फी गामसँ जोड़यवाली लोक-परम्परा
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१४. परीक्षामे जँ बिस्फी परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) विद्यापतिक जन्म-स्मृतिकेँ मिथिलाक बिस्फी गामसँ जोड़यवाली लोक-परम्परा
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१५. बिस्फी परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) विद्यापतिक जन्म-स्मृतिकेँ मिथिलाक बिस्फी गामसँ जोड़यवाली लोक-परम्परा
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१६. ओइनिवार दरबारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) मिथिलाक ओहि राजकीय-सांस्कृतिक केन्द्र, जतय विद्यापतिक विद्वत्ता फूजल

१७. ओइनिवार दरबारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) मिथिलाक ओहि राजकीय-सांस्कृतिक केन्द्र, जतय विद्यापतिक विद्वत्ता फूजल
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ओइनिवार दरबार केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) मिथिलाक ओहि राजकीय-सांस्कृतिक केन्द्र, जतय विद्यापतिक विद्वत्ता फूजल
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१९. परीक्षामे जँ ओइनिवार दरबार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) मिथिलाक ओहि राजकीय-सांस्कृतिक केन्द्र, जतय विद्यापतिक विद्वत्ता फूजल
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२०. ओइनिवार दरबार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) मिथिलाक ओहि राजकीय-सांस्कृतिक केन्द्र, जतय विद्यापतिक विद्वत्ता फूजल

२१. राजा शिवसिंहक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) विद्यापतिक आश्रयदाता राजा-परम्परामे प्रमुख स्मरणीय नाम
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२२. राजा शिवसिंहक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) विद्यापतिक आश्रयदाता राजा-परम्परामे प्रमुख स्मरणीय नाम
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय राजा शिवसिंह केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) विद्यापतिक आश्रयदाता राजा-परम्परामे प्रमुख स्मरणीय नाम
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२४. परीक्षामे जँ राजा शिवसिंह पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) विद्यापतिक आश्रयदाता राजा-परम्परामे प्रमुख स्मरणीय नाम

२५. राजा शिवसिंह विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) विद्यापतिक आश्रयदाता राजा-परम्परामे प्रमुख स्मरणीय नाम
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२६. लखिमा देवीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) विद्यापति-स्मृतिमे दरबारी संस्कृति आ काव्यात्मक लोककथासँ जुड़ल नाम
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२७. लखिमा देवीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) विद्यापति-स्मृतिमे दरबारी संस्कृति आ काव्यात्मक लोककथासँ जुड़ल नाम
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लखिमा देवी केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) विद्यापति-स्मृतिमे दरबारी संस्कृति आ काव्यात्मक लोककथासँ जुड़ल नाम

२९. परीक्षामे जँ लखिमा देवी पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) विद्यापति-स्मृतिमे दरबारी संस्कृति आ काव्यात्मक लोककथासँ जुड़ल नाम
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३०. लखिमा देवी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) विद्यापति-स्मृतिमे दरबारी संस्कृति आ काव्यात्मक लोककथासँ जुड़ल नाम
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३१. दरबारी पाण्डित्यक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) संस्कृत, नीति, धर्मशास्त्र आ राजकीय लेखनक विद्वत् धरातल
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

३२. दरबारी पाण्डित्यक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) संस्कृत, नीति, धर्मशास्त्र आ राजकीय लेखनक विद्वत् धरातल

३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय दरबारी पाण्डित्य केँ केना बुझब उचित?

- (A) संस्कृत, नीति, धर्मशास्त्र आ राजकीय लेखनक विद्वत् धरातल
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३४. परीक्षामे जँ दरबारी पाण्डित्य पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) संस्कृत, नीति, धर्मशास्त्र आ राजकीय लेखनक विद्वत् धरातल
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३५. दरबारी पाण्डित्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) संस्कृत, नीति, धर्मशास्त्र आ राजकीय लेखनक विद्वत् धरातल
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

३६. लोकभाषिक प्रतिष्ठाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) मैथिलीकेँ भावपूर्ण उच्च काव्य-भाषा बनयबाक ऐतिहासिक योगदान

३७. लोकभाषिक प्रतिष्ठाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) मैथिलीकेँ भावपूर्ण उच्च काव्य-भाषा बनयबाक ऐतिहासिक योगदान
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोकभाषिक प्रतिष्ठा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) मैथिलीकेँ भावपूर्ण उच्च काव्य-भाषा बनयबाक ऐतिहासिक योगदान
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

३९. परीक्षामे जँ लोकभाषिक प्रतिष्ठा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) मैथिलीकेँ भावपूर्ण उच्च काव्य-भाषा बनयबाक ऐतिहासिक योगदान
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४०. लोकभाषिक प्रतिष्ठा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) मैथिलीकेँ भावपूर्ण उच्च काव्य-भाषा बनयबाक ऐतिहासिक योगदान

४१. बहुभाषिक प्रतिभाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) संस्कृत, अवहट्ट/अपभ्रंश आ मैथिलीपर विद्यापतिक अधिकार
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

४२. बहुभाषिक प्रतिभाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) संस्कृत, अवहट्ट/अपभ्रंश आ मैथिलीपर विद्यापतिक अधिकार
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय बहुभाषिक प्रतिभा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) संस्कृत, अवहट्ट/अपभ्रंश आ मैथिलीपर विद्यापतिक अधिकार
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४४. परीक्षामे जँ बहुभाषिक प्रतिभा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) संस्कृत, अवहट्ट/अपभ्रंश आ मैथिलीपर विद्यापतिक अधिकार

४५. बहुभाषिक प्रतिभा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) संस्कृत, अवहट्ट/अपभ्रंश आ मैथिलीपर विद्यापतिक अधिकार
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

४६. मिथिला-विद्या परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ पाण्डुलिपि-संस्कारक पृष्ठभूमि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

४७. मिथिला-विद्या परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ पाण्डुलिपि-संस्कारक पृष्ठभूमि
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मिथिला-विद्या परम्परा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ पाण्डुलिपि-संस्कारक पृष्ठभूमि

४९. परीक्षामे जँ मिथिला-विद्या परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ पाण्डुलिपि-संस्कारक पृष्ठभूमि
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५०. मिथिला-विद्या परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ पाण्डुलिपि-संस्कारक पृष्ठभूमि
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५१. कवि-पण्डित छविक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) गीतकार, शास्त्रकार, दरबारी लेखक आ धार्मिक विद्वानक संयुक्त रूप
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

५२. कवि-पण्डित छविक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) गीतकार, शास्त्रकार, दरबारी लेखक आ धार्मिक विद्वानक संयुक्त रूप

५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कवि-पण्डित छवि केँ केना बुझब उचित?

- (A) गीतकार, शास्त्रकार, दरबारी लेखक आ धार्मिक विद्वानक संयुक्त रूप
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५४. परीक्षामे जँ कवि-पण्डित छवि पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) गीतकार, शास्त्रकार, दरबारी लेखक आ धार्मिक विद्वानक संयुक्त रूप
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५५. कवि-पण्डित छवि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) गीतकार, शास्त्रकार, दरबारी लेखक आ धार्मिक विद्वानक संयुक्त रूप
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

५६. इतिहास आ किंवदन्तीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) विद्यापतिक जीवनवृत्तमे प्रमाणित तथ्य आ लोकस्मृति दुनूक संगम

५७. इतिहास आ किंवदन्तीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) विद्यापतिक जीवनवृत्तमे प्रमाणित तथ्य आ लोकस्मृति दुनूक संगम
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय इतिहास आ किंवदन्ती केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) विद्यापतिक जीवनवृत्तमे प्रमाणित तथ्य आ लोकस्मृति दुनूक संगम
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

५९. परीक्षामे जँ इतिहास आ किंवदन्ती पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) विद्यापतिक जीवनवृत्तमे प्रमाणित तथ्य आ लोकस्मृति दुनूक संगम
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६०. इतिहास आ किंवदन्ती विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) विद्यापतिक जीवनवृत्तमे प्रमाणित तथ्य आ लोकस्मृति दुनूक संगम

६१. गंगा-स्मृतिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) विद्यापतिक भक्तिपरक लोकस्मृतिमे गंगासँ जुड़ल भावुक प्रसंग
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

६२. गंगा-स्मृतिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) विद्यापतिक भक्तिपरक लोकस्मृतिमे गंगासँ जुड़ल भावुक प्रसंग
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय गंगा-स्मृति केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) विद्यापतिक भक्तिपरक लोकस्मृतिमे गंगासँ जुड़ल भावुक प्रसंग
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६४. परीक्षामे जँ गंगा-स्मृति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) विद्यापतिक भक्तिपरक लोकस्मृतिमे गंगासँ जुड़ल भावुक प्रसंग

६५. गंगा-स्मृति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) विद्यापतिक भक्तिपरक लोकस्मृतिमे गंगासँ जुड़ल भावुक प्रसंग
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

६६. राजकीय संस्कारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) राजा, पुरोहित, लेखक आ शास्त्रबोधक दरबारी जीवन-सन्दर्भ
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

६७. राजकीय संस्कारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) राजा, पुरोहित, लेखक आ शास्त्रबोधक दरबारी जीवन-सन्दर्भ
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय राजकीय संस्कार केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) राजा, पुरोहित, लेखक आ शास्त्रबोधक दरबारी जीवन-सन्दर्भ

६९. परीक्षामे जँ राजकीय संस्कार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) राजा, पुरोहित, लेखक आ शास्त्रबोधक दरबारी जीवन-सन्दर्भ
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

७०. राजकीय संस्कार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) राजा, पुरोहित, लेखक आ शास्त्रबोधक दरबारी जीवन-सन्दर्भ
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

७१. मिथिला-अस्मिताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) विद्यापतिक नामसँ मैथिली भाषा आ मिथिला-संस्कृतिक गौरव जुड़ब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

७२. मिथिला-अस्मिताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) विद्यापतिक नामसँ मैथिली भाषा आ मिथिला-संस्कृतिक गौरव जुड़ब

७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मिथिला-अस्मिता केँ केना बुझब उचित?

- (A) विद्यापतिक नामसँ मैथिली भाषा आ मिथिला-संस्कृतिक गौरव जुड़ब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

७४. परीक्षामे जँ मिथिला-अस्मिता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) विद्यापतिक नामसँ मैथिली भाषा आ मिथिला-संस्कृतिक गौरव जुड़ब
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

७५. मिथिला-अस्मिता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) विद्यापतिक नामसँ मैथिली भाषा आ मिथिला-संस्कृतिक गौरव जुड़ब
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

७६. सांस्कृतिक केन्द्रक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) दरबार, लोकगायन, शास्त्र आ मिथिला-जीवनक संयुक्त धरातल

७७. सांस्कृतिक केन्द्रक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) दरबार, लोकगायन, शास्त्र आ मिथिला-जीवनक संयुक्त धरातल
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सांस्कृतिक केन्द्र केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) दरबार, लोकगायन, शास्त्र आ मिथिला-जीवनक संयुक्त धरातल
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

७९. परीक्षामे जँ सांस्कृतिक केन्द्र पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) दरबार, लोकगायन, शास्त्र आ मिथिला-जीवनक संयुक्त धरातल
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

८०. सांस्कृतिक केन्द्र विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) दरबार, लोकगायन, शास्त्र आ मिथिला-जीवनक संयुक्त धरातल

८१. लोकप्रियताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) पदक गेयता, प्रेम, भक्ति आ सरल भाषा सँ व्यापक जनस्वीकार
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

८२. लोकप्रियताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) पदक गेयता, प्रेम, भक्ति आ सरल भाषा सँ व्यापक जनस्वीकार
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोकप्रियता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) पदक गेयता, प्रेम, भक्ति आ सरल भाषा सँ व्यापक जनस्वीकार
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

८४. परीक्षामे जँ लोकप्रियता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) पदक गेयता, प्रेम, भक्ति आ सरल भाषा सँ व्यापक जनस्वीकार

८५. लोकप्रियता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) पदक गेयता, प्रेम, भक्ति आ सरल भाषा सँ व्यापक जनस्वीकार
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

८६. कवि-व्यक्तित्वक बहुरूपताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) भक्त, शृङ्गारी कवि, नीतिज्ञ, इतिहास-लेखक आ शास्त्रकारक मेल
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

८७. कवि-व्यक्तित्वक बहुरूपताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) भक्त, शृङ्गारी कवि, नीतिज्ञ, इतिहास-लेखक आ शास्त्रकारक मेल
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कवि-व्यक्तित्वक बहुरूपता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) भक्त, शृङ्गारी कवि, नीतिज्ञ, इतिहास-लेखक आ शास्त्रकारक मेल

८९. परीक्षामे जँ कवि-व्यक्तित्वक बहुरूपता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) भक्त, शृङ्गारी कवि, नीतिज्ञ, इतिहास-लेखक आ शास्त्रकारक मेल
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

९०. कवि-व्यक्तित्वक बहुरूपता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) भक्त, शृङ्गारी कवि, नीतिज्ञ, इतिहास-लेखक आ शास्त्रकारक मेल
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

९१. विद्यापति-युगक महत्त्वक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

९२. विद्यापति-युगक महत्त्वक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय

९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विद्यापति-युगक महत्त्व केँ केना बुझब उचित?

- (A) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

९४. परीक्षामे जँ विद्यापति-युगक महत्त्व पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

९५. विद्यापति-युगक महत्त्व विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

९६. जीवन-अध्ययनक सावधानीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख

९७. जीवन-अध्ययनक सावधानीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय जीवन-अध्ययनक सावधानी केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

९९. परीक्षामे जँ जीवन-अध्ययनक सावधानी पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१००. जीवन-अध्ययनक सावधानी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख

1

१०१. कीर्तिलताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्ति सँ सम्बद्ध कृति
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१०२. कीर्तिलताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्ति सँ सम्बद्ध कृति
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१०३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कीर्तिलता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्ति सँ सम्बद्ध कृति

१०४. परीक्षामे जँ कीर्तिलता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्ति सँ सम्बद्ध कृति
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१०५. कीर्तिलता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्ति सँ सम्बद्ध कृति
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१०६. कीर्तिपताकाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१०७. कीर्तिपताकाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ

१०८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कीर्तिपताका केँ केना बुझब उचित?

- (A) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१०९. परीक्षामे जँ कीर्तिपताका पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

११०. कीर्तिपताका विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१११. पुरुष-परीक्षाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) नीति, आचरण, स्वभाव आ मनुष्य-परख पर केन्द्रित रचना

११२. पुरुष-परीक्षाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) नीति, आचरण, स्वभाव आ मनुष्य-परख पर केन्द्रित रचना
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

११३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पुरुष-परीक्षा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) नीति, आचरण, स्वभाव आ मनुष्य-परख पर केन्द्रित रचना
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

११४. परीक्षामे जँ पुरुष-परीक्षा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) नीति, आचरण, स्वभाव आ मनुष्य-परख पर केन्द्रित रचना
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

११५. पुरुष-परीक्षा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) नीति, आचरण, स्वभाव आ मनुष्य-परख पर केन्द्रित रचना

११६. भू-परिक्रमाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) तीर्थ, भूगोल, यात्रा आ पवित्र स्थान-ज्ञानसँ जुड़ल कृति
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

११७. भू-परिक्रमाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) तीर्थ, भूगोल, यात्रा आ पवित्र स्थान-ज्ञानसँ जुड़ल कृति
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

११८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय भू-परिक्रमा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) तीर्थ, भूगोल, यात्रा आ पवित्र स्थान-ज्ञानसँ जुड़ल कृति
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

११९. परीक्षामे जँ भू-परिक्रमा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) तीर्थ, भूगोल, यात्रा आ पवित्र स्थान-ज्ञानसँ जुड़ल कृति

१२०. भू-परिक्रमा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) तीर्थ, भूगोल, यात्रा आ पवित्र स्थान-ज्ञानसँ जुड़ल कृति
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१२१. लिखनावलीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) पत्र-लेखन, व्यवहारिक लेखन आ अभिलेखनक मार्गदर्शी रचना
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

१२२. लिखनावलीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) पत्र-लेखन, व्यवहारिक लेखन आ अभिलेखनक मार्गदर्शी रचना
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लिखनावली केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) पत्र-लेखन, व्यवहारिक लेखन आ अभिलेखनक मार्गदर्शी रचना

१२४. परीक्षामे जँ लिखनावली पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) पत्र-लेखन, व्यवहारिक लेखन आ अभिलेखनक मार्गदर्शी रचना
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१२५. लिखनावली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) पत्र-लेखन, व्यवहारिक लेखन आ अभिलेखनक मार्गदर्शी रचना
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१२६. गंगावाक्यावलीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) गंगा-भक्ति, पवित्रता आ धार्मिक विधानसँ सम्बद्ध ग्रन्थ
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१२७. गंगावाक्यावलीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) गंगा-भक्ति, पवित्रता आ धार्मिक विधानसँ सम्बद्ध ग्रन्थ

१२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय गंगावाक्यावली केँ केना बुझब उचित?

- (A) गंगा-भक्ति, पवित्रता आ धार्मिक विधानसँ सम्बद्ध ग्रन्थ
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१२९. परीक्षामे जँ गंगावाक्यावली पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) गंगा-भक्ति, पवित्रता आ धार्मिक विधानसँ सम्बद्ध ग्रन्थ
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१३०. गंगावाक्यावली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) गंगा-भक्ति, पवित्रता आ धार्मिक विधानसँ सम्बद्ध ग्रन्थ
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१३१. दानवाक्यावलीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन

१३२. दानवाक्यावलीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय दानवाक्यावली केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१३४. परीक्षामे जँ दानवाक्यावली पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१३५. दानवाक्यावली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन

१३६. दुर्गाभक्तितरंगिणीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१३७. दुर्गाभक्तितरंगिणीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय दुर्गाभक्तितरंगिणी केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१३९. परीक्षामे जँ दुर्गाभक्तितरंगिणी पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति

१४०. दुर्गाभक्तितरंगिणी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१४१. शैवसर्वस्वसारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

१४२. शैवसर्वस्वसारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय शैवसर्वस्वसार केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष

१४४. परीक्षामे जँ शैवसर्वस्वसार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१४५. शैवसर्वस्वसार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१४६. विभागसारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१४७. विभागसारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना

१४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विभागसार केँ केना बुझब उचित?

- (A) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१४९. परीक्षामे जँ विभागसार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१५०. विभागसार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१५१. वर्षकृत्यक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान

१५२. वर्षकृत्यक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय वर्षकृत्य केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१५४. परीक्षामे जँ वर्षकृत्य पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१५५. वर्षकृत्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान

१५६. गोरक्षविजयक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१५७. गोरक्षविजयक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय गोरक्षविजय केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१५९. परीक्षामे जँ गोरक्षविजय पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति

१६०. गोरक्षविजय विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१६१. मणिमञ्जरीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

१६२. मणिमञ्जरीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मणिमञ्जरी केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति

१६४. परीक्षामे जँ मणिमञ्जरी पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१६५. मणिमञ्जरी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१६६. पदावलीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

१६७. पदावलीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा

१६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पदावली केँ केना बुझब उचित?

- (A) राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१६९. परीक्षामे जँ पदावली पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१७०. पदावली विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१७१. संस्कृत कृतिसभक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) विद्यापतिक शास्त्रीय पाण्डित्य आ धर्म-विधानक प्रमाण

१७२. संस्कृत कृतिसभक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) विद्यापतिक शास्त्रीय पाण्डित्य आ धर्म-विधानक प्रमाण
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय संस्कृत कृतिसभ केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) विद्यापतिक शास्त्रीय पाण्डित्य आ धर्म-विधानक प्रमाण
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१७४. परीक्षामे जँ संस्कृत कृतिसभ पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) विद्यापतिक शास्त्रीय पाण्डित्य आ धर्म-विधानक प्रमाण
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१७५. संस्कृत कृतिसभ विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) विद्यापतिक शास्त्रीय पाण्डित्य आ धर्म-विधानक प्रमाण

१७६. अवहट्ट रचनाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) लोकभाषा आ संस्कृत बीचक ऐतिहासिक भाषिक सेतु
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

१७७. अवहट्ट रचनाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) लोकभाषा आ संस्कृत बीचक ऐतिहासिक भाषिक सेतु
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय अवहट्ट रचना केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकभाषा आ संस्कृत बीचक ऐतिहासिक भाषिक सेतु
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१७९. परीक्षामे जँ अवहट्ट रचना पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) लोकभाषा आ संस्कृत बीचक ऐतिहासिक भाषिक सेतु

१८०. अवहट्ट रचना विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) लोकभाषा आ संस्कृत बीचक ऐतिहासिक भाषिक सेतु
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१८१. ग्रन्थ-विविधताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) इतिहास, नीति, धर्म, भक्ति आ प्रेमगीतक बहुरंगी संसार
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

१८२. ग्रन्थ-विविधताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) इतिहास, नीति, धर्म, भक्ति आ प्रेमगीतक बहुरंगी संसार
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ग्रन्थ-विविधता केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) इतिहास, नीति, धर्म, भक्ति आ प्रेमगीतक बहुरंगी संसार

१८४. परीक्षामे जँ ग्रन्थ-विविधता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) इतिहास, नीति, धर्म, भक्ति आ प्रेमगीतक बहुरंगी संसार
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१८५. ग्रन्थ-विविधता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) इतिहास, नीति, धर्म, भक्ति आ प्रेमगीतक बहुरंगी संसार
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१८६. कृति-प्रामाणिकताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) प्रामाणिक, संदिग्ध आ परम्परागत आरोपित पाठक सावधान भेद
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

१८७. कृति-प्रामाणिकताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) प्रामाणिक, संदिग्ध आ परम्परागत आरोपित पाठक सावधान भेद

१८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय कृति-प्रामाणिकता केँ केना बुझब उचित?

- (A) प्रामाणिक, संदिग्ध आ परम्परागत आरोपित पाठक सावधान भेद
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१८९. परीक्षामे जँ कृति-प्रामाणिकता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) प्रामाणिक, संदिग्ध आ परम्परागत आरोपित पाठक सावधान भेद
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१९०. कृति-प्रामाणिकता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) प्रामाणिक, संदिग्ध आ परम्परागत आरोपित पाठक सावधान भेद
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१९१. नीति आ भक्तिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) व्यवहार-बोध, धर्म-बोध आ रस-संवेदनाक संयुक्त रूप

१९२. नीति आ भक्तिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) व्यवहार-बोध, धर्म-बोध आ रस-संवेदनाक संयुक्त रूप
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नीति आ भक्ति के केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) व्यवहार-बोध, धर्म-बोध आ रस-संवेदनाक संयुक्त रूप
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१९४. परीक्षामे जँ नीति आ भक्ति पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) व्यवहार-बोध, धर्म-बोध आ रस-संवेदनाक संयुक्त रूप
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१९५. नीति आ भक्ति विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) व्यवहार-बोध, धर्म-बोध आ रस-संवेदनाक संयुक्त रूप

१९६. पाण्डुलिपि-परम्पराक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) हस्तलिखित पाठ, पाठान्तर आ स्मृतिसँ चलल ग्रन्थ-संसार
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

१९७. पाण्डुलिपि-परम्पराक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) हस्तलिखित पाठ, पाठान्तर आ स्मृतिसँ चलल ग्रन्थ-संसार
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

१९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय पाण्डुलिपि-परम्परा के केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) हस्तलिखित पाठ, पाठान्तर आ स्मृतिसँ चलल ग्रन्थ-संसार
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

१९९. परीक्षामे जँ पाण्डुलिपि-परम्परा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) हस्तलिखित पाठ, पाठान्तर आ स्मृतिसँ चलल ग्रन्थ-संसार

२००. पाण्डुलिपि-परम्परा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) हस्तलिखित पाठ, पाठान्तर आ स्मृतिसँ चलल ग्रन्थ-संसार
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२०१. राधा-कृष्ण प्रेमक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) मानवीय शृङ्गार आ भक्तिभावक मधुर संगम
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२०२. राधा-कृष्ण प्रेमक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) मानवीय शृङ्गार आ भक्तिभावक मधुर संगम

२०३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय राधा-कृष्ण प्रेम केँ केना बुझब उचित?

- (A) मानवीय शृङ्गार आ भक्तिभावक मधुर संगम
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२०४. परीक्षामे जँ राधा-कृष्ण प्रेम पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) मानवीय शृङ्गार आ भक्तिभावक मधुर संगम
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२०५. राधा-कृष्ण प्रेम विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) मानवीय शृङ्गार आ भक्तिभावक मधुर संगम
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२०६. विरहक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) प्रिय-वियोग, प्रतीक्षा आ करुण स्मरणक तीव्र भाव

२०७. विरहक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) प्रिय-वियोग, प्रतीक्षा आ करुण स्मरणक तीव्र भाव
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२०८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय विरह केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) प्रिय-वियोग, प्रतीक्षा आ करुण स्मरणक तीव्र भाव
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२०९. परीक्षामे जँ विरह पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) प्रिय-वियोग, प्रतीक्षा आ करुण स्मरणक तीव्र भाव
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२१०. विरह विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) प्रिय-वियोग, प्रतीक्षा आ करुण स्मरणक तीव्र भाव

२११. मिलनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) प्रिय-दर्शन, संयोग आ प्रेम-सफलताक रसपूर्ण क्षण
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२१२. मिलनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) प्रिय-दर्शन, संयोग आ प्रेम-सफलताक रसपूर्ण क्षण
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२१३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मिलन केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) प्रिय-दर्शन, संयोग आ प्रेम-सफलताक रसपूर्ण क्षण
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२१४. परीक्षामे जँ मिलन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) प्रिय-दर्शन, संयोग आ प्रेम-सफलताक रसपूर्ण क्षण

२१५. मिलन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रिय-दर्शन, संयोग आ प्रेम-सफलताक रसपूर्ण क्षण
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२१६. मानक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) प्रेममे रूठब, स्वाभिमान आ नायिका-मनक सूक्ष्म भाव
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

२१७. मानक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) प्रेममे रूठब, स्वाभिमान आ नायिका-मनक सूक्ष्म भाव
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२१८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मान केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) प्रेममे रूठब, स्वाभिमान आ नायिका-मनक सूक्ष्म भाव

२१९. परीक्षामे जँ मान पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) प्रेममे रूठब, स्वाभिमान आ नायिका-मनक सूक्ष्म भाव
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२२०. मान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) प्रेममे रूठब, स्वाभिमान आ नायिका-मनक सूक्ष्म भाव
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२२१. अभिसारक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (B) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (C) प्रियक भेट लेल बाधा पार करैत नायिकाक साहसिक गमन
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२२२. अभिसारक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) प्रियक भेट लेल बाधा पार करैत नायिकाक साहसिक गमन

२२३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय अभिसार केँ केना बुझब उचित?

- (A) प्रियक भेट लेल बाधा पार करैत नायिकाक साहसिक गमन
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२२४. परीक्षामे जँ अभिसार पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) प्रियक भेट लेल बाधा पार करैत नायिकाक साहसिक गमन
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२२५. अभिसार विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) प्रियक भेट लेल बाधा पार करैत नायिकाक साहसिक गमन
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२२६. सखीक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) प्रेम-संवादक मध्यस्थ, सलाहकार आ भाव-प्रकाशक पात्र

२२७. सखीक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) प्रेम-संवादक मध्यस्थ, सलाहकार आ भाव-प्रकाशक पात्र
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२२८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सखी केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) प्रेम-संवादक मध्यस्थ, सलाहकार आ भाव-प्रकाशक पात्र
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२२९. परीक्षामे जँ सखी पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) प्रेम-संवादक मध्यस्थ, सलाहकार आ भाव-प्रकाशक पात्र
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२३०. सखी विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) प्रेम-संवादक मध्यस्थ, सलाहकार आ भाव-प्रकाशक पात्र

२३१. नख-शिख वर्णनक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) नायिका-सौन्दर्यक अंग-अंगसँ क्रमिक कलात्मक चित्रण
- (B) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (C) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२३२. नख-शिख वर्णनक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) नायिका-सौन्दर्यक अंग-अंगसँ क्रमिक कलात्मक चित्रण
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२३३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नख-शिख वर्णन केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) नायिका-सौन्दर्यक अंग-अंगसँ क्रमिक कलात्मक चित्रण
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२३४. परीक्षामे जँ नख-शिख वर्णन पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) नायिका-सौन्दर्यक अंग-अंगसँ क्रमिक कलात्मक चित्रण

२३५. नख-शिख वर्णन विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) नायिका-सौन्दर्यक अंग-अंगसँ क्रमिक कलात्मक चित्रण
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२३६. ऋतु-चित्रक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) वसन्त, वर्षा, शरद आदि प्रकृतिसँ प्रेम-भावक तीव्रता
- (C) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि

२३७. ऋतु-चित्रक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) वसन्त, वर्षा, शरद आदि प्रकृतिसँ प्रेम-भावक तीव्रता
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२३८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय ऋतु-चित्र केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) वसन्त, वर्षा, शरद आदि प्रकृतिसँ प्रेम-भावक तीव्रता

२३९. परीक्षामे जँ ऋतु-चित्र पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) वसन्त, वर्षा, शरद आदि प्रकृतिसँ प्रेम-भावक तीव्रता
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२४०. ऋतु-चित्र विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) वसन्त, वर्षा, शरद आदि प्रकृतिसँ प्रेम-भावक तीव्रता
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२४१. वसन्तक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (C) प्रेम-जागरण, फूल-पात, रंग आ नव-उल्लासक ऋतु-संकेत
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२४२. वसन्तक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) प्रेम-जागरण, फूल-पात, रंग आ नव-उल्लासक ऋतु-संकेत

२४३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय वसन्त केँ केना बुझब उचित?

- (A) प्रेम-जागरण, फूल-पात, रंग आ नव-उल्लासक ऋतु-संकेत
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२४४. परीक्षामे जँ वसन्त पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) प्रेम-जागरण, फूल-पात, रंग आ नव-उल्लासक ऋतु-संकेत
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२४५. वसन्त विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) प्रेम-जागरण, फूल-पात, रंग आ नव-उल्लासक ऋतु-संकेत
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२४६. मेघ-वर्षाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) विरह, स्मरण आ प्रिय-पथक बाधा-सूचक प्रकृति

२४७. मेघ-वर्षाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) विरह, स्मरण आ प्रिय-पथक बाधा-सूचक प्रकृति
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२४८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय मेघ-वर्षा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) विरह, स्मरण आ प्रिय-पथक बाधा-सूचक प्रकृति
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२४९. परीक्षामे जँ मेघ-वर्षा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) विरह, स्मरण आ प्रिय-पथक बाधा-सूचक प्रकृति
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२५०. मेघ-वर्षा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) विरह, स्मरण आ प्रिय-पथक बाधा-सूचक प्रकृति

२५१. नयना-भावक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेमक अनकहल भाषा आ नयन-संकेतक शक्ति
- (B) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (C) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२५२. नयना-भावक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) प्रेमक अनकहल भाषा आ नयन-संकेतक शक्ति
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२५३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नयना-भाव केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) प्रेमक अनकहल भाषा आ नयन-संकेतक शक्ति
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२५४. परीक्षामे जँ नयना-भाव पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) प्रेमक अनकहल भाषा आ नयन-संकेतक शक्ति

२५५. नयना-भाव विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रेमक अनकहल भाषा आ नयन-संकेतक शक्ति
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२५६. लज्जाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) प्रेम-भावक सामाजिक मर्यादा आ मनोवैज्ञानिक आवरण
- (C) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (D) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली

२५७. लज्जाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) प्रेम-भावक सामाजिक मर्यादा आ मनोवैज्ञानिक आवरण
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२५८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लज्जा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) प्रेम-भावक सामाजिक मर्यादा आ मनोवैज्ञानिक आवरण

२५९. परीक्षामे जँ लज्जा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) प्रेम-भावक सामाजिक मर्यादा आ मनोवैज्ञानिक आवरण
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२६०. लज्जा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) प्रेम-भावक सामाजिक मर्यादा आ मनोवैज्ञानिक आवरण
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२६१. देह आ आत्मीयताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (B) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (C) शरीरक चित्रणद्वारा मन, प्रेम आ भक्ति अभिव्यक्त करब
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२६२. देह आ आत्मीयताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) शरीरक चित्रणद्वारा मन, प्रेम आ भक्ति अभिव्यक्त करब

२६३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय देह आ आत्मीयता केँ केना बुझब उचित?

- (A) शरीरक चित्रणद्वारा मन, प्रेम आ भक्ति अभिव्यक्त करब
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२६४. परीक्षामे जँ देह आ आत्मीयता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) शरीरक चित्रणद्वारा मन, प्रेम आ भक्ति अभिव्यक्त करब
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२६५. देह आ आत्मीयता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) शरीरक चित्रणद्वारा मन, प्रेम आ भक्ति अभिव्यक्त करब
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२६६. माधुर्यक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) सरस भाषा, गीतात्मकता आ भावक मिठास

२६७. माधुर्यक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) सरस भाषा, गीतात्मकता आ भावक मिठास
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२६८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय माधुर्य केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) सरस भाषा, गीतात्मकता आ भावक मिठास
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२६९. परीक्षामे जँ माधुर्य पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) सरस भाषा, गीतात्मकता आ भावक मिठास
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२७०. माधुर्य विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) सरस भाषा, गीतात्मकता आ भावक मिठास

२७१. सूक्ष्म मनोविज्ञानक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण
- (B) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (C) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (D) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन

२७२. सूक्ष्म मनोविज्ञानक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२७३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय सूक्ष्म मनोविज्ञान के केना बुझब उचित?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२७४. परीक्षामे जँ सूक्ष्म मनोविज्ञान पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण

२७५. सूक्ष्म मनोविज्ञान विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२७६. लोक-उपमाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब
- (B) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना
- (C) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (D) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि

२७७. लोक-उपमाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२७८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय लोक-उपमा के केना बुझब उचित?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना

२७९. परीक्षामे जँ लोक-उपमा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२८०. लोक-उपमा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२८१. रागात्मकताक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल दैनन्दिन बाजार-दर आ मोलभावक प्रतिवेदन
- (B) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (C) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय
- (D) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि

२८२. रागात्मकताक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय

२८३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय रागात्मकता केँ केना बुझब उचित?

- (A) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२८४. परीक्षामे जँ रागात्मकता पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२८५. रागात्मकता विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२८६. प्रेमक द्वैधक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल असंबद्ध कथा, जाहिमे साहित्यिक भाव नहि अछि
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ

२८७. प्रेमक द्वैधक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२८८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय प्रेमक द्वैध केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२८९. परीक्षामे जँ प्रेमक द्वैध पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२९०. प्रेमक द्वैध विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ

२९१. नायिका-केंद्रित दृष्टिक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति
- (B) केवल गणितीय सूत्र, जकर काव्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (D) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग

२९२. नायिका-केंद्रित दृष्टिक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२९३. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय नायिका-केंद्रित दृष्टि केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२९४. परीक्षामे जँ नायिका-केंद्रित दृष्टि पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति

२९५. नायिका-केंद्रित दृष्टि विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

२९६. शृङ्गारक मर्यादाक मुख्य अर्थ/महत्त्व की अछि?

- (A) केवल खेल-कूदक नियम, जकर विद्यापति-साहित्यसँ सरोकार नहि
- (B) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति
- (C) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (D) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश

२९७. शृङ्गारक मर्यादाक प्रसंगमे सही कथन चुनू।

- (A) केवल कर-वसूली आ राजस्व-लेखाक सूखा प्रसंग
- (B) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (C) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति
- (D) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची

२९८. विद्यापति आ हुनकर परम्परा पढ़ैत समय शृङ्गारक मर्यादा केँ केना बुझब उचित?

- (A) केवल युद्ध-अस्त्र आ सैनिक अभ्यासक निर्देश
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति

२९९. परीक्षामे जँ शृङ्गारक मर्यादा पर प्रश्न आबय, तँ मुख्य उत्तर कोन हेतै?

- (A) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति
- (B) केवल खेतक औजार, पशु आ अन्न-भंडारक सूची
- (C) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (D) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन

३००. शृङ्गारक मर्यादा विषयक गलतफहमी सँ बचबाक लेल सही बात चुनू।

- (A) केवल आधुनिक समाचार-पत्रक संपादकीय शैली
- (B) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति
- (C) केवल समुद्री व्यापार आ नाव-व्यवस्थाक वर्णन
- (D) केवल भवन-निर्माणक नाप-जोख आ माटि-पत्थरक हिसाब

उत्तरमाला — अध्याय ४ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश — एहि प्रश्नमे विद्यापतिक कालक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश।

२. (B) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश — सही उत्तर विद्यापतिक कालक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश।

३. (C) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश।

४. (D) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश।

५. (A) चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। चौदहम-पन्द्रहम शताब्दीक मिथिला-सांस्कृतिक आ दरबारी परिवेश।

६. (B) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम — एहि प्रश्नमे मैथिल कोकिलक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम।

७. (C) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम — सही उत्तर मैथिल कोकिलक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम।

८. (D) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम।

९. (A) विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। विद्यापतिक मधुर पद-गायन आ काव्यस्वरक सम्मानसूचक नाम।

૧૦. (B) ભક્ત, શૃંગારી કવિ, નીતિજ્ઞ, ઇતિહાસ-લેખક આ શાસ્ત્રકારક મેલ — ગલત વિકલ્પ સામાન્ય ભ્રમ અછિ; સહી વિકલ્પ વિષયક સટીક સાહિત્યિક અર્થ દૈત અછિ। ભક્ત, શૃંગારી કવિ, નીતિજ્ઞ, ઇતિહાસ-લેખક આ શાસ્ત્રકારક મેલ।

११. (C) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय — एहि प्रश्नमे विद्यापति-युगक महत्त्वक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय।

१२. (D) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय — सही उत्तर विद्यापति-युगक महत्त्वक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय।

१३. (A) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि।
मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय।

१४. (B) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही।
मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय।

१५. (C) मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। मैथिली गीत-काव्य आ शास्त्रीय रचनाक उत्कर्षक निर्णायक समय।

१६. (D) स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख — एहि प्रश्नमे जीवन-अध्ययनक सावधानीक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख।

૧૭. (A) સ્રોત, પાણ્ડુલિપિ, લોકકથા આ ઇતિહાસક અલગ-અલગ પરખ — સહી ઉત્તર જીવન-અધ્યયનક સાવધાનીક પ્રસંગકે વિદ્યાપતિ આ હુનકર પરમ્પરાસં જોડૈત અછિ। સ્રોત, પાણ્ડુલિપિ, લોકકથા આ ઇતિહાસક અલગ-અલગ પરખ।

१८. (B) स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि।
स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख।

११. (C) स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। स्रोत, पाण्डुलिपि, लोककथा आ इतिहासक अलग-अलग परख।

૧૦૦. (D) સ્રોત, પાણ્ડુલિપિ, લોકકથા આ ઇતિહાસક અલગ-અલગ પરખ — ગલત વિકલ્પ સામાન્ય ભ્રમ અછિ; સહી વિકલ્પ વિષયક સટીક સાહિત્યિક અર્થ દૈત અછિ। સ્રોત, પાણ્ડુલિપિ, લોકકથા આ ઇતિહાસક અલગ-અલગ પરખ।

१०१. (B) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिसँ सम्बद्ध कृति — एहि प्रश्नमे कीर्तिलताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिसँ सम्बद्ध कृति।

१०२. (C) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिस्सँ सम्बद्ध कृति — सही उत्तर कीर्तिलताक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि।
अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिस्सँ सम्बद्ध कृति।

१०३. (D) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिस्ँ सम्बद्ध कृति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि।
अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिस्ँ सम्बद्ध कृति।

१०४. (A) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिस्सँ सम्बद्ध कृति — परीक्षा-दृष्टिस्सँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिस्सँ सम्बद्ध कृति।

१०५. (B) अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिसँ सम्बद्ध कृति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। अवहट्ट-परम्परा, इतिहास आ राजकीय प्रशस्तिसँ सम्बद्ध कृति।

१०६. (C) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ — एहि प्रश्नमे कीर्तिपताकाक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ।

१०७. (D) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ — सही उत्तर कीर्तिपताकाक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ।

१०८. (A) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ।

१०९. (B) राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। राजकीय यश, इतिहास-चेतना आ प्रशस्ति-परम्पराक कृति-संदर्भ।

१३०. (C) गंगा-भक्ति, पवित्रता आ धार्मिक विधानसँ सम्बद्ध ग्रन्थ — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। गंगा-भक्ति, पवित्रता आ धार्मिक विधानसँ सम्बद्ध ग्रन्थ।

૧૩૧. (D) દાન, ધર્માચાર આ સામાજિક-ધાર્મિક વિધિક વિવેચન — એહ પ્રશ્નમે દાનવાક્યાવલીક મૂલ સાહિત્યિક સ્થાન પહચાનબાક અછિ। દાન, ધર્માચાર આ સામાજિક-ધાર્મિક વિધિક વિવેચન।

१३२. (A) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन — सही उत्तर दानवाक्यावलीक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन।

१३३. (B) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन।

१३४. (C) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन।

१३५. (D) दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। दान, धर्माचार आ सामाजिक-धार्मिक विधिक विवेचन।

१३६. (A) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति — एहि प्रश्नमे दुर्गाभक्तितरंगिणीक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति।

१३७. (B) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति — सही उत्तर दुर्गाभक्तितरंगिणीक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति।

१३८. (C) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति।

१३९. (D) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति।

१४०. (A) देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। देवी-दुर्गा भक्ति आ स्तुति-धारासँ जुड़ल कृति।

४४१. (B) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष — एहि प्रश्नमे शैवसर्वस्वसारक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष।

१४२. (C) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष — सही उत्तर शैवसर्वस्वसारक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष।

१४३. (D) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष।

१४४. (A) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष।

१४५. (B) शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। शिव-भक्ति आ शैव तत्त्व-चिन्तनक शास्त्रीय पक्ष।

१४६. (C) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना — एहि प्रश्नमे विभागसारक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना।

१४७. (D) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना — सही उत्तर विभागसारक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना।

१४८. (A) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना।

१४९. (B) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना।

१५०. (C) धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। धार्मिक-व्यवहार, विधि आ शास्त्रीय वर्गीकरणक रचना।

१५१. (D) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान — एहि प्रश्नमे वर्षकृत्यक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान।

१५२. (A) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान — सही उत्तर वर्षकृत्यक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान।

१५३. (B) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान।

१५४. (C) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान।

१५५. (D) वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि।
वर्ष-भरिक व्रत, पूजा, संस्कार आ कर्तव्यक विधान।

१५६. (A) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति — एहि प्रश्नमे गोरक्षविजयक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति।

१५७. (B) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति — सही उत्तर गोरक्षविजयक प्रसंगक विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति।

१५८. (C) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति।

१५९. (D) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति।

१६०. (A) नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। नाथ-परम्परा, आख्यान आ नाट्य-कथात्मक संदर्भक कृति।

१६१. (B) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति — एहि प्रश्नमे मणिमञ्जरीक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति।

१६२. (C) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति — सही उत्तर मणिमञ्जरीक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति।

१६३. (D) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति।

१६४. (A) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति।

१६५. (B) विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। विद्यापति-संबद्ध कथा/नाट्य/काव्यात्मक रचना-स्मृति।

૧૬૬. (C) રાધા-કૃષ્ણ, પ્રેમ, વિરહ, ભક્તિ આ ગેયતા-સંપન્ન ગીતધારા — એહિ પ્રશ્નમે પદાવલીક મૂલ સાહિત્યિક સ્થાન પહચાનબાક અછિ। રાધા-કૃષ્ણ, પ્રેમ, વિરહ, ભક્તિ આ ગેયતા-સંપન્ન ગીતધારા।

१६७. (D) राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा — सही उत्तर पदावलीक प्रसंगकेँ विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा।

१६८. (A) राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा।

१६९. (B) राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा — परीक्षा-दृष्टिसे तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। राधा-कृष्ण, प्रेम, विरह, भक्ति आ गेयता-संपन्न गीतधारा।

- २७०. (D) सरस भाषा, गीतात्मकता आ भावक मिठास** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। सरस भाषा, गीतात्मकता आ भावक मिठास।
- २७१. (A) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण** — एहि प्रश्नमे सूक्ष्म मनोविज्ञानक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण।
- २७२. (B) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण** — सही उत्तर सूक्ष्म मनोविज्ञानक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण।
- २७३. (C) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण।
- २७४. (D) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण।
- २७५. (A) प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। प्रेमी-प्रेमिकाक मनोदशाक महीन चित्रण।
- २७६. (B) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना** — एहि प्रश्नमे लोक-उपमाक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना।
- २७७. (C) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना** — सही उत्तर लोक-उपमाक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना।
- २७८. (D) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना।
- २७९. (A) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना।
- २८०. (B) घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। घरेलू, प्राकृतिक आ मिथिला-जीवनसँ उठाओल तुलना।
- २८१. (C) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय** — एहि प्रश्नमे रागात्मकताक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय।
- २८२. (D) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय** — सही उत्तर रागात्मकताक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय।
- २८३. (A) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय।
- २८४. (B) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय।
- २८५. (C) गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। गीतक भावक संग संगीतात्मक बहाव आ लय।
- २८६. (D) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ** — एहि प्रश्नमे प्रेमक द्वैधक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ।
- २८७. (A) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ** — सही उत्तर प्रेमक द्वैधक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ।
- २८८. (B) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ।
- २८९. (C) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ।

- २९०. (D) लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। लौकिक रति आ आध्यात्मिक अनुरागक संग-साथ।
- २९१. (A) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति** — एहि प्रश्नमे नायिका-केंद्रित दृष्टिक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति।
- २९२. (B) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति** — सही उत्तर नायिका-केंद्रित दृष्टिक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति।
- २९३. (C) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति।
- २९४. (D) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति।
- २९५. (A) राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। राधा आ सखीक भावसँ प्रेम-अनुभवक प्रस्तुति।
- २९६. (B) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति** — एहि प्रश्नमे शृङ्गारक मर्यादाक मूल साहित्यिक स्थान पहचानबाक अछि। रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति।
- २९७. (C) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति** — सही उत्तर शृङ्गारक मर्यादाक प्रसंगकें विद्यापति आ हुनकर परम्परासँ जोड़ैत अछि। रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति।
- २९८. (D) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति** — एहि बिन्दुमे शब्द, भाव, इतिहास आ परम्पराक सम्बन्ध बुझनाइ जरूरी अछि। रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति।
- २९९. (A) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति** — परीक्षा-दृष्टिसँ तथ्यक संग ओकर साहित्यिक अर्थ सेहो देखबाक चाही। रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति।
- ३००. (B) रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति** — गलत विकल्प सामान्य भ्रम अछि; सही विकल्प विषयक सटीक साहित्यिक अर्थ दैत अछि। रस, संकेत, लय आ सौन्दर्यसँ भावक कलात्मक प्रस्तुति।